3 राजधानी
दिल्ली के कई क्षेत्रों में झमाझम बारिश

6 अभिमत
आंध्र प्रदेश में नायडू की वापसी

11 विदेश
दक्षिण कोरिया में फैक्टरी में आग, 22 की मौत

12 स्पोर्ट्स
दक्षिण अफ्रीका सेमीफाइनल में

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 226
नई दिल्ली, मंगलवार, 25 जून, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

रेल मंत्री ने कवच के उन्नत संस्करण की समीक्षा की

राष्ट्रीय-10

देश जिम्मेदार विपक्ष चाहता है: पीएम

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

फोटोः रंजन डिमरी

नई दिल्ली में 18वीं लोकसभा के पहले सत्र के पहले दिन संसद परिसर में पहुंचने के बाद विचार व्यक्त करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

सरकार के यह कहने के एक दिन बाद कि उसे संसद के सौहार्दपूर्ण विशेष सत्र की उम्मीद है, जिसके दौरान सदस्य सांसद के रूप में शपथ भी लेंगे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को 'आपातकाल' का जिक्र कर कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी सदस्यों को हथियार दे दिया। मोदी ने 1975 में आपातकाल लागू करने को लेकर कांग्रेस पर कटाक्ष किया और इसे लोकतंत्र पर 'काला धब्बा' बताया जब संविधान को 'खारिज' कर दिया गया, जबकि विपक्ष ने मोदी शासन को अघोषित आपातकाल के साथ-साथ परीक्षा पेपर लीक का मामले के संदर्भ में शिक्षा आपातकाल भी कहा। जहां संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सौहार्दपूर्ण सत्र की अपील की थी, वहीं कांग्रेस ने रविवार को मंत्री से 'बातचीत करने' के लिए कहा था।

मोदी ने कहा कि लोगों ने उनकी सरकार को लगातार तीसरी बार जनादेश दिया है और उसकी नीतियों और इरादों पर मुहर लगा दी है। उन्होंने यह भी कहा कि 18वीं लोकसभा 'श्रेष्ठ भारत' और 'विकसित भारत' के निर्माण के संकल्प के साथ सोमवार से शुरू हो रही है। नई लोकसभा के पहले सत्र की शुरुआत में संसद परिसर में मीडिया को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा कि उनकी सरकार लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने में सभी को साथ लेकर चलेगी। मोदी ने यह भी कहा कि 25 जून को आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ है, और इसे भारत के लोकतंत्र पर एक 'काला धब्बा' बताया जब संविधान को खारिज कर दिया गया था। नए सांसदों का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि 18वीं लोकसभा 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के सपने के साथ शुरू हो रही है। लोगों को विपक्ष से अच्छे कदमों की उम्मीद है लेकिन अब तक यह निराशाजनक रहा है, उन्होंने उम्मीद जताई कि वह अपनी भूमिका निभाएंगे और लोकतंत्र की मर्यादा कायम रखेंगे। उन्होंने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा, भारत को एक जिम्मेदार विपक्ष की जरूरत है और लोगों को नारे नहीं, सार चाहिए। वे संसद में हंगामा नहीं, बहस चाहते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हाल ही में हुए संसदीय चुनावों में 65 करोड़ मतदाताओं ने भाग लिया और आजादी के बाद यह दूसरी बार है कि किसी सरकार को लगातार तीसरी बार चुना गया है। उन्होंने कहा कि यह अवसर 60 साल बाद आया है।

प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर विवाद के बीच विपक्षी सांसदों ने 18वीं लोकसभा के पहले दिन कहा कि सरकार को इस विवाद पर संसद में जवाब देना होगा। लोकसभा में शपथ लेने वाले कई नवनिर्वाचित सदस्यों ने कहा कि सरकार उन छात्रों की कठिनाइयों पर विचार नहीं कर रही है जो खुद को अधर में फंसा हुआ महसूस कर रहे हैं। जैसे ही केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान शपथ लेने के लिए आगे बढ़े, विपक्ष के सदस्यों ने 'नीट, नीट' के नारे लगाए, क्योंकि मेडिकल प्रवेश परीक्षा (शेष पेज 9)

जगत प्रकाश नड्डा राज्यसभा में सदन के नेता नामित हुए

नई दिल्ली(पीएनएस)। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा को राज्यसभा में सदन का नेता नामित किया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उच्च सदन में नड्डा केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल की जगह लेंगे। हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव में गोयल ने महाराष्ट्र से जीत दर्ज की है। गोयल ने आज निचले सदन के सदस्य के तौर पर शपथ ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे राज्यसभा में विपक्ष के नेता हैं। नड्डा के अलावा उच्च सदन के 11 अन्य सदस्य हैं जो केंद्रीय मंत्रिपरिषद के सदस्य हैं। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने नड्डा को उनकी नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी और उम्मीद जताई कि वह सदन में विपक्ष की आवाज को समायोजित करेंगे।

पहले दिन विपक्ष ने किया प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली संसद परिसर में कांग्रेस सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे तथा सोनिया गांधी व अन्य

नरेंद्र मोदी शासन के तीसरे कार्यकाल का पहला दिन विरोध प्रदर्शन के साथ शुरू हुआ। कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक के सांसद सोमवार को संसद परिसर में संविधान की प्रतियां लेकर एकत्र हुए और 'लोकतंत्र को बचाने' के नारे लगाए। विपक्षी नेताओं ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'आपातकाल' टिप्पणी के लिए उनकी सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए उन पर पलटवार किया और कहा कि उन्हें वर्तमान मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, उनकी पूर्ववर्ती सोनिया गांधी, पार्टी नेता राहुल गांधी, तृणमूल कांग्रेस के सुदीप बंद्योपाध्याय, द्रमुक के टीआर बालू, समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव सहित शीर्ष नेता उस स्थान पर एकत्र हुए जहां कभी गांधी प्रतिमा संसद परिसर में थी। उन्होंने 'संविधान जिंदाबाद', 'हम संविधान बचाएंगे', 'हमारे लोकतंत्र को बचाएं' जैसे नारे लगाए।

राहुल गांधी ने कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को संविधान पर 'हमला' नहीं करने देंगे। उन्होंने कहा, 'यह हमला हमें स्वीकार्य नहीं है और इसीलिए हमने संविधान का पालन किया और शपथ ली।' राहुल ने कहा, हमारा संदेश जनता तक पहुंच रहा है और कोई भी ताकत भारत के संविधान को छू नहीं सकती और हम इसकी रक्षा करेंगे। कांग्रेस महासचिव और राज्यसभा सदस्य केसी वेणुगोपाल ने कहा कि इंडिया ब्लॉक के नेता महात्मा गांधी के आशीर्वाद से 18वीं लोकसभा में पहुंचे। गांधी प्रतिमा, जो सांसदों के लिए एक लोकप्रिय विरोध स्थल थी, को हाल ही में 14 अन्य प्रतिमाओं के साथ स्थानांतरित कर दिया गया था, जो परिसर में प्रेरणा स्थल नामक एक नए स्थान पर स्थित हैं।

कई विपक्षी दलों ने दावा किया है कि 2024 के लोकसभा चुनाव का जनादेश सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ था, भले ही वह अन्य दलों के समर्थन से सरकार बनाने में सक्षम थी। इंडिया ब्लॉक ने यह भी दावा किया है कि नतीजे बताते हैं कि लोगों ने संविधान बचाने के लिए विपक्षी दलों का समर्थन किया है। आपातकाल संबंधी टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कांग्रेस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास 18वीं लोकसभा की शुरुआत से पहले अपनी टिप्पणियों में कहने के लिए कुछ भी नया नहीं था और उन्होंने हमेशा की तरह ध्यान भटकाने का सहारा लिया और वह भूल गए हैं कि पिछले 10 वर्षों में अघोषित 'आपातकाल' को लोगों ने समाप्त कर दिया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सामान्य से अधिक लंबा संबोधन दिया, लेकिन स्पष्ट रूप से, नैतिक और राजनीतिक हार के बाद भी, अहंकार बना हुआ है। खड़गे ने कहा कि देश उम्मीद कर रहा है कि मोदी महत्वपूर्ण मुद्दों पर कुछ कहेंगे। टीएमसी की महुआ मोइत्रा ने कहा कि बीजेपी चुनाव में बहुमत से दूर रह गई क्योंकि देश के लोगों को एहसास हो गया है कि वह संविधान के खिलाफ है। उन्होंने कहा, भाजपा 303 से गिरकर 240 पर (शेष पेज 9)

केजरीवाल पर हाईकोर्ट आज देगा फैसला

राजेश कुमार। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय कथित आबकारी शुल्क घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत देने के ट्रायल कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने की मांग करने वाली प्रवर्तन निदेशालय की याचिका पर मंगलवार को अपना फैसला सुनाएगा। आदेश दोपहर 2.30 बजे सुनाया जाना तय है। जबकि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को शराब नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले से उच्चतम न्यायालय से कोई राहत नहीं मिली क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर आदेश पारित करने से इनकार कर दिया, जिसमें निचली अदालत द्वारा उन्हें दी गई जमानत पर रोक लगा दी गई थी। अदालत ने यह भी कहा कि स्थगन आदेश आम तौर पर सुरक्षित नहीं रखे जाते और उसी दिन सुनाए जाते हैं। न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी की अवकाश पीठ ने इस बीच दिल्ली हाईकोर्ट के स्थगन आदेश की घोषणा का इंतजार करने (शेष पेज 9)

रूस में आंतकी हमला, 15 पुलिस अफसरों समेत कई लोगों की मौत

- बंदूकधारियों ने दो शहरों में दो ऑर्थोडॉक्स गिरजाघरों, एक यहूदी उपासनागृह और एक पुलिस चौकी पर गोलीबारी की

पीटीआई। मॉस्को

रूस के दागिस्तान प्रांत में हुए आतंकी हमले के बाद जांच को पहुंचे अधिकारी

रूस के दक्षिणी दागिस्तान क्षेत्र में सशस्त्र आतंकवादियों ने रविवार को 15 से अधिक पुलिस अधिकारियों और एक पादरी समेत कई नागरिकों की हत्या कर दी। दागिस्तान के गवर्नर सर्गेई मेलीकोव ने सोमवार तड़के एक वीडियो बयान में बताया कि बंदूकधारियों ने दो शहरों में दो ऑर्थोडॉक्स गिरजाघरों, एक यहूदी उपासनागृह और एक पुलिस चौकी पर गोलीबारी की। रूस की राष्ट्रीय आतंकवाद रोधी समिति ने बताया कि ये हमले मुख्य रूप से मुस्लिम क्षेत्र में हुए जहां सशस्त्र चरमपंथ का इतिहास रहा है। उसने इन हमलों को आतंकवादी कृत्य बताया। इस क्षेत्र में सोमवार, मंगलवार और बुधवार को शोक दिवस घोषित किया गया है। दागिस्तान के अंदरुनी मामलों के मंत्री ने बताया कि सशस्त्र लोगों के एक समूह ने कैस्पियन सागर के समीप स्थित डर्बेंट शहर में एक यहूदी उपासनागृह और एक गिरजाघर पर हमला किया। सरकारी मीडिया के अनुसार, गिरजाघर और यहूदी उपासनागृह दोनों में आग लग गई। इसी तरह दागिस्तान की राजधानी मखचकला में एक गिरजाघर और एक यातायात पुलिस चौकी पर भी हमले की ऐसी ही खबरें मिली हैं।

प्राधिकारियों ने क्षेत्र में आतंकवाद रोधी अभियान की घोषणा की है। आतंकवाद रोधी समिति ने बताया कि पांच बंदूकधारियों का खात्मा कर दिया गया है। गवर्नर ने बताया कि छह डाकुओं का खात्मा कर दिया गया है। बहरहाल, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि हमलों में कितने आतंकवादी शामिल थे। अभी किसी ने हमलों की जिम्मेदारी नहीं ली है। प्राधिकारियों ने इस आतंकवादी कृत्य की आपराधिक जांच शुरू कर दी है। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास ने कानून प्रवर्तन सूत्रों के हवाले से बताया कि दागिस्तान के एक अधिकारी को हमलों में उसके बेटों की संलिप्तता को लेकर हिरासत में लिया गया है। मेलीकोव ने बिना कोई सबूत उपलब्ध कराए दावा किया कि इन हमलों की साजिश संभवत: विदेश में रची गई। दागिस्तान मुख्यतौर पर एक मुस्लिम रूसी प्रांत है जो कि उत्तर काकेशस में पड़ता है। यहां की बहुसंख्यक आबदी सुन्नी मुसलमानों की है।

सियासी लाभ के लिए आतंकवाद की अनदेखी नहीं होनी चाहिए : भारत

- नई दिल्ली ने कनाडा में आतंकवाद का महिमामंडन करने वाले कृत्यों को निंदनीय करार दिया

पीएनएस/एजेंसी। ओटावा

ओटावा में एयर इंडिया फ्लाइट 182 कनिष्क हादसे में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते भारतीय उच्चायुक्त संजय कुमार।

भारत ने कनाडा में आतंकवाद का महिमामंडन करने वाले कृत्यों को निंदनीय करार देते हुए कहा है कि विश्व में किसी भी देश की सरकार को अपनी धरती से उत्पन्न होने वाले आतंकवाद के खतरे की अनदेखी राजनीतिक फायदे के लिए नहीं करनी चाहिए। भारतीय उच्चायोग ने 1985 में हुए कनिष्क बम विस्फोट की 39वीं बरसी पर एक बयान में कहा कि आतंकवाद की कोई सीमा, राष्ट्रीयता या नस्ल नहीं होती। मांट्रियल-नई दिल्ली एअर इंडिया कनिष्क उड़ान संख्या-182 में 23 जून 1985 को लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे पर उतरने से 45 मिनट पहले विस्फोट हो गया था, जिससे विमान में सवार 86 बच्चों समेत सभी 329 लोग मारे गए थे। इनमें से ज्यादातर भारतीय मूल के कनाडाई नागरिक थे।

माना जाता है कि 1984 में अमृतसर के स्वर्ण मंदिर से आतंकवादियों को बाहर निकालने के लिए चलाए गए ऑपरेशन ब्लूस्टार के प्रतिशोध में सिख आतंकवादियों ने कनिष्क बम विस्फोट को अंजाम दिया था। ओटावा में भारतीय उच्चायोग और टोरंटो तथा वैंकूवर में भारत के वाणिज्य दूतावासों ने, 1985 में आतंकवाद के घृणित कृत्य में मारे गए लोगों की याद में रविवार को एक कार्यक्रम का आयोजन किया था। भारतीय उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा ने अपने संबोधन में कहा, विश्व में किसी भी सरकार को अपनी धरती से उत्पन्न होने वाले आतंकवाद के खतरे की राजनीतिक फायदों के लिए अनदेखी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा, मानव जीवन क्षणिक राजनीतिक हितों से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। सभी आतंकवादी गतिविधियों का सामना अनुकरणीय कानूनी और सामाजिक कार्वाई से किया जाना चाहिए, इससे पहले कि वे व्यापक मानवता को नुकसान पहुंचाना शुरू कर दें।

वर्मा ने कहा, सरकारों, सुरक्षा एजेंसियों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को आतंकवादी नेटवर्क को नष्ट करने, उनके वित्तपोषण को बाधित करने और उनकी विकृत विचारधाराओं का मुकाबला करने के लिए साथ मिलकर काम करना चाहिए। कनिष्क बम विस्फोट में मारे गए लोगों की याद में कार्यक्रम का आयोजन ऐसे वक्त में किया गया है जब पिछले साल सितंबर में, (खालिस्तानी आतंकवादी) हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंट की संभावित संलिप्तता का कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा आरोप लगाए जाने के बाद से दोनों देशों के संबंधों में गंभीर तनाव व्याप्त है। (शेष पेज 9)

सीबीआई ने नीट-यूजी के पांच मामलों की जांच संभाली

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी में कथित गड़बड़ी के पांच नए मामलों की जांच अपने हाथ में ले ली है। इन मामलों की जांच गुजरात, राजस्थान और बिहार की पुलिस कर रही थी। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसी ने गुजरात और बिहार से एक-एक मामला और राजस्थान से तीन मामलों को अपनी प्राथमिकी के रूप में फिर से दर्ज किया है, वहीं महाराष्ट्र के लातूर से एक और मामले की जांच भी एजेंसी के अपने हाथ में लेने की संभावना है। अधिकारियों ने बताया कि बिहार के मामले को छोड़कर, अन्य चार मामले अभ्यर्थी की जगह अन्य व्यक्ति द्वारा परीक्षा देने तथा स्थानीय अधिकारियों, निरीक्षकों और अभ्यर्थियों द्वारा धोखाधड़ी से संबंधित छिटपुट मामले प्रतीत होते हैं। उन्होंने बताया कि केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय से व्यापक जांच के लिए एक संदर्भ जारी किए जाने पर सीबीआई ने पहले ही मामले के संबंध में अपनी प्राथमिकी दर्ज कर ली है। (शेष पेज 9)

हरियाणा सरकार को सुप्रीम कोर्ट से झटका

शिखा शर्मा। चंडीगढ़

- सरकारी नौकरियों में 5 नंबर का आरक्षण असंवैधानिक करार

हरियाणा सरकार द्वारा सामाजिक आर्थिक आधार पर सरकारी नौकरियों में पांच अंक दिए जाने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने भी असंवैधानिक करार दे दिया है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से हरियाणा सरकार को बड़ा झटका लगा है। हरियाणा सरकार ने सीईटी में 1.80 लाख सालाना आय वाले परिवारों को यह आरक्षण दिया था। इससे पहले पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने इस आरक्षण को खारिज कर दिया था। जिसके खिलाफ हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में 4 याचिकाएं दायर की थी। जिन पर सोमवार को फैसला आ गया। सुप्रीम कोर्ट की डबल बेंच जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस एसबीएन भट्टी द्वारा मामले में फैसला सुनाया गया है।

गौरतलब है कि हरियाणा की मनोहर सरकार ने नौकरियों में सामाजिक व आर्थिक आधार पर पिछड़े आवेदकों को 5 बोनस अंक देने का फैसला किया था। इसे 5 मई 2022 से लागू किया गया था। इसके तहत जिस परिवार में कोई भी सदस्य सरकारी नौकरी में न हो और परिवार की आमदनी सालाना 1.80 लाख रुपए से कम हो, ऐसे परिवार के आवेदक को 5 अतिरिक्त अंक का लाभ मिलता है। हरियाणा सरकार ने कर्मचारी चयन आयोग के कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट में 1.80 लाख सालाना इनकम वाले परिवारों को बोनस अंक का लाभ दिया था। राज्य के परिवार पहचान पत्र वाले युवाओं को ही यह फायदा मिला। इसे अन्य अभ्यर्थियों ने कोर्ट में चुनौती दी। पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट की डबल बेंच ने 31 मई 2024 को बोनस अंक देने के फैसले को खारिज किया था। हाईकोर्ट ने कहा था कि यह एक प्रकार से आरक्षण देने जैसा है। (शेष पेज 9)

ऑस्ट्रेलिया को रौंद कर भारत सेमीफाइनल में पहुंचा

ग्रॉस आइलेट (भाषा)। भारत आईसीसी टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण के ग्रुप एक मैच में सोमवार को यहां ऑस्ट्रेलिया को 24 रन से हराकर सेमीफाइनल में पहुंच गया। इससे पहले कप्तान रोहित शर्मा के तूफानी अर्धशतक से भारत ने आईसीसी टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण के ग्रुप एक मैच में सोमवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच विकेट पर 205 रन बनाए। रोहित ने 41 गेंद में सात चौकों और आठ छक्कों से 92 रन की पारी खेली। उन्होंने ऋषभ पंत (15) के साथ दूसरे विकेट के लिए सिर्फ 38 गेंद में 87 रन की साझेदारी करके भारत के बड़े स्कोर की नींव रखी। सूर्यकुमार यादव (31), शिवम दुबे (28) और हार्दिक पंड्या (नाबाद 27) ने भी उपयोगी पारियां खेली।ऑस्ट्रेलिया की ओर से तेज गेंदबाजों मिशेल स्टार्क और मार्कस स्टोइनिस ने दो-दो विकेट चटकाए लेकिन दोनों काफी महंगे साबित हुए। स्टार्क ने 45 जबकि स्टोइनिस ने 56 रन लुटाए। जोश हेजलवुड ने बेहद किफायती गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 14 रन देकर एक विकेट चटकाया। पैट कमिंस ने भी चार ओवर में 48 रन खर्च किए जबकि उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। मिशेल मार्श ने टॉस जीतकर भारत को बल्लेबाजी का न्योता दिया जिसके बाद टीम ने दूसरे ओवर में ही विराट कोहली का विकेट गंवा दिया जो खाता खोले बिना हेजलवुड की गेंद पर टिम डेविड को कैच दे बैठे।

तूफानी अर्द्धशतकीय पारी खेलने के बाद दर्शकों का अभिवादन करते रोहित शर्मा

कप्तान रोहित शर्मा ने स्टार्क के पहले ओवर में चौके से खाता खोला और फिर उनके अगले ओवर में चार छक्के और एक चौके से 29 रन बटोरे। रोहित ने कमिंस का स्वागत छक्के के साथ किया जिसके बाद बारिश के कारण कुछ देर खेल रुका रहा। मैच दोबारा शुरू होने पर रोहित ने कमिंस पर दो चौके और एक रन के साथ सिर्फ 19 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। भारत ने पावर प्ले में एक विकेट पर 60 रन बनाए। पंत और रोहित ने लेग स्पिनर एडम जंपा का स्वागत छक्कों के साथ किया। रोहित ने आठवें ओवर में स्टोइनिस की लगातार गेंदों पर चौका और दो छक्के मारे लेकिन पंत ने इसी ओवर में हेजलवुड को कैच थमा दिया। सूर्यकुमार ने जंपा पर चौक के साथ नौवें ओवर में भारत के रनों का शतक पूरा किया और फिर कमिंस की लगातार गेंदों पर चौका और छक्का जड़ा।

ईडी ने प्राधिकरण से फ्लैट खरीदारों की जानकारी मांगी

नोएडा में 40 हजार लोगों को आशियाने की रजिस्ट्री का इंतजार, पैसे लेकर बिल्डरों ने नहीं दिया कब्जा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ईडी ने (प्रवर्तन निदेशालय) लगातार बिल्डर कंपनियों की जानकारी नोएडा प्राधिकरण से मांग रहा है। इसकी बड़ी वजह बायर्स के करोड़ों रुपए का हेरफेर है। नोएडा में करीब 80 हजार फ्लैट बायर्स ऐसे हैं, जिनकों फ्लैट पाने और 30 से 40 हजार फ्लैट बायर्स को रजिस्ट्री का इंतजार है। इन सभी ने फ्लैट बुकिंग का 95 से 100 प्रतिशत तक पैसा बिल्डरों के खाते में जमा करा दिया। यही पैसा अन्य प्रोजेक्ट या अन्य कंपनियों में लगाने का आरोप है।

ईडी ने जो जानकारी मांगी है वो मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत मांगी गई है। शिकायतों के बाद प्रवर्तन निदेशालय अब प्राधिकरण से बिल्डर कंपनियों की जानकारी मांग रहे है ताकि इन पर शिकंजा कसा जा सके। साथ ही बायर्स को उनका आशियाना दिलाया जा सके। बता दे ईडी ने एटीएस और उससे किसी न किसी रूप में जुड़ी 63 कंपनियों की डिटेल मांगी है। इससे पहले भी ईडी की जांच के दायरे में आम्रपाली, सुपरटेक, यूनिटेक के अलावा श्रीसी बिल्डर की परियोजनाएं है। पिछले महीने ही ईडी ने श्रीसी की लोटस 300 और लोटस बुलेवर्ड को लेकर जानकारी मांगी थी, जिसका संकलन किया जा रहा है। ईडी ने जिन कंपनियों की जानकारी मांगी है। उनमें से अधिकांश को जमीन आवंटन 2009-10 के बीच किया गया। नियमानुसार प्राधिकरण ने बिल्डर को कुल प्लाट की लागत का 10 प्रतिशत रकम लेकर आवंटन किया।

बिल्डरो ने फ्लैट बुकिंग की। वायदा किया कि 3 से 5 सालों में बायर्स को उनका फ्लैट मिल जाएगा। ऐसा हुआ नहीं बिल्डर को जो पैसा बायर्स ने दिया उसे डायवर्ट किया गया। ये पैसा अन्य कंपनियों में लगाया गया। जिसका जमकर मुनाफा बिल्डरों ने कमाया।

14 साल बाद भी बायर्स को फ्लैट नहीं मिले और अब वो रोजाना प्रदर्शन कर रहे है। हाल ही में, नोएडा प्राधिकरण ने भी एटीएस ग्रुप सहित 13 बिल्डरों को नोटिस जारी किया। ये सभी बिल्डर परियोजनाएं एनसीएलटी में दिवालिया प्रक्रिया में है। प्राधिकरण ने इनको 15 दिन का समय दिया है, कि क्या वे अपने मामलों को वापस लेना चाहते हैं। यदि वे मामले वापस लेते है तो उनको राज्य सरकार के पुनर्वास पैकेज का लाभ मिल सकता है। सिर्फ इन 13 बिल्डर परियोजनाओं के ही नोएडा प्राधिकरण पर करीब 8 हजार करोड़ बकाया है। ये पैसा जमीन आवंटन का है। इसी जमीन पर फ्लैट के नाम पर बायर्स से करोड़ों रुपए लिए। हालांकि प्राधिकरण पर बिल्डर का कुल बकाया 21 हजार करोड़ के आसपास का है। ये पैसा अब तक नहीं मिला।

इसलिए ईडी अब प्राधिकरण से बिल्डरों कंपनियों की जानकारी मांग रही है। इसमें एटीएस होम्स 640.46 करोड़ रुपए , एटीएस इंफ्रा टेक 697.76 करोड़ रुपए, एटीएस हाइट्स 2,129.88 करोड़ रुपए, सुपरटेक रियलटर्स 2,245.81 करोड़ रुपए, सुपरटेक लिमिटेड 815.73 करोड़ रुपए, लॉजिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड 446.44 करोड़ रुपए , लॉजिक्स सिटी डेवलपर्स 666.80 करोड़ रुपए , थ्री सी 572.51 करोड़ रुपए प्राधिकरण के बकाया है।

सुनार को लूटने वाले तीन बदमाश पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

पुलिस मुठभेड़ में घायल बदमाश

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद।

- दो आरोपियों को लगी गोली, एक साथी फरार

गाजियाबाद के नंदग्राम इलाके में रविवार देर रात पुलिस और बदमाशों में मुठभेड़ हो गई। दोनों तरफ से कई राउंड गोलियां चली। इसमें दो बदमाशों को पैर में गोलियां लगी हैं। कुल तीन बदमाश गिरफ्तार हुए हैं, जबकि चौथा भाग निकला। ये सभी 11 जून को सर्राफा व्यापारी को गोली मारकर हुई लूटपाट में शामिल थे।

पुलिस ने इनके कब्जे से कुछ रुपए और ज्वैलरी बरामद की है। सहायक पुलिस आयुक्त रवि कुमार सिंह ने बताया, 11 जून को नंदग्राम इलाके के दो सर्राफा व्यापारी भाई दिल्ली से सामान लेकर लौट रहे थे। रास्ते में दो बदमाशों ने हथियारों के बल पर उनसे कुछ रुपए और ज्वैलरी लूट ली। इस वारदात के खुलासे के लिए कई टीमें बनाई गईं।

रविवार देर रात पुलिस को इस मामले में सफलता हासिल हुई। रविवार रात मुखबिर से सूचना मिली कि दो मोटरसाइकिलों से 4 बदमाश नंदी पार्क की तरफ आ रहे हैं। इस पर हिंडन कट पर चेकिंग शुरू की गई। थोड़ी देर में दो मोटरसाइकिलों पर 4 व्यक्ति हिंडन मेट्रो स्टेशन की ओर से आते दिखाई दिए। उन्हें घेराबंदी कर रोकने का प्रयास किया। मोटरसाइकिल स्वार व्यक्ति नहीं रुके और तेजी से नंदी पार्क की तरफ बढ़े। इस पर पुलिस द्वारा पीछा कर घेराबंदी की गई तो बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस ने भी गोली चलाई। जिसमे दो बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो कर जमीन पर गिर गए। पुलिस ने मौके पर ही तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। एक बदमाश मोटरसाईकिल से भागने में कामयाब रहा।

गिरफ्तार बदमाशों की पहचान पवन भाटी निवासी ब ?पुरा (ग्रेटर नोएडा), प्रशांत निवासी निजामपुर (बुलंदशहर) और लखन निवासी गुन्नपुरा (ग्रेटर नोएडा) के रूप में हुई है। इसमें पवन और प्रशांत घायल हुए हैं। पुलिस ने इनसे दो तमंचे, कारतूस, चांदी के आभूषण और 15500 रुपए बरामद किए हैं। बरामद अपाचे बाइक चोरी की हुई थी।

लाखों का गांजा पकड़ा, छात्रों को करते थे सप्लाई

- एंटी नारकोटिक्स टीम ने पकड़ा 3 तस्कर

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा सेक्टर-24 थाना पुलिस की गिरफ्त में तस्कर, साथ में जब्त गांजा।

एंटी नारकोटिक्स टीम और थाना सेक्टर-24 पुलिस ने नोएडा में गांजा तस्करी करने वाले तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। इसमें से दो तस्कर बीटेक पास है। जबकि एक 12वीं का छात्र है। इनके पास से करीब 24.5 किलो गांजा बरामद किया गया है। जिसकी बाजार में कीमत करीब 3 लाख रुपए है।

बीटेक पास दो तस्कर ही स्कूल, कॉलेज और पीजी में रहने वाले स्टूडेंट से संपर्क करके उनको गांजा सप्लाई करते थे। ये गांजा ऑन डिमांड भेजा जाता था। इन तीनों को ही पुलिस ने शिवम मार्केट के पास से गिरफ्तार किया है। एडीसीपी मनीष मिश्रा ने बताया, ये तस्कर उड़ीसा और बिहार से गांजा लेकर दिल्ली और एनसीआर में सप्लाई करते थे। इनकी पहचान अपूर्व राज पांडेय, ऋषि राज और आयुष गुप्ता के रूप में हुई है। तीनों ही नोएडा के सेक्टर-62 में किराए के मकान में रह रहे थे। पूछताछ में तीनों ने बताया, वह उड़ीसा व बिहार से भारी मात्रा में बैग और अटैची में गांजा भरकर उसके ऊपर कपड़े रखकर दिल्ली, नोएडा, एनसीआर क्षेत्र में लाते है। बैग और अटैची में गांजा के ऊपर कपड़े इसीलिए रखते है, ताकि चेकिंग के दौरान बचा जा सके।

गांजा को डिमांड पर दिल्ली और एनसीआर के पीजी और कॉलेज के बाहर स्टूडेंट्स और अन्य लोगों को बेचते थे। ये पूरा सप्लाई का काम ऑन डिमांड वॉट्सऐप के जरिए होता था। जिसमें ग्रुप बने हुए है। डिमांड आने पर ग्राहक को मॉल पहुंचा दिया जाता था।

जिले में कांग्रेस की नई कार्यकरणी जल्द, पार्टी की कई कमेटियां भंग

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

- छह माह तक चलाया जाएगा अभियान

जिला कांग्रेस में नई ताकत फूंकने के लिए पार्टी का मेक ओवर जल्द किया जाएगा। पार्टी के जिलाध्यक्ष ने इस ओर कदम बढ़ाते हुए पार्टी की कई कमेटियों को भंग कर दिया है।

जिला कांग्रेस कार्यालय बिसरख पर जिला कांग्रेस कमेटी गौतमबुद्ध नगर की मासिक बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने मौजूदा न्याय पंचायत, ग्राम सभा व बूथ कमेटियों को तत्काल प्रभाव से भंग कर अगले एक माह में इनके पुनर्गठन की घोषणा की। जिला अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता को आने वाले विधानसभा चुनावों के लिए अभी से कमर कस कर संघर्ष के लिए तैयार रहना है इसके लिए आने वाले कुछ दिनों में ही संगठन की पुनर्संरचना भी पूर्ण कर ली जाएगी। इसके साथ ही जिले में कांग्रेस पार्टी अगले एक 6 माह तक 'हाथ बदलेगा हालात' जनसम्पर्क अभियान भी चलाएगी।

संक्षिप्त समाचार

नौकरी का झांसा देकर ठगी करने वाले पुलिस गिरफ्त में।

नौकरी दिलाने का झांसा ठगी करने वाले पकड़े

नोएडा। पुलिस ने दो ऐसे जालसाज़ को गिरफ्तार किया है जो 100 से ज्यादा बेरोजगार लोगों को एविएशन सेक्टर में नौकरी दिलाने का झांसा देते थे। इसमें उन बेरोजगारों को टारगेट किया जाता था जिनको एविएशन की जानकारी नहीं हो। उसे फोन पर बताकर अपने द्वारा बनाई कंपनी में नौकरी देने का लालच देते थे। इसके बाद उनसे एविएशन सर्टिफिकेट मांगते थे। सर्टिफिकेट नहीं मिलने पर अपनी ही दो फर्जी संस्थानों में दाखिला दिलाकर एनओसी के नाम पर पूरी फीस वसूलते थे। साथ ही ट्रेनिंग के नाम पर कॉल करवाते थे। जिससे तंग आकर बेरोजगार वहां से चला जाता था। एसीपी दीक्षा सिंह ने बताया- एक युवती ने ट्रेनिंग कराने के बाद फर्जी सर्टिफिकेट देकर ठगी करने वाले गिरोह के सदस्यों के बारे में अहम जानकारी साझा की थी। पीड़िता द्वारा बताए गए पते पर पुलिस की टीम ने छापेमारी कर राजस्थान के डीग निवासी भगवंता सिंह और दिल्ली निवासी हर्ष परिहार को गिरफ्तार कर लिया। दोनों की साथी श्वेता मिश्रा अभी भी फरार है।

बच्ची से दुष्कर्म मामला: होटल बंद कराने की मांग

गाजियाबाद। गाजियाबाद के मोदीनगर में दुष्कर्म से आहत होकर आत्महत्या करने वाली कक्षा आठ की छात्रा के आरोपियों को सख्त से सख्त सजा दिलाने की मांग उठी है। इस कॉलोनी के लोग मोदीनगर तहसील और थाने पहुंचे। लोगों ने जिस होटल में दुष्कर्म हुआ था, उसे जल्द से जल्द बंद कराने की मांग भी की। पुलिस ने जांच कराकर सख्त कार्रवाई कराने का आश्वासन दिया है। बता दें कि नगर की एक कॉलोनी निवासी 13 वर्षीय कक्षा आठ की छात्रा को होटल में ले जाकर एक युवक ने दुष्कर्म किया था। दुष्कर्म से आहत होकर छात्रा ने आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने इस मामले में दुष्कर्म करने वाले आरोपी हिंमाशु सोनी निवासी कृष्णानगर कॉलोनी और होटल संचालक आशीष ,अंकित निवासी सुदामापुरी कॉलोनी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इस घटना के बाद से ही होटल को सील करने की मांग महिला संगठन कर रही है। कॉलोनी के सैक ?ों लोग एकत्र होकर मोदीनगर थाने पहुंचे और बच्ची को जल्द से जल्द इंसाफ दिलाने की मांग की है। लोगों ने पुलिस से मांग की है कि आरोपियों को सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए। कॉलोनी के लोगों ने जिस होटल में दुष्कर्म किया गया तो उसे सील किया जाए। थानाप्रभारी ने लोगो को जांच कराकर सख्त कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

नोएडा घूमने आई थी विदेशी पर्यटक का मोबाइल गुम

नोएडा। नोएडा में भारत घूमने आई श्रीलंका की महिला पर्यटक का मोबाइल फोन कार में छूट गया। विदेशी महिला पर्यटक की शिकायत के बाद थाना सेक्टर-49 पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए फोन बरामद कर उनके सुपुर्द कर दिया। पुलिस की इस कार्रवाई की विदेशी महिला ने जमकर प्रशंसा की है। नोएडा के थाना सेक्टर-49 प्रभारी अनुज कुमार सैनी ने बताया कि श्रीलंका की रहने वाली दादूसी साथीराणा अपने परिचित अरुण सेल्वन के साथ भारत घूमने के लिए आई थी। वह सेक्टर-50 के एक होटल में रुकी हुई थी। बीती शाम महिला खाना खाने के लिए कार से सेक्टर-50 की मार्किट आई थी। जल्दबाजी में महिला कार में ही अपना मोबाइल फोन भूल गई। कुछ समय बाद महिला को मोबाइल फोन गुम होने का एहसास हुआ जिसके बाद उसने पुलिस की सहायता ली। विदेशी महिला पर्यटक ने पुलिस को बताया कि मोबाइल फोन में ही उसकी फ्लाइट की टिकट है। सोमवार की शाम को दिल्ली से उसकी फ्लाइट कोलंबो के लिए है। मोबाइल फोन व फ्लाइट के टिकट गायब होने की वजह से महिला खासी बदहवास थी। विदेशी महिला पर्यटक की परेशानी को देखते हुए पुलिस ने फोन को खोज निकाल कर उसके सुपुर्द कर दिया।

जेपी विश-टाउन की लिफ्ट में फंसी दो महिलाएं, वीडियो वायरल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

- लोगों ने मेंटेनेंस टीम पर लगाये आरोप

नोएडा के जेपी विश टाउन की लिफ्ट में दो महिलाएं फंस गई। करीब 20 मिनट के बाद गार्ड ने मेंटेनेंस टीम को बुलाया। काफी देर तक जब लिफ्ट का दरवाजा नहीं खुला तो उसे तोड़कर महिलाओं को बाहर निकाला गया। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

जेपी विश टाउन सोसाइटी के टावर में दो महिलाएं लिफ्ट में फंस गई। अचानक लिफ्ट ने काम करना बंद कर दिया था। घबराहट में उन्होंने मदद के लिए चिल्लाना शुरू किया। हादसे में दोनों को किसी भी तरह की चोट नहीं आई है। दोनों महिलाएं इस घटना से काफी डरी हुई थीं। इस घटना के बाद बिल्डिंग के निवासियों ने मेंटेनेंस टीम पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि पिछले कुछ हफ्तों से लिफ्ट में खराबी की शिकायतें की जा रही थीं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

नोएडा प्राधिकरण ने 12 करोड़ की जमीन कराई कब्जा मुक्त

- जमीन पर दीवार लगाकर अवैध प्लाटिंग की जा रही थी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा में अवैध निर्माण को लेकर लगातार अभियान जारी है। इस क्रम में सोमवार को सर्किल-3 की अगुआई में टीम ने करीब 1000 वर्गमीटर जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया। जमीन पर बाउंडरी वाल करवाकर यहां अवैध रूप से प्लाटिंग की जा रही थी।

ये जमीन मास्टर प्लान 2031 के अनुसार नियोजित भूमि है। जिसका प्रयोग परियोजनाओं के लिए किया जाना है। इस जमीन की कीमत करीब 12 करोड़ रुपए आकी जा रही है। प्राधिकरण को शिकायत मिली थी कि सेक्टर-44 के स्थित करीब 1000 वर्गमीटर जमीन पर अवैध निर्माण किया जा रहा है। दस्तावेज चेक करने पर पाया कि ये जमीन प्राधिकरण की अधिसूचित और अर्जित भूमि है। प्राधिकरण न यहां जेसीबी की मदद से अवैध रूप से बनी बाउंडरी और निर्माण को ध्वस्त किया। भूमि पर कब्जा लेने के साथ यहां प्राधिकरण का बोर्ड लगाया गया। प्राधिकरण सीईओ लोकेश एम ने कहा कि किसी प्रकार का अवैध निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। साथ ही लोग भी कलोनाइज़र के चक्कर में न फंसे। बिना प्राधिकरण से वेरिफाइड कराए कोई जमीन न खरीदे। अन्यथा जीवन भर की पूंजी से हाथ धोना पड़ सकता है। बता दे प्राधिकरण अब तक करीब 4 लाख वर्गमीटर से ज्यादा की जमीन को कब्जा मुक्त करा चुका है। इस जमीन की कीमत करीब 600 करोड़ रुपए से ज्यादा की है। ये अभियान लगातार जारी रहेगा।

नीट परीक्षा को लेकर छात्र सभा का प्रदर्शन

- सरकार के खिलाफ की नारेबाजी, केंद्रीय शिक्षा मंत्री का मांगा इस्तीफा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नीट का पेपर लीक होने के मामले में विपक्ष लगातार सरकार को घेर रहा है। सोमवार को ग्रेटर नोएडा के दादरी में समाजवादी छात्र सभा ने पैदल मार्च करते हुए जोरदार प्रदर्शन किया। हाथों में बैनर पोस्टर लेकर समाजवादी पार्टी के नेताओं ने जमकर प्रदर्शन किया और बीच सड़क पर बैठकर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

नीट परीक्षा में हुई धांधली को लेकर देश भर में लगातार सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया जा रहे हैं। इसी कड़ी में आज दादरी में समाजवादी छात्र सभा ने जोरदार प्रदर्शन किया। जिसमें समाजवादी पार्टी के नेता भी शामिल हुए। इस दौरान हाथों में बैनर पोस्टर लेकर समाजवादी पार्टी छात्र सभा के कार्यकर्ता दादरी की सड़कों पर उतरे और पैदल मार्च करते हुए सरकार के खिलाफ जमकर हल्ला बोला। दादरी तिराहे पर पहुंचकर उन लोगों ने एक ज्ञापन एसीपी दादरी को सौंपा। इस दौरान समाजवादी पार्टी छात्र सभा के जिला अध्यक्ष मोहित नागर ने कहा कि देश प्रदेश में आए दिन परीक्षा में धांधली हो रही है, लगातार पेपर लीक हो रहे हैं लेकिन सरकार बिल्कुल भी सजग नहीं है। बच्चों के भविष्य के साथ इस सरकार में लगातार खिलवाड़ किया जा रहा है।

हजारों बच्चे जो नौकरी की आस में तैयारी करते हैं आखिर में एग्जाम होता है और पेपर लीक हो जाता है, लेकिन सरकार कोई ठोस कार्रवाई नहीं करती है। एक के बाद एक पेपर लगातार लीक हो रहे हैं। इस विरोध प्रदर्शन में समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष में मौजूद रहे जिला अध्यक्ष ने भी सरकार को जमकर घेरा और उन्होंने देश के शिक्षा मंत्री से इस्तीफा मांगा। उन्होंने कहा कि लगातार बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है लेकिन यह सरकार बच्चों को रोजगार नहीं दे पा रही है। उन्होंने कहा कि पिछले 7 वर्षों से प्रदेश में भाजपा की सरकार है लेकिन प्रदेश में लगातार पेपर लीक हो रहे हैं और बच्चों का भविष्य बर्बाद हो रहा है।

ओएलएक्स पर बेचते थे चोरी की बाइक, दो धरे

नोएडा। थाना फेज-1 पुलिस ने दो शातिर बदमाशों को सेक्टर-6 से गिरफ्तार किया है। इनके पास से पांच मोटर साइकिल और स्कूटी बरामद की गई है। पक ? गए दोनों बदमाशों की पहचान सूरज और हर्ष हुई है। बदमाश बाइक की रैकी करते थे। इसके बाद चोरी की घटना को अंजाम देते थे।

बाइक को ओएलएक्स पर जाकर बेचते थे। इससे मिले पैसों का प्रयोग मौज मस्ती के लिए किया करते थे। एडीसीपी ने बताया कि ये अंतरराज्यीय गिरोह है। जिसके दो सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। इनके और भी साथी है जिनको जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। विगत चार साल से ये बाइक चोरी की घटना को अंजाम दे रहे थे।

पुलिस उपायुक्त विद्या सागर मिश्रा का जनपद रामपुर स्थानांतरण हो गया। आयोजित विदाई समारोह में गुलदस्ता भेंट करती पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह।

लुराहली टोल प्लाजा पर फिर किसानों का हंगामा

नोएडा। एनएच-91 के लुराहली टोल प्लाजा पर जमकर हंगामा हुआ। टोल मांगे जाने के बाद किसान संगठन के लोगों का गुस्सा भड़क गया। उन्होंने बूम बेरियर को हटा दिया। इस दौरान किसानों और टोल कर्मचारियों के बीच जमकर बहस भी हुई। इसके बाद किसान संगठन से जुड़े हुए लोगों ने बूम बैरियर को हटा कर टोल को फ्री कर दिया।

इस मामले में टोल मैनेजर ने पुलिस से शिकायत भी की है। दरअसल दादरी थाना क्षेत्र लुहालरी में स्थित टोल प्लाजा पर किसान संगठन से जुड़े हुए लोगों ने जोरदार हंगामा किया। बताया जा रहा है कि वहां से कोई स्थानीय व्यक्ति अपनी गाड़ी से गुजर रहा था। गाड़ी कमर्शियल थी, उससे टोल कर्मचारियों ने टोल मांगा। इस पर उसने खुद को स्थानीय बताया।

दोहरा हत्याकांड के मुख्य आरोपी तीन दिन बाद भी गिरफ्त के बाहर

- पुलिस की दबिश जारी, हत्या में शामिल पिस्टल बरामद

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मोदीनगर में बीते शुक्रवार को आम के बाग में पानी को लेकर हुए विवाद में पिता और पुत्र के दोहरे हत्याकांड में प्रयुक्त पिस्टल बरामद कर ली गई है। लेकिन वारदात के तीन दिन बाद भी पुलिस को फरार आरोपियों को कोई सुराग हाथ नहीं लगा है। पुलिस की टीमें लगातार फरार चार आरोपियों की तलाश में ताबड़तोड़ दबिश दे रही हैं। घटना दो समुदायों से जुड़ी होने पर गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई।

मृतकों के परिजन आरोपियों के घरों पर बुलडोजर चलाने की मांग कर रहे हैं। स्थिति को देखते हुए आरोपियों के गांव और बाग पर पुलिस बल तैनात किया गया है। जनपद के मेरठ स्थित जानी के गांव रसूलपुर धौलड़ी निवारी ठेकेदार पप्पू ने पास के जनपद गाजियाबाद के निवाड़ी स्थित गांव खिंदौड़ा में जयप्रकाश के आम के बाग ठेके पर लिए हुए थे।

बीते शुक्रवार को आम के बाग में पानी देने को लेकर पड़ोसी सुधीर और उसके साथियों से विवाद हो गया था। शाम के समय दोनों पक्षों में समझौता हो गया था। शुक्रवार रात करीब 11 बजे पप्पू अपने पुत्र शाहनवाज उर्फ राजा (25) और चांद (22) के साथ मजदूरों को खाना देकर एक बाइक से रजवाहा पटरी मार्ग से होते हुए जा रहे थे। तभी सुधीर ने अपने कई साथियों के साथ मिलकर उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर पप्पू और शाहनवाज की हत्या कर दी। जबकि चांद गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसका मेरठ के निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। जहां चांद की स्थिति नाजुक बताई जा रही है। पुलिस ने मृतक के भाई बिलाल की तहरीर पर सात आरोपियों दीपक, बिट्टू, सुधीर, लवली, दीपक, मोहित व आसिफ के खिलाफ हत्या और जानलेवा हमले सहित कई अलग-अलग धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की थी।

पुलिस ने शनिवार को हत्यारोपी दीपक, बिट्टू और उनके पिता सुधीर त्यागी को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने रविवार को पकड़े गए आरोपी दीपक की निशानदेही पर हत्याकांड में प्रयुक्त पिस्टल बरामद की। पुलिस का दावा है कि हत्याकांड को अंजाम देने के बाद पिस्टल खिंदौडा पुल के पास झाड़ियों में छुपा दिया गया। पुलिस का कहना है कि बाकी फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद हत्या की गुत्थी सुलझेगी। पुलिस ने पकड़े गए तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। दोहरे हत्याकांड के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई। हत्यारोपियों का गांव खिंदौड़ा और मृतकों का गांव रसूलपुर धौलड़ी वैसे तो अलग-अलग जनपद में है,मगर उनके बीच मात्र दो किमी की दूरी है और दोनों ही पक्ष अलग-अलग समुदाय से है। इससे तनाव की स्थिति और बढ़ गई है।

एसीपी ज्ञानप्रकाश राय ने बताया कि गांव खिंदौड़ा में पीएसी तैनात की गई है। इसके अलावा ठेके पर लिए बाग पर भी पुलिस बल तैनान किया गया है। उधर गांव में घटना के दूसरे दिन रविवार को भी सन्नाटा पसरा रहा। गांव की गलियां सूनी रही। वहीं हत्यारोपियों परिजन भी घरों से गायब मिले। रविवार रात एसीपी मोदीनगर ज्ञानप्रकाश राय ने पुलिस बल के साथ गांव खिंदौड़ा में पैदल मार्च किया। मृतक पप्पू और शाहनवाज उर्फ राजा के परिजनों ने घायल चांद और मुकदमें में गवाहों को पुलिस सुरक्षा की मांग की है। परिजनों का कहना है कि हत्यारोपी शातिर बदमाश है। चार आरोपियों अभी फरार घूम रहे है। वह कभी भी कोई अनहोनी कर सकते है।

जल संकट पर अब प्रधानमंत्री मोदी से आस

दिल्ली सरकार के मंत्रियों ने पत्र लिखकर पीएम से हस्तक्षेप करने की मांग की

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पानी की किल्लत लगातार बढ़ती जा रही है। इस समस्या का हालफिलहाल में कोई समाधान नहीं दिख रहा है। वहीं, इसको लेकर जमकर सियसत भी हो रही है।

एक तरफ जल मंत्री आतिशी अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठी हैं, तो वहीं दूसरी तरफ इस मुद्दे पर भाजपा दिल्ली सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रही है। आप नेताओं को लगा रहा है कि इस बड़ी समस्या का समाधान हो सकता है।

आम आदमी पार्टी के मंत्रियों को अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस समस्या का समाधान करने की आस है। केजरीवाल सरकार के कैबिनेट मंत्रियों ने सोमवार को पीएम मोदी को पत्रकर मामले में हस्तक्षेप करने की गुहार लगाई है। साथ ही उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना से भी अनुरोध किया है कि वह उनके साथ वजीराबाद बैराज का दौरा करें ताकि सच्चाई जान सकें कि हरियाणा सरकार दिल्ली को कितना पानी दे रही है।

पानी की किल्लत को लेकर दिल्ली सरकार के मंत्रियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिया है। मीडिया को चिट्ठी दिखाते गोपाल राय।

इससे पहले मंत्रियों ने जंगपुरा के भोगल में चल रहे जलमंत्री आतिशी के अनिश्चितकालीन पानी सत्याग्रह स्थल पर बैठक की, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री को पत्र लिखने और एलजी के साथ वजीराबाद का संयुक्त दौरा करने का निर्णय लिया। कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने कहा कि सभी मंत्रियों कैलाश गहलोत, सौरभ भारद्वाज, इमरान हुसैन ने प्रधानमंत्री को पत्र भेज कर हरियाणा की वजह से दिल्ली में पैदा जल संकट मामले में दखल देने का निवेदन किया है। रविवार को आप नेताओं ने एलजी से मुलाकात की थी। गोपाल राय ने कहा कि इस मामले को लेकर उनकी सरकार ने हरियाणा सरकार, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री, सुप्रीम कोर्ट से लेकर प्रधानमंत्री तक सबका दरवाजा खटखटाया। आतिशी ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर बताया कि दिल्ली में पानी का संकट पैदा हो गया है। हर संभव प्रयास करने के बाद कोई हल नहीं निकला।

अब इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री इसमें हस्तक्षेप करें। खासतौर पर जब हरियाणा में भाजपा की डबल इंजन सरकार है तो उनका हस्तक्षेप और जरूरी है। लेकिन प्रधानमंत्री की तरफ से कोई जवाब नहीं आया।

आखिरकार में जलमंत्री को अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठना पड़ा। इस अनशन को चार दिन हो गए, लेकिन प्रधानमंत्री चुप हैं। वह इस पर बोलने के लिए तैयार नहीं हैं कि आखिर लोगों को 30 साल पहले जितना पानी मिलता था, आज तीन गुना आबादी होने के बाद भी उतना ही पानी क्यों मिलता है। जितना पानी मिलता था उसमें से भी हरियाणा सरकार 100 एमजीडी पानी क्यों रोक रही है। राय ने कहा कि अभी मानसून आने वाला है, पिछली बार देखा कि जब पानी बढ़ जाता है तो हरियाणा हथिनीकुंड बैराज के सारे दरवाजे खोल देता है और दिल्ली के लोग डूबने लगते हैं।

लेकिन आज जब लोगों को पानी की जरूरत है तो उन्हें उनके हक का पूरा पानी भी नहीं मिल रहा है। इसलिए सभी मंत्रियों की तरफ से प्रधानमंत्री को पत्र भेजा हैं कि वह तुरंत इस मामले में दखल दें और इस समस्या का समाधान कराएं। जिससे दिल्ली वालों को राहत मिल सके।

अनशन से बिगड़ी आतिशी की हालत

- डॉक्टरों ने अस्पताल में भर्ती होने की दी सलाह, लेकिन जल मंत्री ने किया इनकार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी ने कहा है कि आतिशी की तबीयत सोमवार को उनके अनिश्चितकालीन अनशन के चौथे दिन बिगड़ गई और चिकित्सकों ने उन्हें अस्पताल में भर्ती करने की सलाह दी है। हालांकि आतिशी ने हरियाणा द्वारा दिल्ली के पानी का उचित हिस्सा जारी किए जाने तक, प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभावों के बावजूद अस्पताल में इलाज कराने से इनकार कर दिया है।

उन्होंने कहा उकि उनका रक्तचाप और शर्करा का स्तर गिर रहा है और वजन भी कम हो गया है। कीटोन का स्तर बहुत अधिक है जो लंबे समय में हानिकारक प्रभाव डाल सकता है। चाहे मेरे शरीर को कितना भी कष्ट क्यों न हो, वह भूख हड़ताल तब तक जारी रखूंगी जब तक हरियाणा दिल्ली के हिस्से का पानी नहीं छोड़ देता। आम आदमी पार्टी ने एक बयान में कहा कि आतिशी का वजन और रक्तचाप तेजी से घट रहा है, जिसे लोकनायक जय प्रकाश अस्पताल के चिकित्सकों ने खतरनाक बताया है। जल मंत्री आतिशी का वजन भी अप्रत्याशित रूप से घट रहा है। 21 जून को भूख हड़ताल पर बैठने से पहले उनका वजन 65.8 किलोग्राम था, जो भूख हड़ताल के चौथे दिन घटकर 63.6 किलोग्राम रह गया है। यानी महज 4 दिनों में उनका वजन 2.2 किलोग्राम कम हुआ है। भूख हड़ताल के पहले दिन के मुकाबले चौथे दिन उनका शर्करा स्तर 28 यूनिट कम हुआ है।

जलमंत्री आतिशी की स्वास्थ्य जांच करती डॉक्टर।

आप नेता जल सत्याग्रह को खत्म करने के बहाने ढूंढ रहे : सचदेवा

- बोले, एयरकंडीशन सत्याग्रह स्थल पर हुई मंत्री बैठक से साफ है की अपने ही बुने जाल में फंस गई पार्टी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है कि आम आदमी पार्टी अपने ही बुने अनिश्चितकालीन अनशन के जाल में फंस गई है। सोमवार को एयरकंडीशन सत्याग्रह स्थल पर हुई मंत्रियों बैठक से साफ है कि अब यह लोग जल सत्याग्रह को खत्म करने के बहाने ढूंढ रहे हैं।

वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि मंत्री सौरभ भारद्वाज ने एक नई कहानी सुनाई है कि 1050 एमजीडी पानी तो सिर्फ 1 करोड़ लोगों के लिए है जबकि दिल्ली की आबादी 3 करोड़ है। दिल्ली वाले सौरभ भारद्वाज से पूछना चाहते हैं कि इतने दिन से उनकी सरकार किस आधार पर कह रही थी कि दिल्ली में केवल 100 एमजीडी की समस्या है और केवल 28 लाख लोग ही परेशान हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यमुना नदी से सीधा नहीं बल्कि कैनाल से पानी आता है जो नियमित पानी आ रहा है। जहाँ तक वजीराबाद में यमुना में पानी ना रूकने का सवाल है उसका मूल कारण है कि यमुना गाद से पटी है, वजीराबाद के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के तालाब में भी 95 प्रतिशत गाद है जिस कारण वहाँ पानी रूकता नहीं और आगे बह जाता है। केजरीवाल सरकार के मंत्री अतिरिक्त जल के लिए सब जगह जायेंगे पर पंजाब सरकार एवं यमुना रिवर बोर्ड नहीं जायेंगे क्यों वहाँ जाते ही इनके झूठे दावों की पोल खुल जायेगी।

नीट (यूजी), नेट (यूजीसी) विवाद

एनएसयूआई का जंतर मंतर पर प्रदर्शन

- पुलिस ने छात्रों को हिरासत में लिया, बाद में छोड़ा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नीट-यूजी में अनियमितताओं और यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द करने के खिलाफ सोमवार को जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर रहे दो दर्जन से अधिक छात्रों को हिरासत में ले लिया गया जिनमें से कुछ कांग्रेस की छात्र शाखा एनएसयूआई के सदस्य भी थे।

नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) ने 18वीं लोकसभा के पहले सत्र की शुरुआत के दिन संसद तक जुलूस निकालने की योजना बनाई थी।

बड़ी संख्या में छात्र तख्तियां और एनएसयूआई के झंडे लेकर जंतर-मंतर पर छात्र संसद घेराव के लिए एकत्र हुए। विरोध प्रदर्शन से पहले पुलिस ने छात्रों को जुलूस निकालने से रोकने के लिए इलाके में बैरिकेड लगा दिए। इसके बाद भी कुछ छात्रों ने बैरिकेड को पार करने की कोशिश की तो पुलिस उन्हें हिरासत में लेकर विभिन्न पुलिस थानों में ले गई।

इससे पहले पुलिस अधिकारियों ने कहा था कि इस तरह के किसी जुलूस को निकालने की अनुमति नहीं दी गई है और ऐसा करने के किसी भी प्रयास को रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था की गई है। पांच मई को आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) को रद्द करने की मांग के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने कहा है कि गड़बड़ी की घटनाएं स्थानीय या इक्का दुक्का थीं और उचित तरीके से परीक्षा पास करने वाले लाखों अभ्यर्थियों के करिअर को जोखिम में डालना ठीक नहीं था।

नीट में कथित घोटाले पर प्रदर्शन करती एनएसयूआई। फोटो: रंजन डिमरी

सभी जोन में साफ-सफाई हो बेहतर : शैली

नई दिल्ली। महापौर डॉ शैली ओबरॉय ने निगम आयुक्त अश्विनी कुमार के साथ सफाई व्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में शैली ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी जोनो में साफ सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए उचित कदम उठाए जाएं। क्षेत्रों में अतिरिक्त कर्मचारी लगाए जाएं तथा संबंधित जोन के कंसेशनेयर पर भी सख्ती की जाए ताकि वह ठीक प्रकार से क्षेत्र में सफाई करे। उन्होंने सभी उपायुक्तों से कहा कि वे अपने क्षेत्र के कंसेशनेयर के मीटिंग करें और और और ऑटो टिप्परो द्वारा समय पर घरों से कूड़ा उठवाए।

भाजपा सांसदों ने शपथ लेकर जन सेवा का लिया संकल्प

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- मनोज तिवारी, रामवीर सिंह बिधूड़ी, बांसुरी स्वराज, योगेंद्र चंदोलिया, प्रवीण खंडेलवाल, हर्ष मलहोत्रा, कमलजीत ने ली शपथ

अट्ठारहवीं लोकसभा का पहला सत्र रविवार से शुरू हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई केंद्रीय मंत्रियों ने लोकसभा की सदस्यता की शपथ ली। इसके बाद दिल्ली भाजपा के सांसद मनोज तिवारी, रामवीर सिंह बिधूड़ी, बांसुरी स्वराज, योगेंद्र चंदोलिया, प्रवीण खंडेलवाल, हर्ष मलहोत्रा, कमलजीत सहरावत ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। शपथ के बाद सांसदों ने जन सेवा का संकल्प लिया।

चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने ईश्वर के नाम पर संसद सदस्य के रूप में शपथ ली। शपथ लेने के बाद खंडेलवाल ने कहा कि वह अत्यंत गर्व और विनम्रता के साथ शपथ ग्रहण किया। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं भाजपा नेतृत्व सहित अपने निर्वाचन क्षेत्र का आभारी हैं जिन्होंने उन्हें लोकतंत्र के इस सबसे बड़े मंदिर के सदस्य के रूप कार्य करने का सौभाग्य प्रदान किया है।

खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सक्षम एवं सबल नेतृत्व में उनकी प्राथमिकता अपने क्षेत्र का संपूर्ण विकास करना तथा लोगों की समस्याओं का समाधान कर उनके जीवन को बेहतर बनाना होगा ताकि हर चेहरे पर आंसु की जगह मुस्कान हो। भाजपा सांसद ने कहा कि देश की प्रगति सभी नागरिकों की समृद्धि से जुड़ी है और इसी दृष्टि से प्रधानमंत्री के देश को विश्व गुरु बनाने तथा भारत को विश्व में तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने में देश भर के व्यापारियों के बीच इस काम में जुटने के लिए श्रम करेंगे। खंडेलवाल ने कहा कि उनके सांसद के रूप में यात्रा लोगों के सहयोग और समर्थन के बिना संभव नहीं है और इसीलिए वह लगातार लोगों के साथ संवाद करते रहेंगे और आम जन की परेशानियों को दूर करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। दक्षिण दिल्ली संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए रामवीर सिंह बिधूड़ी ने संसद सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण की। उत्तर पश्चिम दिल्ली से सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने शपथ लेने के बाद कहा कि वह विश्वास दिलाते हैं कि पूरी निष्ठा के साथ इस महत्वपूर्ण दायित्व को निभाएंगे। चंदोलिया ने कहा कि उनका हर कदम का उद्देश्य उत्तर पश्चिम लोकसभा क्षेत्र की प्रगति और हर नागरिक के जीवन में खुशहाली लाना होगा।

पूर्व प्रेमी का चेहरा बिगाड़ने को दी सुपारी, दो गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बाहरी दिल्ली के निहाल विहार एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां तीन सालों से चले आ रहे प्रेम संबंध के बाद प्रेमी के धोखा देने और किसी और लड़की से सगाई करने का बदला लेने के मकसद से प्रेमिका ने प्रेमी का चेहरा जलाने के लिए बदमाश को सुपारी दी थी।

मामले का पर्दाफाश करे हुए पुलिस ने महिला ग्राफिक डिजाइनर और एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त जिमी चिराम ने बताया कि पेशे से ग्राफिक डिजाइनर ओमकार (24) पर 19 जून को रनहोला इलाके में तीन लोगों ने हमला किया था। उन्होंने बताया कि तीनों

- धोखा देने और दूसरी लड़की से सगाई करने से नाराज थी युवती

मोटरसाइकिल पर आए और उस पर चाकू से हमला कर दिया। ओमकार के शरीर पर कई वार किए गए।

पुलिस ने इन तीन हमलावरों और महिला तक पहुंचने के लिए इलाके का सीसीटीवी फुटेज और पीड़ित ओमकार की फोन कॉल का विवरण निकलवाया। छानबीन के दौरान गत रविवार को मुखबिर से सूचना मिली थी मामले का एक आरोपी द्वारका मोड़ आने वाला है। इस जानकारी पर पुलिस ने जाल बिछाया गया और संदिग्धों में से एक विकास को धर दबोचा। पूछताछ के दौरान विकास ने खुलासा किया कि हर्ष उर्फ बाली और रोहन के साथ मिलकर उसने ओमकार पर चाकू से हमला किया था। उसने उस महिला के ठिकाने का भी खुलासा किया, जिसके कहने पर उन्होंने हमला किया था। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि महिला तिलक नगर मेट्रो स्टेशन के पास रहती है और उसको निहाल विहार से पकड़ा गया। पुलिस ने महिला का नाम गुप्त रखा है। महिला ने बताया कि वो और ओमकार साथ में काम करते थे और दोनों के बीच पिछले तीन साल से प्रेम प्रसंग था। पुलिस ने बताया कि जब ओमकार की किसी अन्य महिला से सगाई हो गई तो वह गुस्सा हो गई और उसने तेजाब से हमला करने के लिए तीन लोगों को 30,000 रुपए और तेजाब से भरी एक शीशी दी। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि महिला ने आरोप लगाया कि जब उसने ओमकार की सगाई पर आपत्ति जताई तो उसने उसकी निजी तस्वीरें ऑनलाइन अपलोड करने की धमकी दी। उन्होंने कहा कि योजना के अनुसार, आरोपियों को ओमकार के चेहरे पर तेजाब फेंकना था, लेकिन वे ऐसा नहीं कर सके।

शराब पीने के दौरान विवाद होने पर दोस्त की हत्या

नई दिल्ली। मायापुरी इलाके में शराब के नशे में एक युवक की धारदार हथियार से दोस्त की हत्या कर दी। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज करके एक आरोपी प्रहलाद को गिरफ्तार कर लिया है जबकि एक आरोपी को पकड़ने के लिये पुलिस टीम छापेमारी कर रही है।

दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गत रविवार शाम मायापुरी पुलिस को खजान बस्ती स्थित मकान में एक युवक की हत्या होने की जानकारी मिली थी। पुलिस जब घटना स्थल पर पहुंची राजकपूर नामक युवक खून से लथपथ फर्श पर पड़ा था। पुलिस ने शव को अस्पताल ले गई जहां डॉक्टर ने जांच के उसे मृत घोषित कर दिया।

एनडीएमसी एमएसीपी योजना के तहत पदोन्नति की प्रक्रिया पूरी करे : एलजी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- उपराज्यपाल ने 7वें वेतन आयोग के तहत वेतन निर्धारण के 5561 लंबित मामलों का भी समाधान करने को कहा

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, ने नई दिल्ली नगरपालिका परिषद को कर्मचारियों की पदोन्नति (एमएसीपी के तहत) से संबंधित लंबित मामलों को 15 दिनों के भीतर हल करने का निर्देश दिया है।

हाल ही में उन्होंने पीएम मोदी के तीसरे कार्यकाल के शुरुआती 100 दिनों के एजेंडे के मद्देनजर एनडीएमसी में कर्मियों और सेवाओं की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने एनडीएमसी के अध्यक्ष से कर्मचारियों से संबंधित अन्य सभी सेवाओं के मामलों को, जल्द से जल्द हल करने को भी कहा है, जिसमें लंबित भर्ती नियम, पेंशन और एलटीसी आदि शामिल हैं। उपराज्यपाल कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, वर्षों से सेवारत कर्मचारियों के लिए स्वत: पदोन्नति सुनिश्चित करने वाले एमएसीपी के कम से कम 3178 मामले अब तक लंबित हैं। एलजी का पदभार संभालने के बाद से ही सक्सेना सरकारी कर्मचारियों की पदोन्नति, समय पर पेंशन और बेहतर सेवा शर्तों पर जोर दे रहे हैं। उन्होंने पदोन्नति नीति का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया है। उपराज्यपाल ने कहा कि समय पर पदोन्नति और बेहतर सेवा शर्तों से न केवल कर्मचारियों का मनोबल और उनकी दक्षता बढ़ेगी।

मानसून से पहले राजधानी में बारिश की हल्की बौछार

- दिल्ली में हीटवेव का दौर खत्म, उमस का दौर शुरू

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी में कई जगहों पर सोमवार की दोपहर हल्की बारिश हुई, जिसकी वजह से तापमान में गिरावट देखने को मिला। राजधानी की सुबह उमस भी रही। दोपहर बाद मौसम ने करवट बदली और शाम सुहाना हो गई।

दिल्ली से सटे नोएडा और गाजियाबाद में भी लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है। एनसीआर के कुछ हिस्सों में भी प्री-मानसून की बारिश देखने को मिली है। दिल्ली में हीटवेव को दौर खत्म हो चुका है। इस पूरे सप्ताह ही दिल्ली में प्री मानसून का असर नजर आएगा। बादलों की आवाजाही कमोबेश हर रोज देखने को मिलेगी। हल्की बारिश होने की भी संभावना बनी रहेगी। मौसम विभाग के अनुसार राजधानी में 25, 27 और 28 जून को बारिश के साथ गरज के साथ छींटे पड़ने और 26 जून को आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना जताई है। हालांकि, मौसम विभाग का ये भी कहना है कि दिल्ली में जब तक मानसून नहीं आता, तब तक उमस बनी रहेगी। जिसकी वजह से लोगों को परेशानी हो सकती है। मौसम विभाग ने कहा कि 29 जून को बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना और 30 जून तक मानूसन दिल्ली में दस्तक देगा।

सोमवार को लोगों को धूल भरी आँधी और तेज हवाओं के का सामना करना पड़ा। मौसम केंद्र सफदरजंग ने अधिकतम तापमान 40.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया, जो सामान्य से दो डिग्री अधिक है। न्यूनतम तापमान 31.6 डिग्री सेल्सियस था, जो मौसम के औसत से चार डिग्री अधिक था। अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है. सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता 70 प्रतिशत और शाम साढ़े पांच बजे 62 प्रतिशत रही। राष्ट्रीय राजधानी का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शाम 4 बजे 142 अंक दर्ज किया गया।

कई जगह गिरे पेड़, मिली जलजमाव की शिकायतें

नई दिल्ली। राजधानी के नांगलोई, बुराड़ी, रोहणी, तोडापुर, उत्तमनगर, पटेल नगर, मुस्तफाबाद, सरस्वती विहार, शास्त्री नगर, रोहताश नगर इलाके में हल्की बारिश हुई। हालांकि कुछ इलाकों में जलजमाव की शिकायतें मिली है। वहीं तेज हवाओं और आंधी के चलते जंगपुरा, सैनिक फार्म हाउस, डिफेंस कॉलोनी, ग्रीन पार्क, पीतमपुरा, करोलबाग, मॉडल हाउन और शाहदरा में पेड़ गिर गए।

अमन दीप की पुस्तक अहबाब का विमोचन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अमन दीप सिद्धू चट्ठा ने सोमवार को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में अपनी सातवीं पुस्तक अहबाब का विमोचन किया। अमन दीप 1992 बैच की भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा अधिकारी हैं, जो वर्तमान में दिल्ली में प्रधान महालेखाकार के पद पर कार्यरत हैं। पुस्तक विमोचन के बाद पैनल चर्चा हुई। पैनलिस्टों में संजीव चोपड़ा और नवतेज जौहर शामिल थे। इस चर्चा का संचालन मोनिका धामी ने किया।

अहबाब हबीब का बहुवचन रूप है और इसका मतलब है दोस्त, प्रेमी और प्रियजन। संक्षेप में, अहबाब हमारे पूरे अस्तित्व को परिभाषित करता है। यह पुस्तक हिंदी एवं उर्दू में दोहों का संकलन है, जिनका अंग्रेजी अनुवाद भी शामिल किया गया है। इस प्रकार यह उनकी पिछली रचना, इफ्शा की तरह ही त्रिभाषा रूप में है। इस बार लेखिका ने शीर्षकों के माध्यम से एक कहानी बुनी है जो बहुत कुछ बताती है तथा जिनका ताना बाना आमने सामने के पृष्ठों पर अंकित दोहे बुनते हैं। अमन दीप ने अब तक छह किताबें प्रकाशित की हैं, अहबाब उनकी सातवीं पुस्तक है। इससे पहले की किताबें एहसास-और-बंदगी, इनायत, जर्फ-ए-नजर, जाफरान, रहनुमा और इफ्शा हैं। संजीव चोपड़ा देहरादून में एक प्रसिद्ध लेखक, इतिहासकार और साहित्यिक उत्सव वैल्यू ऑफ वर्ड्स के क्यूरेटर हैं। वे एक आईएएस अधिकारी हैं और उनकी अंतिम पोस्टिंग लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के निदेशक के रूप में थी। नवतेज जौहर एक भरतनाट्यम विशेषज्ञ, योग आचार्य, प्रदर्शन कला के प्रोफेसर और एक कार्यकर्ता हैं। मोनिका धामी को भारतीय शिल्पकला, विरासत का शौक है और वे पुस्तकें पढ़ने की शौकीन हैं। इस विमोचन में अपने-अपने क्षेत्र की कई नामचीन हस्तियाँ शामिल हुईं।

'टीबी मुक्त भारत' अभियान के तहत किए गए सर्वे में गुरुग्राम के 18 गांव मिले टीबी मुक्त

● एडीसी ने इस उपलब्धि के लिए सरपंचों को प्रशंसा पत्र व महात्मा गांधी की कांस्य प्रतिमा देकर किया सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम जिले के 18 गांव टीबी मुक्त पाए गए हैं। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जनवरी 2023 से दिसंबर 2023 तक जिला के ग्रामीण क्षेत्रों में किए गए सर्वे में यह जानकारी सामने आई है। इन 18 गांव के सरपंचों को टीबी मुक्त गांव के लिए यहां अतिरिक्त उपायुक्त हितेश कुमार मीणा ने सोमवार को प्रशंसा पत्र व महात्मा गांधी की कांस्य प्रतिमा देकर सम्मानित किया।

अतिरिक्त उपायुक्त हितेश कुमार मीणा ने कहा कि प्रधानमंत्री के टीबी मुक्त भारत अभियान को उच्च प्राथमिकता देना तथा इस अभियान को जन-आंदोलन बनाना सभी नागरिकों का कर्तव्य है। क्योंकि टीबी हमारे देश में अन्य सभी संक्रामक बीमारियों से सबसे अधिक मृत्यु का कारण है। उन्होंने कहा कि भारत की आबादी विश्व की आबादी से 20 प्रतिशत से थोड़ा कम है, लेकिन विश्व के कुल टीबी मरीजों का 25 प्रतिशत से अधिक है। यह चिंता की बात है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों के अनुसार सभी देशों ने 2030 तक टीबी उन्मूलन का लक्ष्य तय किया है, लेकिन भारत सरकार ने वर्ष 2025 तक टीबी उन्मूलन का लक्ष्य रखा हैज इस संकल्प को पूरा करने के लिए जिला में प्रत्येक स्तर पर प्रयास किए जाएं। एडीसी ने कहा कि इस अभियान को जन-आंदोलन बनाने के लिए लोगों में टीबी के बारे में जागरुकता पैदा करनी होगी। उन्हें बताना होगा कि इस बीमारी की रोकथाम संभव है। इसका इलाज प्रभावी और सुलभ है। सरकार इस बीमारी की रोकथाम और उपचार के लिए नि:शुल्क सुविधा प्रदान करती है।

गुरुग्राम में सोमवार को टीबी मुक्त पंचायतों के सरपंचों को सम्मानित करते अतिरिक्त उपायुक्त हितेश कुमार मीणा।

इस अवसर पर सिविल सर्जन डा. वीरेंद्र यादव ने बताया कि टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत किए गए सर्वे में गांव में जाकर प्रत्येक 1000 व्यक्ति पर 30 लोगों का सेंपल टेस्ट किया गया था। जिसमें से यह पता लगाया जा सके कि गांवों में कितने टीबी के मरीज हैं। इन 18 गांव में सर्वे के दौरान जांच में कोई भी मरीज टीबी की बीमारी से ग्रस्त नहीं पाया गया।

बैठक में जिला में अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. केशव शर्मा ने बताया कि जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वयं के स्तर व विभिन्न एनजीओ के माध्यम से जिला के ग्रामीण इलाकों में बीमारियों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए समय समय पर गांवों में कैंप लगाए जा रहे हैं। साथ ही युवाओं को भी नशे जैसी बुराइयों से दूर रखने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

ये हैं सम्मानित होने वाली जिले की 18 ग्राम पंचायतें

सोहना ब्लॉक में बेहलपा, महेंद्रवाड़ा, खूंटपूरी, दोहला, किरणकी खेड़ली, फर्रुखनगर ब्लॉक से खेंटावास, धानावास, सैदपुर व पटौदी ब्लॉक से तुरकापुर, घिलनावास, महनियावास, दरापुर, ढाणी चित्रसेन, दौलताबाद कुणी, शैयद शाहपुर, ग्वालियर, खेड़ी व तुरकापुर।

कबाड़ में तब्दील हो रहे करोड़ों फूंककर बने एस्केलेटर

गुरुग्राम के इफको, सिग्नेचर टावर तथा राजीव चौक पर स्वचालित सीढ़ी जब से बनी हैं, तब से एक बार भी नहीं की गईं संचालित

● लोहे की प्लेटें निकाल कर ले जा रहे चोर

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

नेशनल हाईवे-48 स्थित दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेस-वे पर कई साल पूर्व करोड़ों रुपये की लागत से बनाए गए एस्केलेटर (स्वचलित सीढ़ियां) शो-पीस बने हुए हैं। जब से इन्हें लगाया गया है, तब से ही ये चालू नहीं किए गए हैं। अब ये बंद पड़े एस्केलेटर चोरों के निशाने पर आ गए हैं। अक्सर यहां चोरी की घटनाएं होती हैं। हाईवे की देखरेख में लगा एनएचएआई स्टाफ सरकारी सामान की इस तरह से चोरी पर यह कहकर पल्ला झाड़ रहा है कि चोर उनकी पकड़ में आते ही पुलिस को सौंप दिया जाता है। पुलिस उन्हें पीटकर छोड़ देती है। यानी सरकारी सामान की चोरी पर कोई एफआईआर तक दर्ज नहीं होती।

राजधानी दिल्ली के धौला कुआं से शुरू होकर नए-पुराने गुरुग्राम के बीच से गुजरते हुए बाहरी इलाके में यह एक्सप्रेस-वे खत्म होता है। गुरुग्राम के हिस्से में इस पर तीन जगहों इफ्को चौक, सिगनेचर टावर चौक व राजीव चौक पर फुटओवर ब्रिज के साथ ही एस्केलेटर लगाए गए हैं। गुरुग्राम में यातायात की स्थिति में सुधार के लिए तथा जाम की समस्या दूर करने के लिए तीनों चौकों में से एक चौक इफको को तो सिग्नल फ्री किया गया। बाकी दो चौक सिगनेचर टावर व राजीव चौक पर अंडरपास बनाए गए हैं। जाम की समस्या का तो समाधान हो गया।

सड़क पार करने को बनाए गए फुटओवर ब्रिज, एक्सेलेटर: यहां सड़कों को पार करने के लिए फुटओवर ब्रिज बनाए गए और उनके साथ में एस्केलेटर लगाए गए हैं। करोड़ों रुपये का खर्चा इन पर किया गया है। दिखने में तो यह एस्केलेटर, फुटओवर ब्रिज बहुत अच्छे लगते हैं। गुरुग्राम के विकास की कहानी कहते हैं। बात जब इनके प्रयोग की आती है तो हकीकत सामने आ जाती है। तीनों स्थानों पर जब से ये एस्केलेटर लगाए गए हैं, तब से ये चालू नहीं किए गए हैं। बंद होने की वजह से ये एस्केलेटर कबाड़ होते जा रहे हैं। सिर्फ कबाड़ ही नहीं हो रहे, बल्कि इनकी प्लेटें चोरी की जा रही हैं। चोरी के अलावा यहां शीशे व अन्य सामान भी तोड़ा गया है। एस्केलेटर की प्लेट्स के साथ ही यहां बिजली के उपकरण आदि भी चोरी कर लिए गए हैं।

फुटओवर ब्रिज बन गए हैं पेशाबघर: फुटओवर ब्रिज के हालात भी बहुत खराब हैं। इफको चौक फुटओवर ब्रिज को लोगों ने पेशाबघर बना दिया है। वहां कुत्ते भी गंदगी फैलाते हैं और आदमी भी। इफको चौक के फुटओवर ब्रिज पर लोग पेशाब करते हैं। इससे वहां बदबू के कारण बहुत बुरा हाल हो गया है। फुटओवर ब्रिज से वैसे तो बहुत कम लोग ही रोड पार करते हैं। जो करते हैं उन्हें मुंह पर कपड़ा रखकर निकलना पड़ता है।

ऐसे हालातों में ये फुटओवर ब्रिज और एस्केलेटर शो-पीस बनकर रह गए हैं। इन्हें कब शुरू किया जाएगा, इसे लेकर एनएचएआई पर मैंटेनेंस का काम देख रहे स्टाफ के पास कोई जवाब नहीं है। एनएचएआई की देखरेख में लगे मुकेश का कहना है कि कई बार चोरों को पकड़कर पुलिस को सौंपा गया है। पुलिस उन्हें पीटकर छोड़ देती है। मतलब यहां सरकारी सामान की खुले आम चोरी की घटनाएं हो रही हैं।

इफको चौक पर एस्केलेटर से चोरी की गई प्लेटें।

सिग्नेचर टावर पर भी प्लेटें गायब।

सिगनेचर टावर पर एस्केलेटर का तोड़ा गया शीशा।

मार्शल बोला, हम चोरी की सूचना हेड ऑफिस दे देते हैं

कहने को तो हर चौक पर एनएचएआई ने मार्शल तैनात किए हैं, लेकिन सिगनेचर टावर चौक को छोड़कर मार्शल कहीं नजर नहीं आए। मार्शल दर्शन कुमार ने एस्केलेटर पर चोरी की घटनाओं के बारे में कहा कि वे एनएचएआई के हेड ऑफिस को जानकारी दे देते हैं। कई बार चोरों को पकड़ा भी गया है। पिछले सप्ताह ही टैंपो लगाकर चोरी की जा रही थी। जब उन्हें रोकने की कोशिश की गई तो वे भाग गए। इसी तरह सिगनेचर टावर की तरफ के एस्केलेटर से प्लेट चोरी करके पुलिस बूथ के पीछे से चोर लेकर जा रहे थे। मार्शल को देखकर वे प्लेट छोड़कर भाग गए।

सुधारी जाएंगी लाल डोरा के रिकॉर्ड की त्रुटियां: अशोक

● स्वामित्व योजना के तहत दिये जाएंगे प्रॉपर्टी सर्टिफिकेट

● जल्द ही बनाई जाएगी वार्ड समितियां

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

मानेसर नगर निगम में पूर्व सरपंचों के साथ बैठक करते निगमायुक्त।

नगर निगम मानेसर के आयुक्त अशोक कुमार गर्ग ने सोमवार को कहा कि लाल डोरा क्षेत्र के रिकॉर्ड को जल्द ही त्रुटि रहित किया जाएगा। नगर निगम की ओर से बनाई जाने वाली वार्ड कमेटी की अनुशंसा के आधार पर ही प्रॉपर्टी रिकॉर्ड को ठीक किया जाएगा। रिकॉर्ड ठीक होने के बाद प्रदेश सरकार ही हिदायत अनुसार लाल डोरा में प्रॉपर्टी धारकों को स्वामित्व योजना के तहत प्रॉपर्टी सर्टिफिकेट दिए जाएंगे। यह सर्टिफिकेट जमाबंदी प्रमाण-पत्र की तरह ही प्रयोग में लाया जा सकेगा।

यह बात आयुक्त ने निगम के सेक्टर-8 कार्यालय में नगर निगम क्षेत्र के गांवों के पूर्व सरपंचों के साथ बैठक करते हुए कही। आयुक्त ने कहा कि नगर निगम की ओर से प्रत्येक गांव के लिए चार सदस्य वार्ड कमेटी बनाई जाएगी। इस कमेटी में उप-निगमाायुक्त को सदस्य सचिव के तौर पर नियुक्त किया जाएगा। आरडब्ल्यूए सदस्य या गांव के प्रतिनिधि और पूर्व सरपंचों को वार्ड कमेटी का चेयरमैन नियुक्त किया जाएगा। कमेटी बनने के बाद नगर निगम की ओर से करवाए गए पिछले सर्वे के अनुसार प्राप्त डाटा के आधार पर प्रॉपर्टी टैक्स के बिल बांटे जाएंगे। उन बिलों पर अंकित डाटा जैसे- मालिक का नाम, प्लाट,मकान या दुकान का एरिया आदि जो भी त्रुटियां होंगी। इन त्रुटियों को वार्ड कमेटी की अनुशंसा के आधार पर दुरूस्त किया जाएगा। आयुक्त ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में लाल डोरा के अंतर्गत आने वाले गांवों में निगम गठन के पांच साल तक किसी प्रकार का प्रॉपर्टी टैक्स नहीं वसूला जाएगा। बिलों को देखकर ग्रामीणों को कोई आपत्ति होती है तो वे निगम की क्षेत्रीय कराधान शाखा में संपर्क कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

समाधान शिविर में लोगों की समस्याएं सुनते अधिकारी।

समाधान मिलने पर प्रशासन का आभार जता रहे लोग

फरीदाबाद। जिला में आयोजित हो रहे समाधान शिविरों में त्वरित समाधान मिलने से आमजन द्वारा हरियाणा सरकार व जिला प्रशासन की कार्यशैली की सराहना की जा रही है। शिविर में लोगों को उनकी समस्याओं का तुरंत प्रभाव से समाधान मिल रहा है। वहीं मुख्यालय स्तर पर पालिसी से जुड़ी शिकायतों के लिए उच्च अधिकारियों से मार्गदर्शन लिया जा रहा है। इसी क्रम में जिला स्तर की ऐसी शिकायतें जो जांच का विषय है उनका भी प्राथमिकता के साथ समाधान करने की प्रक्रिया जारी है। एडीसी डॉ. आनंद शर्मा ने सोमवार को लघु सचिवालय स्थित बैठक कक्ष में डीसीपी ट्राफिक उषा देवी, नगर निगम के संयुक्त आयुक्त गजेंद्र सिंह व अन्य अधिकारियों संग परिवार पहचान पत्र के अलावा प्रॉपर्टी आईडी, राशन कार्ड, बिजली, पेयजल, पुलिस से संबंधित तथा विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशनों आदि से संबंधित 35 मामलों की समस्याएं सुनी। इस दौरान 12 शिकायतों का उन्होंने मौके पर ही निवारण कर शिकायतकर्ता को राहत प्रदान की। वहीं 23 शिकायतों में निवारण अवधि निर्धारित करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

विस्फोट: मृतक आश्रितों व घायलों को मुआवजे की मांग

गुरुग्राम। दौलताबाद औद्योगिक क्षेत्र की एक फैक्ट्री में ब्लास्ट की घटना को लेकर पूर्वांचल समाज के लोगों ने सोमवार को जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर मांग की कि दुर्घटना की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। पूर्वांचल समाज के संजय सिंह के अलावा श्रमिक नेता अनिल पंवार समेत कई लोगों ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। मांग की गई कि मृतकों व घायलों के परिवारों को समुचित मुआवजा दिया जाए। मामले की जांच कराई जाए। श्रम विभाग व औद्योगिक सुरक्षा विभाग की निष्क्रियता के कारण इस प्रकार के हादसे औद्योगिक क्षेत्रों में हो रहे हैं। सरकार व प्रशासन ऐसी व्यवस्था करे, ताकि इस प्रकार की दुर्घटनाओं की पुनरावृति न हो सके और श्रमिकों की बहुमूल्य जिंदगी को बचाया जा सके। इस मौके पर पूर्वांचल समाज व श्रमिक संगठन से जुड़े सदस्य भी मौजूद रहे।

लोक अदालत 29 जुलाई से 3 अगस्त तक: सीजेएम

फरीदाबाद। सीजेएम कम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव ऋतु यादव ने बताया कि 29 जुलाई से तीन अगस्त तक सर्वोच्च न्यायालय में लंबित मामलों के निपटारे के लिए विशेष लोक अदालत आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय में लंबे समय से चलने वाले केसों से संबंधित पार्टियां आपसी सहमति के साथ यदि विशेष लोक अदालत के सामने रखना चाहती हैं तो वें स्थानीय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में संपर्क कर सकती हैं। उन्होंने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय में जमीनी विवाद, मोटर व्हीकल से जुड़े मामले, घरेलू हिंसा, नौकरी से संबंधित मामले सहित कई अन्य प्रकार के मामलों में सुलह के लिए आवेदन किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि जो व्यक्ति अपने मामलों को आपसी सहमति से सुलह करवाना चाहते हैं वह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण न्यायालय परिसर कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

मत्स्य पालन विभाग विभिन्न योजनाओं के तहत उपलब्ध करा रहा अनुदान राशि

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

मत्स्य पालन विभाग जिले का अधिकतम शहरी क्षेत्र होने के बावजूद मत्स्य पालन की नई-नई गतिविधियों को लागू कराने में निरन्तर सफलता की ओर अग्रसर है। वर्तमान में जिले में लगभग 70 एकड़ खारे पानी की भूमि में झींगा पालन किया जा रहा है। जो रोजगार सृजन के साथ आय का एक अच्छा स्त्रोत सिद्ध हो रहा है।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र होने के कारण झींगा पालन में लोगों की खास रूचि नजर आती है। नजदीक भविष्य में लगभग 50 एकड़ खारे पानी के क्षेत्र को झींगा मत्स्य पालन के अधीन लाया गया है। खारे पानी मे झींगा पालन की एक फसल का समय 90 से 120 दिन है। एक हेक्टेयर इकाई का औसत उत्पादन 7 से 9 टन है। इस औसत उत्पादन के द्वारा प्रति फसल 10 से 15 लाख प्रति हेक्टेयर लाभ लिया जा सकता है। मत्स्य पालन विभाग द्वारा खारे पानी में झींगा/मत्स्य पालन करने पर अधिकतम 14 लाख के खर्च पर सामान्य जाति के लिए 40 प्रतिशत व अनुसूचित जाति एवं महिलाओं के लिए 60 प्रतिशत अनुदान राशि दी जाती है। सरकारी प्रवक्ता के अनुसार मत्स्य पालन के इच्छुक पात्र आवेदक योजना से जुड़ी अन्य जानकारी के लिए लघु सचिवालय स्थित तीसरी मंजिल के कमरा नम्बर 297-298 में जिला मत्स्य अधिकारी एंव मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य किसान विकास एजैन्सी के कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। साथ ही अपना प्रार्थना पत्र भी दे सकते हैं।

मंत्री ने किया सड़क निर्माण कार्य का उद्घाटन

● लोगों के हाथों नारियल तुड़वाकर शुरू कराया काम

दयाराम वशिष्ट। फरीदाबाद

हरियाणा की शिक्षा मंत्री श्रीमती सीमा त्रिखा ने गत सायं सेक्टर-21, पार्ट-3 में बनने वाली विभिन्न सड़कों के निर्माण कार्य का शुभारंभ सेक्टर के स्थानीय निवासियों एवं कार्यकर्ताओं से करवाया। उन्होंने कहा कि लगभग 1.64 करोड़ की लागत से बनने वाली इन सड़कों के बनने में लगभग 3 माह का समय लगेगा।

शिक्षा मंत्री श्रीमती सीमा त्रिखा ने सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ वरिष्ठ नागरिकों एवं स्थानीय कार्यकर्ताओं से करवाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में बड़खल विधानसभा में विकास कार्य तीव्र गति से चल रहे हैं। श्रीमती सीमा त्रिखा ने उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि बड़खल विधान सभा क्षेत्र में विकास कार्यों की कमी नहीं रहने दूंगी।

सेक्टर-21, पार्ट-3 में बनने वाली सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ करातीं मंत्री सीमा त्रिखा।

विजय की हत्या के मामले में तीसरा आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच डीएलएफ की टीम ने सितंबर 2023 में गोली मारकर की गई युवक की हत्या के मामले में फरार चल रहे तीसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा इस मामले में आरोपी मोनू और अभिषेक को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी का नाम उत्तम कुमार है जो गाजियाबाद का रहने वाला है। आरोपी उत्तम, वारदात के मुख्य आरोपी मोहन उर्फ मोनू का दोस्त है। मृतक के भाई अजय की शिकायत पर दिनाक 21 सितम्बर 2023 को पल्ला थाने में हत्या व अवैध हथियार की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

निराश्रित बच्चों को प्रति माह दी जा रही 1850 रुपये की मदद

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

जिला में 1850 निराश्रित बच्चों को प्रति माह वित्तीय सहायता सरकार की ओर से दी जा रही है। इस सहायता को प्रदान करने के लिए सरकार की ओर से नियम भी तय किए गए हैं। इन नियमों के अनुरूप ही यह वित्तीय सहायता दी जाती है। जिला में 21 वर्ष तक की आयु का बच्चा जो अपने माता-पिता की सहायता अथवा देखभाल से उनकी मृत्यु होने के कारण, अपने पिता के घर से पिछले 2 वर्ष की अवधि से अनुपस्थित होने के कारण अथवा माता-पिता के लम्बी सजा, जोकि एक वर्ष से कम न हो या मानसिक व शारीरिक अक्षमता के कारण वंचित हो जाते हैं और जिनके माता-पिता, अभिभावक की सभी साधनों से वार्षिक आय दो लाख से अधिक नहीं है। वह बच्चा हरियाणा सरकार के सामाजिक न्याय एवं सहकारिता विभाग द्वारा दी जा रही वित्तिय सहायता का लाभ पात्र है। उन्होंने बताया कि उपरोक्त विभाग द्वारा एक परिवार में दो बच्चों तक 1850 प्रति माह प्रति बच्चा पेंशन प्रदान की जा रही है।

कम हो बच्चों के बस्तों का बोझ: जयप्रकाश

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 पर सूर्या फाउण्डेशन द्वारा एक मंथन शिविर आयोजित किया गया। यह सेमीनार बच्चों के बस्ते का वजन कम करना और शिक्षा को हर वर्ग तक पहुंचाने पर केंद्रित था।

सेमीनार में सूर्या फाउण्डेशन के चेयरमैन पद्मश्री जयप्रकाश अग्रवाल ने इस कहा कि बच्चों के बस्ते का बोझ और मानसिक तनाव कम किया जाए। उनकी प्रेरणा से सूर्या फाउंडेशन द्वारा चलाए जा रहे शिक्षा थिंक टैंक के माध्यम से सभी विषयों को समेकित कर एक कक्षा-एक किताब ऑल-इन-वन, सूर्य भारती पुस्तकें बनाई गई। प्रो.एच.एल. शर्मा की अगुवाई में देश के जाने-माने शिक्षाविदों प्रो.चंद्रभूषण,गंगादत्त शर्मा, प्रभाकर द्विवेदी, शांति स्वरूप रस्तोगी, टी.आर. गुप्ता, डॉ. गुज्जरमल वर्मा, प्रो. डी.पी. नय्यर जैसे अनेक विषय विशेषज्ञों ने कई वर्षों की कठोर मेहनत करके ये पुस्तकें बनाई।

नई शिक्षा नीति व सूर्य भारती पुस्तकों पर सूर्या फाउंडेशन की ओर से सेमीनार में शामिल होने पहुंचे अतिथि, विशेषज्ञ।

महिला ने सहेली को बनाया जीवन साथी

● दोनों के परिवारों की मौजूदगी में हुआ विवाह बच्चा लेंगी गोद

● शादी की सभी रस्में अदायगी के बाद डोली में विदा हुई दुल्हन

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में समलैंगिक शादी करके दुल्हन को लेकर विदा होती दुल्हा बनी महिला।

गुरू द्रोण की नगरी गुरुग्राम में दो महिलाओं ने समलैंगिक विवाह करके एक साथ जीने की कसम खाई। विवाह के सभी रस्मों-रिवाज इस शादी में पूरे किए गए। एक महिला शेरवानी पहने दुल्हा बन बारात लेकर पहुंची तो दूसरी महिला दुल्हन के जोड़े में सजी नजर आई। दोनों के परिवारों की सहमति और मौजूदगी में यह विवाह संपन्न हुआ।

गुरुग्राम की रहने वाली महिला अंजू पुत्री स्वर्गीय हीरा देवी एवं स्वर्गीय जुगलाल शर्मा (पौत्री स्वर्गीय गुलाबो देवी एवं स्वर्गीय शिव दत्त) को मूलरूप से फतेहाबाद की रहने वाली कविता पुत्री रोशनी देवी एवं देवी लाल के बीच एक नजर में प्रेम हुआ। दोनों कलाकार हैं। चार साल तक दोनों प्रेम संबंधों में रहीं। फिर फैसला लिया कि दोनों शादी करके साथ जीवन बिताएंगी। दोनों एक-दूसरे पर पूर्ण रूप से समर्पित हो गईं। दोनों ने साथ जीने की कसम खाई और फिर शादी करने का बड़ा फैसला भी कर लिया। दोनों ने ही अपने परिवारों में अपने फैसले की जानकारी दी। दुल्हन बनी महिला की मां को छोड़कर बाकी परिवार वाले सहमत हो गए। दोनों परिवार अपनी-अपनी बेटियों के समलैंगिक विवाह के लिए राजी हो गए और शादी की तैयारियों में जुट गए। शादी का परिवारों, रिश्तेदारों को निमंत्रण देने के लिए बकायदा कार्ड छपवाए गए। शादी को हुए करीब दो महीने हो गए हैं। ज्योति पार्क रोड मदनपुरी स्थित चोटी पंचायत धर्मशाला में विवाह समारोह आयोजित किया गया। पहले घुड़चढ़ी निकाली गई। फिर बारात दुल्हन के द्वार पहुंची। दुल्हन पक्ष की तरफ से नरेश कुमार, पवन, अमीर, चेतन, अंकित, मुकेश, रोनित, बिज्जू, यशू व बंटी न शादी की तैयारियों में भूमिका निभाई। खाना-पीना, धूम-धड़ाका के बीच सभी ने इस शादी को एंज्वॉय किया। तारों की छांव में दुल्हन की विदाई की गई। भले ह यह समलैंगिक शादी हो गई, लेकिन इसके बारे में अधिक जानकारी किसी को नहीं लगी।

अब इस समलैंगिक शादी की तस्वीरें, वीडियो वायरल हुई है। समलैंगिक विवाह करने वाली दोनों महिलाएं भले ही खुद का बच्चा पैदा ना कर पाएं, लेकिन अपना वंश चलाने के लिए वे अनाथालय से बच्चा गोद लेंगी। कविता का कहना है कि समाज उन्हें अभी स्वीकार नहीं कर रहा। लोग कमेंट करते हैं। उन्हें किसी की चिंता नहीं है। उन्हें कमाना है और खाना है। शादी कर ली है। अब साथ रहेंगी। कविता का कहना है कि उनके शादी करने के बाद अब और भी कई लड़कियां उसने संपर्क कर रही हैं।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा हरियाणा सरकार की याचिका को खारिज किए जाने के बाद बोले मुख्यमंत्री सैनी

नहीं जाएगी किसी भी युवा की नौकरी

● पुनर्विचार याचिका दाखिल करेगी सरकार, विधानसभा में विधेयक लाने की भी तैयारी

शिखा शर्मा। चंडीगढ़

सुप्रीम कोर्ट द्वारा हरियाणा सरकार की याचिका को खारिज किए जाने के बाद हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने ऐलान किया कि प्रदेश सरकार किसी भी युवा की नौकरी नहीं जाने देगी। सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट में जहां पुनर्विचार याचिका दायर की जाएगी वहीं विधानसभा में विधेयक लाने पर भी मंथन किया जा रहा है। कानूनी माहिरों की टीम ने अगली रणनीति पर मंथन शुरू कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद सोमवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि एक भी कर्मचारी की नौकरी नहीं जाएगी। साथ ही इस साल 50 हजार पदों पर भर्तियों की प्रतिबद्धता दोहराई। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग और एडवोकेट जनरल से मामले की पूरी रिपोर्ट लेने के बाद नायब सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने नौकरियों से वंचित, अनाथ, विधवाओं, विमुक्त और घुमंतू जातियों तथा गरीब परिवारों के युवाओं के लिए वर्ष 2018 में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी नौकरियों में सामाजिक-आर्थिक आधार पर अतिरिक्त अंक देने की जो व्यवस्था शुरू की थी, उससे हम पीछे हटने वाले नहीं हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि चतुर्थ श्रेणी के 13 हजार 657 पदों के लिए आयोजित सामान्य पात्रता परीक्षा (सीईटी) में कुल 13 लाख 50 हजार युवाओं ने रजिस्ट्रेशन कराया था। इनमें से करीब साढ़े नौ लाख युवाओं ने सीईटी दिया, जिनमें से चार लाख 20 हजार युवाओं ने क्वालीफाई किया। 11 हजार पदों पर चयनित युवाओं ने सामाजिक-आर्थिक आधार के अंक नहीं लिए हैं, जिससे उनकी नौकरी को कोई खतरा नहीं है। चतुर्थ श्रेणी पदों के लिए 2657 युवाओं ने सामाजिक-आर्थिक आधार के पांच अंकों के सहारे मेरिट में जगह बनाई है, लेकिन हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने उनका रिजल्ट रोका हुआ है। ऐसे में एक भी युवा कर्मचारी को नौकरी से हटाने का सवाल ही नहीं उठता। मुख्यमंत्री ने कहा कि तृतीय श्रेणी पदों के सब ग्रुप नंबर एक और दो में जेई और ड्राफ्ट्समैन के दो हजार टेक्निकल पद शामिल हैं। करीब 10 हजार युवाओं ने इन पदों के लिए परीक्षा दी। नियमानुसार कुल पदों के चार गुणा उम्मीदवारों को अगली परीक्षा में बुलाना होता है, जबकि इतनी संख्या में अभ्यर्थी परीक्षा पास नहीं कर पाए। ऐसे में इन परीक्षार्थियों के परिणाम पर भी सामाजिक-आर्थिक आधार के अंक वापस होने का कोई असर नहीं होगा और किसी को हटाने की गुंजाइश नहीं है।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सदस्य रणदीप सुरजेवाला पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेसी युवाओं को भ्रमित कर रहे हैं। हमारी सरकार ने बिना पर्ची-खर्ची के गरीब और वंचित परिवारों के युवाओं को नौकरियां सुनिश्चित की हैं।

भर्तियां लटकाने को जानबूझकर खामियां छोड़ती है सरकार: हुड्डा

चंडीगढ़। सामाजिक आर्थिक आधार पर युवाओं को पांच अंक दिए जाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि पढ़े-लिखे युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करना, नौकरियों का झांसा देकर युवाओं से कोर्ट व सरकारी दफ्तरों के चक्कर कटवाना, भर्ती के नाम पर पेपर लीक जैसे घोटाले करना, अपनी ही भर्तियों को कोर्ट में लटकाना और भर्तियां कैंसिल करना, ये बीजेपी के 10 साल के कार्यकाल का रिपोर्ट कार्ड है। पत्रकारों से बातचीत में हुड्डा ने कहा कि पिछले 4 साल से बीजेपी सरकार सीईटी के नाम पर युवाओं को मूर्ख बना रही है। पहले हरेक भर्ती को सीईटी का झांसा देकर कैंसल किया गया। उसके बाद साजिश के तहत सीईटी के ऐसे नियम बनाए गए, जो कोर्ट में टिक ही नहीं पाए।

भाजपा की मनमर्जी से युवाओं का भविष्य दांव पर: सुरजेवाला

चंडीगढ़। कांग्रेस पार्टी के महासचिव व सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने हरियाणा की भाजपा सरकार पर 20 लाख से अधिक नौजवानों की जिंदगी बर्बाद करने का आरोप लगाया है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद रणदीप सुरजेवाला ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद नौजवान अपने भविष्य को लेकर चिंतित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि ग्रुप डी भर्ती में कुल पद 13,657 हैं। जिसके लिए 13 लाख 50 हजार अभ्यर्थी हैं। इसके लिए सीईटी की मैरिट के आधार पर चयन किया गया, जिसमें सोश्यो-इकोनॉमिक आधार के पांच अंक भी जोड़े गए। करीब 11,000 युवाओं ने नौकरी ज्वाईन कर ली और 2,657 युवाओं द्वारा अभी ज्वाईनिंग रिपोर्ट देना बाकी है। अब इन सब बच्चों की नौकरियों पर बर्ख़ास्तगी की तलवार लटक गई है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी अपने मंत्रियों व सभी विधायकों के साथ अयोध्या में श्री रामलला के दर्शन करने के बाद।

नायब सरकार ने किए रामलला के दर्शन

● प्रदेशवासियों के लिए की सुख-समृद्धि की प्रार्थना

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह ने आज संपूर्ण मंत्रिमंडल और विधायकों के साथ अयोध्या में श्री रामलला के दर्शन किए और प्रदेशवासियों के सुख व समृद्धि की कामना की।

नायब सिंह ने चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि श्री रामलला अयोध्या में विराजमान हुए हैं और हमें उनके दर्शन करने का मौका मिला है, यह हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है। बड़ी संख्या में लोग श्री रामलला के दर्शन करने अयोध्या जा रहे हैं। नायब सिंह ने कहा कि हरियाणा में तीर्थ स्थलों का भ्रमण करने के इच्छुक लोगों के लिए प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना चलाई है, जिसके तहत अब लोगों को तीर्थ स्थलों का भ्रमण करवाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र, जिसे गीता की धरती के नाम से जानते हैं, के विकास पर लगभग 250 करोड़ रुपये की अनेक परियोजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। हाल ही में, कुरुक्षेत्र में संवाद केंद्र और अनुभव केंद्र का उद्घाटन हुआ है। कुरुक्षेत्र में भी प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु आते हैं। महाभारत कालीन सभी स्थलों का जीर्णोद्धार करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पंचकूला में माता मनसा देवी और नाडा साहिब गुरुद्वारा, गुरुग्राम में माता शीतला मंदिर आदि में भी जीर्णोद्धार का कार्य चल रहा है। इस मौके पर हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता,कैबिनेट मंत्री कंवर पाल,मूलचंद शर्मा, जय प्रकाश दलाल, डॉ.बनवारी लाल, डॉ.कमल गुप्ता, हरियाणा विधानसभा उपाध्यक्ष रणबीर गंगवा, राज्य मंत्री सीमा त्रिखा,महिपाल ढांडा, डॉ.अभय सिंह यादव,सुभाष सुधा,बिसम्बर सिंह, संजय सिंह और विधायकगण, मीडिया सचिव प्रवीण आत्रेय उपस्थित रहे।

प्रेम विवाह का दुखद अंत दंपति को गोलियों से भूना

● दोनों ने परिवार की मर्जी के बिना दो माह पहले ही की थी शादी

पायनियर समाचार सेवा। हिसार

कस्बा हांसी में पार्क में घूमने गए नवदपंति की अज्ञात हमलावरों ने गोलियां मारकर हत्या कर दी। अचानक पार्क में हुई फायरिंग से आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। युवक व युवती ने कुछ दिन पहले ही प्रेम विवाह किया था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हांसी के लाला हुकम चंद जैन पार्क में सोमवार सुबह लोग घूमने आए हुए थे। बताया जा रहा है कि सुबह लगभग साढ़े नौ बजे पार्क में घूम रहे युवक व युवती पर बाइक सवार दो बदमाशों ने सात से आठ राउंड फायरिंग की तथा मौके से फरार हो गए। वारदात के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने पार्क को खाली करवाया और अपने कब्जे में ले लिया है। मृतकों की पहचान होने के बाद घटना की सूचना दोनों के परिजनों को दे दी गई। बताया जा रहा है कि नजदीकी गांव सुल्तानपुर निवासी युवती मीना व बडाला निवासी तेजबीर सिंह ने करीब दो माह पहले परिवार की सहमति के बिना प्रेम विवाह किया था। तेजबीर नोएडा की एक कंपनी में काम करता था। सुबह जब दोनों पार्क में घूमने आए तो बाइक सवार बदमाशों ने गोली मारकर उनकी हत्या कर दी। घटना के बाद मौके पर पहुंचे डीएसपी धीरज कुमार ने बताया कि पुलिस ने शवों को कब्जे में ले लिया है। मृतकों के पास एक चाबी भी पड़ी मिली है। कितने राउंड फायरिंग हुई तथा किसे कितनी गोली लगी और हत्या किसने व क्यों की। इसका खुलासा पोस्टमार्टम व जांच के बाद ही हो पाएगा।

युवाओं के भविष्य की रक्षा करना शिक्षा मंत्री की जिम्मेदारी: सुशील गुप्ता

कुरुक्षेत्र। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता ने नीट के मुद्दे पर बीजेपी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि 4 जून को लोकसभा चुनाव के नतीजे आए और 4 जून को ही नीट के नतीजे आए। जबकि 14 जून को नीट परीक्षा का परिणाम घोषित किया जाना था। नीट का परिणाम 10 दिन पहले ही लोकसभा चुनाव के साथ इसलिए घोषित किया गया ताकि लोकसभा केंद्र सरकार के भ्रष्टाचार को दबाया जा सके। इसकी जांच होनी चाहिए कि लोकसभा चुनाव के नतीजों के दिन ही नीट परीक्षा का परिणाम क्यों घोषित किया गया? उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार देश के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। बीजेपी के राज में एक भी परीक्षा बिना धांधली के नहीं हो रही। इसलिए देश को शिक्षा मंत्री नहीं परीक्षा मंत्री की जरूरत है। जो पारदर्शी तरीके से परीक्षाएं करा सके।

जजपा का भाजपा में नहीं होगा विलय: दुष्यंत चौटाला

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

जननायक जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने जेजेपी के बीजेपी में विलय की खबरों को खारिज करते हुए कहा है कि कुछ लोगों द्वारा इस बारे में जानबूझकर अफवाह फैलाई जा रही है। किसी भी सूरत में जेजेपी का बीजेपी में विलय नहीं किया जाएगा।

वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को बहुमत नहीं मिलने के बाद जननायक जनता पार्टी ने अपने दस विधायकों के साथ भाजपा को समर्थन दिया था। इसी साल 12 मार्च को अचानक मनोहर लाल ने सीएम पद से इस्तीफा दिया तो यह गठबंधन टूट गया। हरियाणा में रविवार व सोमवार को कुछ टीवी चैनलों तथा सोशल मीडिया यह खबर छाई रही कि जल्द ही जननायक जनता पार्टी का भाजपा में विलय होने जा रहा है। उस रिपोर्ट में दावा किया गया कि पूर्व मुख्यमंत्री व केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर के साथ पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला की मीटिंग हो चुकी है।

शोरूम पर दिनदहाड़े फायरिंग, 5 करोड़ की रंगदारी मांगी

पायनियर समाचार सेवा। हिसार

सिटी पुलिस थाना के ठीक पीछे आटो मार्केट स्थित महिंद्रा शोरूम में बदमाशों ने दिनदहाड़े ताबड़तोड़ लगभग 40 राउंड फायरिंग की। इस दौरान बाइक सवार तीन बदमाशों ने पर्ची फैंक कर महिंद्रा शोरूम मालिक से पांच करोड़ की रंगदारी भी मांगी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बाइक सवार तीन बदमाशों ने सोमवार दिनदहाड़े ताबड़तोड़ फायरिंग की। अचानक हुई फायरिंग सेक्षेत्र में अफरा—तफरी मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जायजा लिया और शोरूम के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू किया। सिटी पुलिस थाना के पीछे संजय गुप्ता का महिंद्रा गाड़ियों का शोरूम है। दोपहर बाद अचानक शोरूम के बाहर पटाखे फोड़ने जैसे आवाज सुनाई दी लेकिन बाद में पता चला कि पटाखे नहीं शोरूम के बाहर बदमाश ताबड़तोड़ फायरिंग कर रहे हैं। शोरूम के अंदर तथा बाहर दहशत फैल गई। शोरूम के काउंटर पर बैठी युवती इस वारदात को देखकर बेहोश हो गई। लोग इधर-उधर खुद को बचाने का प्रयास करने लगे। बदमाशों द्वारा की गई फायरिंग के दौरान कई गोलियां शोरूम के शीशों तथा शोरूम के बाहर खड़ी कई गाड़ियों पर भी लगीं।

प्रो. मुकेश कुमार ने संभाला इलेक्ट्रॉनिक्स साइंस विभाग के विभागाध्यक्ष का पदभार

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा के आदेशानुसार इलेक्ट्रानिक्स साइंस विभाग के प्रोफेसर डॉ. मुकेश कुमार ने सोमवार को इलेक्ट्रानिक्स साइंस विभाग के विभागाध्यक्ष का पदभार ग्रहण कर लिया। इस अवसर पर प्रो. अनिल वोहरा, प्रो. अनुरेखा शर्मा, प्रो. विरेन्द्र कुंडु तथा प्रो. मुकेन्द्र काद्यान तथा प्रो. राजपाल ने पुष्पगुच्छ देकर विभागाध्यक्ष प्रो. मुकेश कुमार का स्वागत किया।

लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि प्रो. मुकेश कुमार एकेडमिक कौंसिल तथा फैकल्टी ऑफ साइंसिज के सदस्य तथा बोर्ड ऑफ स्टडीज के विभागाध्यक्ष भी होंगे। उन्होंने बताया कि प्रो. मुकेश कुमार ने इस नियुक्ति के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वे पूरी लगन व निष्ठा से विभाग व विश्वविद्यालय के हित में कार्य करेंगे।

कुवि के रसायन, बॉटनी, माइक्रोबायोलॉजी के 13 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने शोध समिति और परीक्षकों के बोर्ड की अनुशंसा पर 13 शोधार्थियों को पीएचडी उपाधि के लिए पात्र घोषित किया है। कुवि के लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि पीएचडी डिग्री के लिए पात्र घोषित किए शोधार्थियों में अंग्रेजी से पारूल सैनी व अमरदीप, हिन्दी से रानी देवी, शिक्षा विभाग से शर्मा लुथरा, ललित कला से गुरिन्द्र सिंह, संगीत से नेहा चौहान, विधि से सरोज व राजवीर, बॉटनी विभाग से हरिश, माइक्रोबायोलॉजी से नवीन, केमिस्ट्री से सुभाष व सुरेश कुमार तथा अर्थशास्त्र से अश्वनी शामिल हैं।

बजट में परामर्श के लिए कुलपति डॉ. राज नेहरू को मिला निमंत्रण

● केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ आज होगी बैठक

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राज नेहरू को केंद्रीय बजट में परामर्श के लिए आमंत्रित किया गया है। वह रोजगार एवं कौशल विषय पर अपना विशिष्ट परामर्श देंगे। मंगलवार को दिल्ली में उनकी केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ मुलाकात होगी। कुलपति डॉ. राज नेहरू को केंद्रीय वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग की ओर से यह निमंत्रण पत्र प्राप्त हुआ है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण प्री- बजट बैठकों में विशेषज्ञों से परामर्श ले रही हैं। इसी कड़ी में देश के पहले राजकीय कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति होने के नाते डॉ. राज नेहरू को विशेष तौर पर आमंत्रित किया गया है। वह रोजगार एवं कौशल को बढ़ावा देने की दिशा में अपने सुझाव केंद्रीय वित्त मंत्री को देंगे।

कुलपति डॉ. राज नेहरू ने बताया कि विश्वविद्यालय ने रोजगार और कौशल को विकसित करने में विशिष्टता हासिल की है।

PUBLIC NOTICE

I/we, Rajeev Saluja Son of Shri Tilak Raj Saluja and Smt. Anita Saluja wife of Shri Rajeev Saluja both Resident of 378, West Guru Angad Nagar, Laxmi Nagar, Delhi-110092, Do hereby inform that I/we hereby De-bar/Disown our son Khushal Saluja Resident of 378, West Guru Angad Nagar, Laxmi Nagar, Delhi-110092 from all our Movable and Immovable Properties with immediate effect, due to his bad habbits and misbehavior. That he shall have no right or claim in any of our Moveable and Immoveable Properties. That I/we shall not be responsible for any of his act.
Rajeev Saluja

PUBLIC NOTICE

This is to inform to the General public at large that my customer THE STATE BANK OF INDIA, SBI RACPC SEC-55, has granted a loan to MR. MANOJ KUMAR for purchase of FLAT / DWELLING UNIT NO. R-603, ON 6TH FLOOR, TOWER NO. R, HAVING SUPER AREA 133.87 SQ. MTRS., COVERED AREA 104.42 SQ. MTRS., IN THE "STELLAR JEEVAN" SITUATED AT PLOT NO. GH-03, SECTOR-1, GREATER NOIDA, GAUTAM BUDH NAGAR, U.P.
That the following Original documents of the aforesaid property are have been lost/ misplaced- 1) Letter of Allotment issued by M/S STELLAR CONSTELLATION PROJECTS PVT. LTD. in favor of MR. MANOJ KUMAR, dated 19.11.2012. 2) Offer of Possession issued by M/S STELLAR CONSTELLATION PROJECTS PVT. LTD. in favor of MR. MANOJ KUMAR, dated 04.06.2015. 3) Demand Notice dated 04.06.2015. 4) Two Receipts Dated 31.05.2012, One Receipt dated 20.10.2012. One Receipt dated 15.12.2012, Two Receipts dated 29.12.2012, One Receipts dated 29.05.2013, One Receipt dated 04.08.2013, One Receipt dated 07.09.2013, One Receipt dated 05.10.2013, Two Receipts dated 10.12.2013 & Two Receipts dated 11.06.2015. 5) Tripartite Sub-Lease Deed executed by GNIDA and M/S STELLAR CONSTELLATION PROJECTS PVT. LTD. in favor of MR. MANOJ KUMAR, Duly registered at SADAR- GAUTAM BUDH NAGAR, Vide Doc. No. 8776, book no.1, volume no. 20129, pages 35 to 78, dated 12.04.2016. If anybody/person/entity misuses the aforesaid property documents then my client's will hold the first exclusive right. The said property will not be accepted against the mortgage (except my client's claim) in any such cases. And no claim shall be accepted on the basis of the aforesaid documents
Navneet Tripathi, Advocate
Office At-SC-53, Jaipuriya Sunrise Plaza, Indirapuram, Ghaziabad, UP, Mob: 9689066717

PUBLIC NOTICE

It is hereby, informed to the General Public that We Mantaj Singh Kang S/o Devinder Preet Singh Kang & Albel Kaur Kang W/o Devinder Preet Singh R/O 00BL-A-1/504, New Clover Village, QSN-69/2B, Radiant Paradise, Wanworie, Pune-411040, Maharashtra, India. have lost Original Provisional Allotment Letter Unit Ref No. 46666/387085/PYVA000093 & Custmer ID: JSEPYVA00093 dated 09/08/2013, Original Payment Receipt No. 2300031681 dated 01.08.2013 of Rs. 4,00,000/- & Original Payment Receipt No. 2300066423 dated 05.01.2014 of Rs. 17,51,604/- issued by Jaiprakash Associates Limited in respect of Unit bearing No. PYVA000093 in Yamuna Vihar Plot, project, situated at Jaypee Greens, Sports City East, Gautam Budh Nagar, on dated 24.06.2024. Any one finding the said documents is requested to kindly return the same to us or the Company.
Name: Mantaj SIngh Kang & Albet Kaur Kang
Addres: 00BL- A-1/504, New Clover Village, QSN-69/2B, Radiant Paradise, Wanworie, Pune-411040, Maharashtra
Phone No. 07798983312 / 09730473557
Email id : akkang.9@gmail.com

PUBLIC NOTICE

My Client Smt. Saroj W/o Sukhbir 32, Joga Mohalla, Dera Village, Dera, South Delhi,-110074 disowned her son Sonu has severed all her relations with her son Sonu due to his bad habits and disrespectful behavior towards my client and rest of the family. My client has also disowned her son from her entire moveable and immovable property. Anybody deal with him at their own risk and cost, My Client shall not be responsible for any act, deed or dealing done by Sonu.
Anis Mohammad (Advocate) (D-962/09)
K-23-A, Basement, Kalkaji, New Delhi-110014

LOST AND FOUND

It is notified for the information that ORIGINAL DOCUMENTS pertaining to DDA MIG Flat No. 40, Ground Floor, RPS Flats, Sheikh Sarai, Phase-1, New Delhi-110017, namely (i) DDA Paper Demand cum Allotment letter, and (ii) Possession Letter has been lost or misplaced. Lodged FIR No. 1776009/2024 dated 30.05.2024 by existing Owners of the Flat Ms. Rashmi Taneja, if found please contact at Mobile No. 9720121081.

PUBLIC NOTICE

I/we, DEEPAK KUMAR BHARDWAJ Son of Late Shri J.N. Bhardwaj and Sarita Bhardwaj wife of Shri Deepak Kumar Bhardwaj both resident of 9/766, First Floor, Lodhi Colony, Lodhi Road Central, Delhi, Delhi-110003 do hereby inform that I/we do hereby Disown/Debar our son Anirudh Bhardwaj and Daughter in Law Shefali wife of Anirudh Bhardwaj from all our Moveble and Immoveable Properties with immediate effect due to their bad habbits and misbehavior. I/we inform that we shall not be responsible for any act done by them. That Anirudh Bhardwaj and Daughter in Law Shefali wife of Anirudh Bhardwaj shall not be entitled for any of our Moveable and Immoveable Properties.
Deepak Kumar Bhardwaj

PUBLIC NOTICE

Be it known to all that my client **Sh. Dhir Singh Behnwal** (Aadhar no. 5335 0399 1198) S/o Sh. Nanak Chand Behnwal, R/o RZI - 136, old plot 134, Mahavir enclave, palam village, Delhi - 110045 have Disowned and debarred his son namely **Yashwant Singh Beniwal @yash @yashu** (Aadhar card 6579 6239 3590) from all moveable and immoveable properties because his behavior is not appropriate and has caused mental harassment to my client & my client has severed all relations with him. Anyone dealing with him may do so at his/her own risk, costs and consequences. My client shall not be responsible for any act or omission done by them.
MOHIT SHARMA, Advocate En. No. D/2857/2014
Ch. No 736, Dwarka Court Complex Dwarka, New Delhi-110075, Mobile : 9711135584

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Rajeev Kumar Agarwal S/o Late Shri Surinder Prakash Agarwal R/o: J-265 Papel Nagar I Ghaziabad Uttar Pradesh-201001 Have Changed My Name From Rajeev Agarwal To Rajeev Kumar Agarwal For All Future Purposes.
PD(544)A

PUBLIC NOTICE

"It is to inform to the public at large that Mrs. Savitri Devi has acquired Upper Ground Floor without roof rights area 108 sq. yds., Khasra No. 30/1/1, Gali No 2. situated at Village Jharadda Majra Burau. Bhawan Park, Delhi vide GPA dt. 24.03.2014 executed by Mr. Tarn Sharma along with ATS & Regd. Will executed by Mrs. Harsha Sharma. Now Mrs. Savitri Devi is the undisputed owner of above said property.
OR
Any person / firm / institution / company having any claim or right in respect of the said Property by way of inheritance, share, sale, agreement, lease, license, gift, possession, legal heirs, partners or encumbrance howsoever or otherwise is hereby required to intimate in writing to the undersigned within 07 days from the date of publication of this notice of his/her/their share or claim, if any, with all supporting documents at below mentioned address. After expiration of notice period, the claims if any, of such person shall be treated null and void and also treated as waived and not binding our client.
Ajay Kumar Giri, Advocate, H.No. 26/161, Basement, Vikram Vihar, Lajpat Nagar 4, New Delhi-110024"

ग्रेटर नौएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्लाट संख्या - 01, सैक्टर - नॉलेज पार्क- 4
ग्रेटर नोएडा सिटी, जिला गौतम बुद्ध नगर, (उ0 प्र0)

सार्वजनिक सूचना

ग्रेटर नौएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अंतर्गत M/s Diligent Builders Pvt. Ltd. भूखंड संख्या GH -15D, Sector 1, Greater Noida को दिनांक 27.07.2011 को मानचित्र की स्वीकृति प्रदान की गई थी, तदोपरांत विकासकर्ता द्वारा (Group Housing Project) का पुनरीक्षण मानचित्र स्वीकृति हेतु दिनांक 20.05.2024 को आवेदन किया गया है, जिसका आवेदन संख्या 34435 है तत्क्रम में UP- apartment act&-2010, amendment 2016 in section-4 sub section-B के अंतर्गत परियोजना के आवंटियों से आपत्ति / सुझाव आमंत्रित किये जाने का प्रावधान है इस सम्बन्ध में विकास करता द्वारा प्रस्तुत स्वीकृत मानचित्र एवं Declaration as per UP apartment act-2010 परिक्षण किसी भी कार्यदिवस में सुबह 9.30 से 6 बजे के मध्य नियोजन विभाग तथा प्राधिकरण की वेबसाइट पर किया जा सकता है। अतः परियोजना के आवंटियों द्वारा Senction Map एवं Declaration as per UP apartment act-2010 के सम्बन्ध में सुचना प्रकाशित करने के 30 दिनों के अंदर आपत्तियां / सुझाव आमंत्रित की जाती है। उपरोक्त के निहितार्थ अपनी आपत्तियां लिखित रूप में अपने आवंटन पत्र, नाम, पता एवं दूरभाष नंबर के साथ कार्यालय समय व कार्यदिवस ग्रेटर नौएडा प्राधिकरण के मुख्य प्रशासनिक कार्यालय भूखण्ड संख्या -1, नॉलेज पार्क- 4, ग्रेटर नौएडा स्थित महाप्रबंधक (नियोजन/वास्तु0) को सम्बोधित करते हुए सुचना प्रकाशित होने के 30 दिवसों के अन्दर जमा कराई जा सकती है।
महाप्रबंधक (नियो0 / वास्तु0)
ग्रेटर नौएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेन्ट ऑफ सिक्योरीटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिक्योरीटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **श्री जिज्ञासु मिश्रा और रोहित मिश्रा** को 18.06.2018 की सूचना में वर्णन के अनुसार कर्ज खाता नं. **HHLDCP00216249** की राशि **रू.58,01,674 /- (रुपए अट्ठावन लाख एक हजार छ सौ चौहत्तर मात्र)** और 18.06.2018 के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट 60 दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।
धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतत्द्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप धारा (4) के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिक्योरीटी ईन्ट्रेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, 2002 के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वियन करके 21.06.2024 को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है।
विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतत्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि **रू.58,01,674 /- (रुपए अठ्ठावन लाख एक हजार छ सौ चौहत्तर मात्र)** 18.06.2018 के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड** के आधीन होगा।
उधारकर्ताओं का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप - धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण
फ्लैट नं.1506, जिसका सुपर एरिया 1660 स्के.फीट, पंद्रहवीं मंजिल पर, ब्लॉक-एच4, सुपरटेक ईको विलेज-4, प्लॉट नं.जीएच-01, सेक्टर-16बी, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर-201303, उत्तर प्रदेश।
दिनांक:21.06.2024
स्थान : गाज़ियाबाद
सही/-
प्राधिकृत अधिकारी
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट ऐक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **दयाराम बी मौर्य और बिंदु मौर्य** को 18.05.2021 की सूचना में वर्णन के अनुसार **कर्ज खाता नं. HHLNOD00459752** की राशि **रू. 42,29,307.85 (रूपये बयालीस लाख उनतीस हजार तीन सौ सात और पचासी पैसे मात्र)** और **07.05.2021** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट 60 दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।
धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतदद्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप-धारा 4 के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **21.06.2024** को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है।
विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतदद्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि **रू. 42,29,307.85 (रूपये बयालीस लाख उनतीस हजार तीन सौ सात और पचासी पैसे मात्र) 07.05.2021** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड** के आधीन होगा।
उधारकर्ताओ का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण
फ्लैट नंबर - 001, तल मंजिल, टावर-डी, संस्कृति प्लॉट नंबर जीएच - 10 पर, सेक्टर 1, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश-201303।
सही/-
दिनांक : 21.06.2024
स्थान : ग्रेटर नोएडा
प्राधिकृत अधिकारी
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट ऐक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **अनुज गुप्ता, इंदु गुप्ता, गौरव गुप्ता, कृष्ण कुमार गुप्ता (गारंटर) और फाइन लाइन रिटेल्स प्राइवेट लिमिटेड (गारंटर)** को **09.01.2024** की सूचना में वर्णन के अनुसार **कर्ज खाता नं. HHLDMT00357758** की राशि **रू. 32,02,384.65 (रूपये बत्तीस लाख दो हजार तीन सौ चौरासी और पैंसठ पैसे मात्र)** और **09.01.2024** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट 60 दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।
धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतदद्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप-धारा 4 के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **21.06.2024** को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है।
विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतदद्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि **रू. 32,02,384.65 (रूपये बत्तीस लाख दो हजार तीन सौ चौरासी और पैंसठ पैसे मात्र) 09.01.2024** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड** के आधीन होगा।
उधारकर्ताओ का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण
विला नंबर 005, कवर्ड/निर्मित क्षेत्र 3778 स्क्वे. फीट, टाइप सी, टावर-विला, सुपरटेक स्पोर्ट्स विलेज से पहचाने जानेवाली परियोजना में, सेक्टर-27 में स्थित, प्लॉट नंबर एससी-02, गौतम बुद्ध नगर, ग्रेटर नोएडा (पश्चिम) -201308, उत्तर प्रदेश।
सही/-
दिनांक : 21.06.2024
स्थान : ग्रेटर नोएडा
प्राधिकृत अधिकारी
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण शाखा
उत्तराखण्ड पेयजल निगम, भीमताल (नैनीताल)
दूरभाष कार्यालयः- 05942-247895 Email id : eecd.btl@gmail.com

पत्रांक : 2051 / 903 / 77 — अल्पकालीन निविदा सूचना — दिनांक : 22.06.2024

अध्यक्ष, उत्तराखण्ड पेयजल निगम की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा जिला योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्यों हेतु मोहरबंद निविदा, दिनांक 06.07.2024 अपरान्ह 3:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी कार्यदिवस में अपरान्ह 03:30 बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में इस कार्यालय में निविदा समिति द्वारा खोली जायेगी। उक्त दिनांकों में अवकाश घोषित होने की स्थिति में निविदा अगले कार्य दिवस को डाली / खोली जायेगी।

क्र0 सं0	विकासखण्ड	योजना का नाम	धरोहर धनराशि (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1	भीमताल	नैनीताल सीवरेज योजना के अन्तर्गत सीवर लाईन (सीवर लाईन की लम्बाई, व्यास एवं मैनहोल इत्यादि विवरण) एवं छुटे हुए क्षेत्र में सीवर लाईन हेतु सर्वेक्षण, डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट एवं तत्संबंधी कार्य।	25000.00	2 माह	1000+ जी0एस0टी0 18%

नोट :–
1. नियम एवं अन्य शर्तें किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 10.00 बजे से सांय 5.00 बजे तक कार्यालय या नोटिस बोर्ड में देखी जा सकती है।

अधिशासी अभियन्ता

"जल संचय –जीवन संचय" "कृपया जल स्त्रोतों को प्रदूषित होने से बचाइये"
"जल स्त्रोत बताइये-पेयजल योजना पाइये" "जल स्त्रोतों को प्रदूषित करना दण्डनीय अपराध है"

भारत-बांग्लादेश संबंध

नए समझौते

भारत और बांग्लादेश को नए समझौतों से लाभ होगा। नई दिल्ली और ढाका ने अनेक समग्र प्रकृति के समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं और इनमें समग्र आर्थिक साझेदारी समझौते-'सीपा' पर वार्ता शुरू करना शामिल है। इन समझौतों में बांग्लादेशियों के लिए चिकित्सा ई-वीसा सुविधा, तीस्ता जल-साझा पर चर्चा के लिए एक तकनीकी टीम बांग्लादेश भेजना तथा रंगपुर में सहायक उच्चायुक्त कार्यालय खोलना शामिल हैं। इन समझौतों में नई ट्रेन व बस सेवायें, बांग्लादेश को भारतीय ग्रिड से 40 मेगावाट बिजली सप्लाई, सिराजगंज में 'इन्लैंड कंटेनर डिपो' तथा बांग्लादेशी पुलिस अधिकारियों के भारत में प्रशिक्षण हेतु 350 सीटें आबंटित करना भी शामिल हैं। भारत मुख्यत: चार आयामों में बांग्लादेश के साथ रणनीतिक संबंधों को बढ़ावा दे रहा है। इनमें देश की आर्थिक बेहतरी, बांग्लादेशियों की स्वास्थ्य आवश्यकताओं में सहायता, क्षेत्र में भारत की उपस्थिति मजबूत करना तथा बांग्लादेश में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करना शामिल हैं। 2008 से सत्ता में विद्यमान तथा देश के आर्थिक व सामाजिक विकास के लिए हार्दिक प्रशंसा की पात्र रही बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना अब देश में महामारी-पश्चात सुधार में कठिनाइयां अनुभव कर रही हैं। उनकी योजना द्विपक्षीय संबंधों के माध्यम से इन मुद्दों को संबोधित करना है और वे नई दिल्ली के साथ संबंध और बेहतर बनाना चाहती हैं। नई दिल्ली स्वाभाविक रूप से उनको सकारात्मक जवाब दे रही है। इस बार बीजिंग की बढ़ती 'छाया' को देखते हुए इन रिश्तों में और ज्यादा गर्माहट प्रदर्शित की गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने 'भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण' से साझेदारी को गहरा किया है तथा सहयोग में व्यापक स्तर पर सुधार किए हैं। शेख हसीना 21 जून से दो दिन की राजकीय यात्रा पर भारत आई थीं।

भारत का बांग्लादेश के इतिहास में विशेष स्थान है क्योंकि 1971 के मुक्ति संग्राम में उसने प्रमुख भूमिका निभाई थी। लेकिन दोनों देशों के बीच 1970 के दशक मध्य में सैनिक शासन के दौरान वहां भड़क रही भारत-विरोधी भावनाओं के कारण संबंधों में तनाव आ गया था। हालांकि, साझा इतिहास ने मजबूत संबंध बनाने में सहायता की तथा 2014 से मोदी के शासनकाल में द्विपक्षीय संबंधों को और गति मिली। इसके पहले 1996 में पहली बार शेख हसीना के प्रधानमंत्री बनने पर द्विपक्षीय संबंधों में महत्वपूर्ण बदलाव आया था। इसके बाद से उनमें लगातार सुधार हुआ है। 2019 से दोनों नेताओं की दस अवसरों पर मुलाकात हुई है जिससे उल्लेखनीय परिवर्तनों तथा संबंधों में मजबूती का नया युग शुरू हुआ है। जनवरी, 2024 में लगातार अपना चौथा कार्यकाल शुरू करने वाली प्रधानमंत्री शेख हसीना 9 जून, 2024 को अन्य 6 विश्व नेताओं के साथ प्रधानमंत्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुई थीं। हालांकि, द्विपक्षीय संबंधों में कुछ चुनौतियां बनी हुई हैं जिनमें सीमा प्रबंधन, अवैध आप्रवासी, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर, रोहिंग्या और नदी जल साझा शामिल हैं। इनके समाधान हेतु निरंतर संवाद जरूरी है। बांग्लादेश ने उत्पीड़ित रोहिंग्याओं के लिए एक द्वीप दिया है, पर वह म्यांमार में इन अल्पसंख्यकों के पुनर्वास में भारत की सहायता चाहता है। मोदी-हसीना साझेदारी से भारत-बांग्लादेश संबंधों को और मजबूती मिलने की पूरी उम्मीद है। आशा है कि दोनों देश अपने बीच बची-खुची चुनौतियों को संबोधित करने में सफल होंगे। इससे परस्पर समृद्धि के लिए साझा व दूरगामी दृष्टिकोण विकसित करने में सहायता मिलेगी।

आंध्र प्रदेश में नायडू की वापसी

दो दशक से अधिक समय से हाशिये पर रहने के बाद नायडू का उभार राज्य की राजनीति में बड़ा परिवर्तन है जिससे विकास पर पुन: ध्यान जाएगा।

कल्याणी शंकर
(लेखिका, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

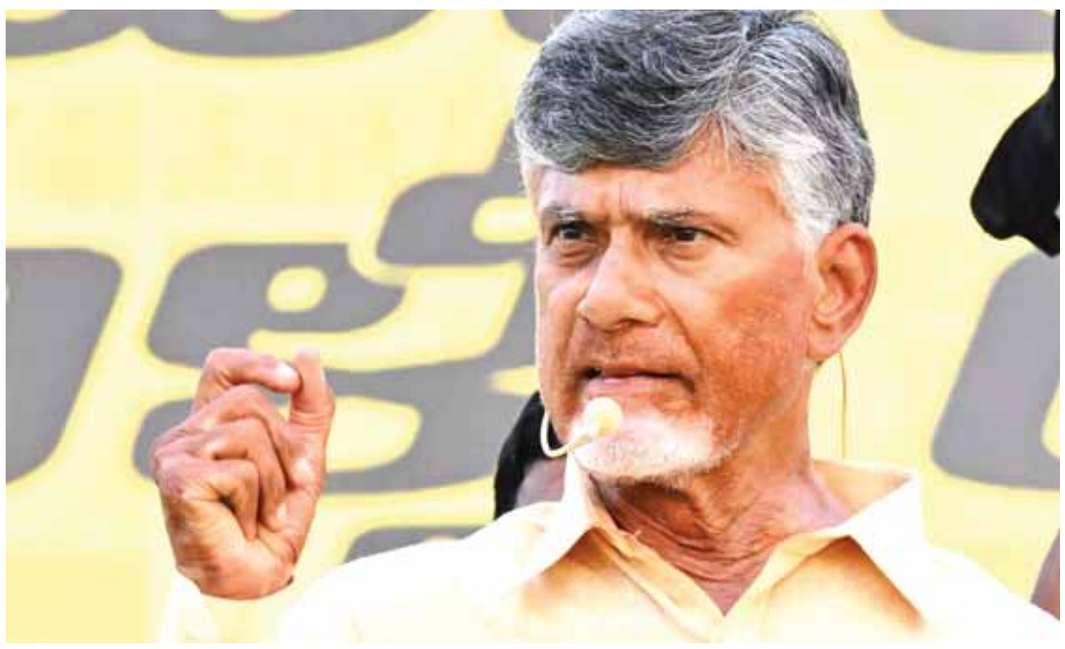

आंध्र प्रदेश में दो दशक से अधिक समय से हाशिये पर रहने के बाद चंद्रबाबू नायडू का उभार राज्य की राजनीति में बड़ा परिवर्तन है जिससे राज्य के विकास पर पुन: ध्यान केन्द्रित करने में सहायता मिलेगी। हाल ही में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पद पर नारा चंद्रबाबू नायडू का शपथ ग्रहण व्यक्तिगत रूप से नायडू की उपलब्धि के साथ ही उनकी पार्टी और भारतीय राजनीति के लिए महत्वपूर्ण परिवर्तनकारी घटना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा अन्य सर्वोच्च भाजपा नेताओं ने 74 वर्षीय नायडू के चौथी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस प्रकार चंद्रबाबू नायडू की एक बार फिर राजनीति में शानदार वापसी हुई है। दो दशक से अधिक समय से राज्य और राष्ट्र की राजनीति में हाशिए पर रहने के बाद नायडू अब अपनी वर्तमान भूमिका से बहुत संतुष्ट हैं। इस प्रकार उन्होंने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है कि राजनेता के तौर पर उनके महत्व को अनदेखा करने वालों ने भारी गलती की है। मुख्यमंत्री के रूप में विजेता चंद्रबाबू नायडू की वापसी के साथ ही उनकी पार्टी तेलगू देशम ने शानदार प्रदर्शन किया है। अब तेलगू देशम पार्टी वर्तमान राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन-राजग सरकार में दूसरे नंबर की सबसे बड़ी पार्टी है। इससे प्रदेश के साथ ही केन्द्र की सत्ता में महत्वपूर्ण परिवर्तन का संकेत मिला है। लगभग एक साल पहले नायडू के पूर्ववर्ती वाईएसआर कांग्रेस के जगन मोहन रेड्डी आराम से सत्ता में थे और उनको एक और कार्यकाल मिलने की पूरी उम्मीद थी। इसका कारण यह था कि उस समय विपक्ष विभाजित था। उस समय पवन कल्याण तेलगू देशम पार्टी-तेदेपा के साथ नहीं थे और भाजपा इस बात को लेकर दुविधा में थी कि तेदेपा को राजग गठबंधन में फिर शामिल किया जाए या नहीं। चंद्रबाबू नायडू पर भ्रष्टाचार के अनेक आरोप थे और तेदेपा कार्यकर्ता काफी हतोत्साहित थे।

नायडू की सत्ता में वापसी के पीछे अनेक कारण रहे हैं। जगन मोहन के खिलाफ सत्ता-विरोधी भावनाओं के साथ ही पवन कल्याण की जनसेना, भाजपा तथा तेदेपा की जातीय गणित ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। जगन ने राज्य में ढांचागत संरचना तथा कृषि की उपेक्षा की जिसके कारण लोगों पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ा और यह भी नायडू की वापसी का प्रमुख कारण बना। चंद्रबाबू नायडू बार-बार पराजित होकर फिर उभरने वाले नेता रहे हैं। उन्होंने अपने राजनीतिक कॅरियर की शुरुआत 1978 में एक जूनियर मंत्री के रूप में की थी और इसके बाद वे तेलगू देशम पार्टी-तेदेपा के विभिन्न पदों पर रहे। वे अनेक बार आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे और अपने कार्यकाल में उन्होंने अनेक महत्वपूर्ण विकास योजनायें शुरू कीं। हालांकि, इनके कारण वे विवादों में भी घिरे रहे।

लेकिन इस पूरी उथलपुथल के बीच नायडू ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति तथा अदम्य भावना का परिचय दिया। नायडू ने घोषणा की थी कि 2024 का चुनाव उनका अंतिम चुनाव है। इस कदम से जहां वे अपने बेटे लोकेश को वारिस के रूप में विकसित करने में सफल रहे, वहीं मतदाताओं पर इसका भावनात्मक प्रभाव पड़ा। हालांकि, इस रणनीतिक निर्णय का आंध्र प्रदेश की राजनीति में नायडू परिवार के भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ सकता है। पहले काफी समय तक चंद्रबाबू नायडू अपने ससुर और तेलगूदेशम पार्टी मुखिया एन.टी. रामाराव की छाया में रहे, पर अंतत: वे पार्टी के लिए अपरिहार्य बन गए। उन्होंने 'राष्ट्रीय मोर्चा' व 'संयुक्त मोर्चा' सरकारों के दौरान राष्ट्रीय राजनीति की महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की और उसमें अपना स्थान बनाया। उनकी पार्टी तेदेपा वीपी सिंह, देवगौड़ा, आई.के. गुजराल तथा बाद में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकारों का हिस्सा रही। इस प्रकार वे तथा उनकी पार्टी किसी के लिए अश्पृश्य नहीं थे। चंद्रबाबू नायडू तथा उनकी तेलगूदेशम पार्टी के विभिन्न केन्द्र सरकारों के साथ परिवर्तनशील संबंध रहे। लेकिन वर्तमान प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में उनकी सहभागिता विशेष रूप से उल्लेखनीय है।

मोदी सरकार को तेदेपा के समर्थन के साथ नायडू ऐसी स्थिति में हैं जहां वे आंध्र प्रदेश के हित में बातचीत और पैरवी कर लाभ प्राप्त कर सकते हैं। चंद्रबाबू नायडू देश के ऐसे पहले मुख्यमंत्री थे जो स्वयं को आंध्र प्रदेश का 'सीईओ' कहते थे। इस प्रकार प्रदेश में एक बार फिर सीईओ की वापसी हो गई है। मुख्यमंत्री के रूप में नायडू ने पहले 'टेक जायंट' बिल गेट्स के साथ बहुत अच्छे संबंध विकसित किए थे। उन्होंने हैदराबाद में निवेश के व्यापक अवसर खोले और इसे 'साइबराबाद' में बदल दिया। उन्होंने विश्व बैंक जैसी एजेंसियों से हैदराबाद में ढांचागत परियोजनाओं के लिए भारी मात्रा में सहायता ली और उसका समग्र विकास करने में सफल हुए। लेकिन गलती यह थी कि उन्होंने राज्य के अन्य भागों के विकास पर इतना ध्यान नहीं दिया।

मुख्यमंत्री के रूप में अपने चौथे कार्यकाल में नायडू के पास आंध्र प्रदेश को फिर से महत्व दिलाने का अवसर मिला है जिसे एक समय देश में 'चावल का कटोरा' कहा जाता था। नायडू की सर्वोच्च प्राथमिकता आंध्र प्रदेश के लिए अतिरिक्त धन जुटाना है जो राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। आंध्र प्रदेश के विकास में नायडू के दृष्टिकोण में लंबित सिंचाई परियोजनाओं, जैसे 'पोलावरम परियोजना' को गति देना शामिल है ताकि राज्य के कृषि क्षेत्र को मजबूत किया जा सके। अपनी पार्टी के समर्थन से नायडू राज्य के संसाधनों को अधिकतम बढ़ा कर विकास को गति देना चाहते हैं। हाल ही में केन्द्र सरकार बनने के बाद मोदी कैबिनेट में जब उनकी पार्टी के केवल एक कैबिनेट तथा एक राज्य मंत्री मिलने पर जब नायडू से सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'हम नरेन्द्र मोदी कैबिनेट की संरचना पर बात नहीं कर रहे हैं क्योंकि यह राज्य के हितों का मामला है।' इससे स्पष्ट है कि चंद्रबाबू नायडू आंध्र प्रदेश के लिए अपनी केन्द्र सरकार में सहभागिता का अधिकतम लाभ उठाना चाहते हैं। हालांकि, इस बात की उम्मीद है कि मोदी सरकार के अगले विस्तार में उनको मंत्रिमंडल में और स्थान मिलें। नायडू के समक्ष दूसरी महत्वपूर्ण चुनौती आंध्र प्रदेश की राजधानी 'अमरावती' का निर्माण है। उनके पूर्ववर्ती जगन मोहन रेड्डी ने अपने दो कार्यकाल के शासन में इस परियोजना पर रोक लगा दी थी। अब सत्ता में अपनी वापसी के बाद चंद्रबाबू नायडू अमरावती परियोजना पूरी करना चाहते हैं। इसके लिए वे केन्द्र सरकार पर दबाव भी डाल सकते हैं ताकि राजधानी का निर्माण हो सके। इसके साथ ही वे अनेक नई परियोजनायें तथा छ: कल्याणकारी योजनायें चलाना चाहते हैं। एक 'शोमैन' की तरह वे अमरावती परियोजना को एक 'आदर्श राजधानी' के रूप में पेश करना चाहेंगे। लेकिन वर्तमान समय में राज्य गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। राज्य में पैसे की भारी कमी है तथा उस पर कुल 14 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। इसमें विभिन्न स्रोतों से लिया गया 12 लाख करोड़ कर्ज तथा 1.5 लाख करोड़ का बकाया भुगतान शामिल है। राज्य पर इस भारी वित्तीय बोझ का कारण नायडू के पूर्ववर्ती जगन मोहन रेड्डी सरकार की अनेक काल्पनिक योजनायें हैं जो जमीन पर नहीं उतर सकीं। उन्होंने हास्यास्पद रूप से राज्य में तीन राजधानियों की कल्पना की थी, जिसमें एक न्यायिक, एक आर्थिक व एक प्रशासनिक राजधानी होती। इस अव्यावहारिक कल्पना से राज्य का विकास प्रभावित हुआ तथा उस पर वित्तीय बोझ बढ़ा।

अपने चार दशक के राजनीतिक कॅरियर में 74 वर्षीय नायडू अनेक उतार-चढ़ाव से गुजरे। अपने पहले और दूसरे कार्यकाल में वे समय से बहुत आगे थे। उन्होंने स्वयं को एक भविष्योन्मुखी सोच वाले, तकनीक-समर्थक तथा टेक-सेवी मुख्यमंत्री के रूप में पेश किया। वर्तमान समय में नायडू के लिए अच्छा अवसर है। वे एक प्रकार से 'किंगमेकर' हैं और मोदी सरकार में सत्ता का साझा कर रहे हैं। राज्य विधानसभा में उनके सामने कोई विपक्ष नहीं है क्योंकि वाईएसआरसीपी केवल 11 सीटों तक सिमट गई है। तेदेपा को मुस्लिम आरक्षण का मुद्दा सुलझाना है क्योंकि यह भाजपा से उनके टकराव का कारण बन सकता है। फिलहाल मोदी से नायडू के संबंध बहुत अच्छे हैं। इसके साथ ही तेदेपा को नायडू के खिलाफ भ्रष्टाचार मामलों से निपटना होगा क्योंकि वे जमानत पर हैं। चौथे कार्यकाल में नायडू का व्यवहार उनके तथा उनके बेटे लोकेश के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण होगा।

पढ़ने का आनन्द

> पढ़ने की आदत के अनेक लाभ हैं। इनमें बौद्धिक प्रेरणा व समग्र बेहतरी शामिल हैं।

शाइनी शर्मा
(लेखिका, शिक्षक हैं)

पढ़ना उन लोगों के लिए जरूरी है जो सामान्य स्थिति से ऊपर उठना चाहते हैं। पढ़ने की आदत के जीवन पर अनेक सकारात्मक प्रभाव होते हैं जिनमें बौद्धिक प्रेरणा से लेकर भावनात्मक बेहतरी तक शामिल हैं। नियमित रूप से पढ़ने के लिए समय निकालना अपने लिए लाभदायक है, फिर चाहे यह भौतिक पुस्तकों से हो या ई-पुस्तकों से। बरसात और ठंडक के समय गर्म कंबल में बैठ कर और एक कप काफी हाथ में लेकर अपनी पसंदीदा पुस्तक पढ़ने से अधिक आनन्द और कुछ नहीं हो सकता है।

नई किताबों की खुशबू किसी पुराने प्रेम की तरह है जैसे पुराने फूल, फोटो और पत्र बुकमार्क की तरह छिपाए जा सकते हैं और हमेशा आनन्ददायक उपहार की तरह होते हैं। तकनीकी प्रगति से उथलपुथल वाली दुनिया में कभी-कभी साहित्य से संपर्क एक महत्वपूर्ण परिवर्तन का कारण बन सकता है। परंपरागत रूप से किताब पढ़ने के तरीके का आजकल डिजिटल व आडियो समकक्षों से मुकाबला हो रहा है। आज जेब में ऐसी पुस्तक लाइब्रेरी रखना आसान हो गया है जहां लोग अपनी सुविधानुसार उनको देख सकते हैं। इससे किताबों की दूकान या पुस्तकालय तक जाने के झंझट से भी मुक्ति मिलती है और कोई भी अपनी मनपसंद पुस्तक डिजिटल रूप से चुन सकता है।

भौतिक पुस्तकों की तुलना में ई-बुक्स पर्यावरण हितैषी पहुंच प्रकट करती हैं क्योंकि इससे कागज की मांग कम होती है। इससे पेड़ों से लुगदी की मांग घटती है तथा उपभोक्ताओं तक किताबें पहुंचाने के लिए परिवहन व प्रिंटिंग सुविधाओं की जरूरत भी नहीं रहती है। भौतिक पुस्तकों के उत्पादन में अनेक प्रकार की सामग्री और प्रक्रियाओं की जरूरत होती है जिससे कचरा और प्रदूषण होता है। ई-बुक्स के लिए ऐसी विनिर्माण प्रक्रियाओं की जरूरत नहीं होती है और इस प्रकार इनके उत्पादन और कचरा निस्तारण में कमी से पर्यावरण फुटप्रिंट घटता है।

हालांकि, ई-बुक्स के लिए एलेक्ट्रानिक उपकरणों की जरूरत होती है जो ऊर्जा का उपभोग करते हैं, लेकिन ऊर्जा-सक्षम उपकरणों के प्रयोग, चार्जिंग के लिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के प्रयोग तथा दीर्घजीविता व भौतिक पुस्तकों की तुलना में एलेक्ट्रानिक उपकरणों के संभावित पुन: प्रयोग से पर्यावरण प्रभाव कम किया जा सकता है। लेकिन जब ये ई-बुक्स टेबलेट या फोन जैसे उपकरणों के माध्यम से मिलती हैं तो ध्यान भटकाने का बड़ा स्रोत भी साथ आता है और गंभीरता से पढ़ने का समय घटता है। इसके साथ ही ऐसे उपकरण मल्टीमीडिया संवर्धन जैसे वीडियो या इंटरएक्टिव तत्व प्रदान करते हैं जिससे पढ़ने के अनुभव में व्यवधान पड़ता है। हालांकि, यह व्यक्तिगत अनुभव पर निर्भर है। कुछ लोगों को भौतिक पुस्तकों का स्पर्श ही पसंद आता है।

अनेक शोध एवं अध्ययन ई-बुक्स पसंद में विभिन्न आयामों के अंत: संबंध स्पष्ट होते हैं। भौतिक पुस्तकें बेहतर समझदारी, उसे बनाए रखने तथा ज्यादा आरामदेह पाठन अनुभव देती हैं, जबकि ई-बुक्स सुविधाजनक, लाने ले जाने में आसान तथा लागत प्रभावी होती हैं। इस प्रकार पसंद का अवसर मुख्यत: विशिष्ट पाठक की आवश्यकताओं पर निर्भर करता है। एक पुस्तक में डूबने की तुलना में सोशल मीडिया की ई-ब्राउजिंग से छोटी-छोटी पोस्टों या लेखों का आनन्द उठाया जा सकता है, लेकिन अंतत: इनसे टिकाऊ व गहन अध्ययन की आदत कमजोर पड़ती है। तत्काल आनन्द व सोशल मीडिया का निरंतर अनोखापन पुस्तकें पढ़ने को तुलनात्मक रूप से कम आकर्षक तथा कम लाभकारी बनाता है।

पढ़ने का प्रयास करने के समय सोशल मीडिया चेक करने की प्रवृत्ति संकेन्द्रण तथा पाठन अनुभव में बाधा डालती है। ई-बुक्स बनाम भौतिक पुस्तकों के पर्यावरणीय प्रभाव में प्रयोग किए जा रहे उपकरणों की ऊर्जा दक्षता, बिजली के स्रोत तथा उपकरणों के प्रयोग की बारंबारता महत्वपूर्ण है। लेकिन इसके साथ ही प्रयोगकर्ता भौतिक पुस्तकों के विशिष्ट लाभों का वर्णन करते हैं। इसलिए पढ़ने की आदतों में संतुलन बनाए रखना जरूरी है। वैसे कुल मिला कर कहा जाए तो पुस्तकें पढ़ने के माध्यम से सीखने, विकास करने तथा आराम करने का कोई विकल्प नहीं है।

आप की बात

संसद का प्रथम सत्र

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में 18 वीं संसद का प्रथम सत्र नवनिर्मित संसद भवन में 24 जून को आरंभ हुआ। सभी भारतीयों को गौरवान्वित होना चाहिए कि हमारा लोकतंत्र लगातार मजबूत हुआ है और संसदीय प्रणाली के माध्यम से भारत में राजकाज सुचारू रूप से चल रहा है। भारत के 543 सांसदों से देश यह जरूर अपेक्षा करता है कि वे अपने क्षेत्र के मुद्दों को जरूर उठाएं, लेकिन जब बात राष्ट्र की सुरक्षा एवम राष्ट्र के मान-सम्मान की आए तो सभी सांसदों को एकजुटता का परिचय देते हुए पूरे विश्व में एकरूपता और एकजुटता का संदेश जरूर प्रसारित करना चाहिए। देश की सबसे बड़ी पंचायत प्रगति का आधार है और इसके कंधे पर भारत की सुरक्षा और संप्रभुता सुनिश्चित करने की भी जिम्मेदारी है। उम्मीद है कि सभी सांसद मर्यादित आचरण करते हुए करते हुए मां भारती की सेवा करेंगे। केंद्र सरकार से यह भी अपेक्षा करते हैं कि कानून-व्यवस्था एवं योजनाओं को लागू करते समय निष्पक्षता का परिचय दें और क्षेत्रवाद से उठकर पूरे देश के सभी लोकसभा क्षेत्रों में प्रगति सुनिश्चित करे। विपक्षी दलों की भी जिम्मेदारी है कि वे संकुचित राजनीतिक व चुनावी लक्ष्यों से ऊपर उठ कर रचनाशील विपक्ष की भूमिका निभा कर सम्मान अर्जित करें।

– **वीरेंद्र कुमार जाटव,** दिल्ली

आम की खूबियां

आम की खूबियों का जितना वर्णन किया जाए उतना कम है। शायद ही कोई फ्रूट ऐसा होगा जिसमें हजारों स्वाद हैं, कोई खट्टा मीठा रसीला खुशबूदार, कोई इतना बड़ा कि 1 किलो का एक आम तो कोई इतना छोटा कि 1 किलो में 20 चढ़ जांए। आम के दीवाने पूरी दुनिया में है मगर भारत में इसकी दीवानगी सबसे ज्यादा है। क्वालिटी के हिसाब से इनके दामों में जमीन आसमान का फर्क है। अधिकतम 6 लख रुपए किलो से लेकर 20 रुपये किलो तक आम आपको मिल सकते हैं। उत्पादक क्षेत्रों से लेकर पूरे देश और विदेशों में सब के पास आम जाता है। चाहें तो आम पर एक ग्रंथ लिखा जा सकता है। मगर उसे मोटे ग्रंथ को पढ़ने के बाद आम के बारे में जो ज्ञान प्राप्त होगा वह ज्ञान आपको एक आम खाने मात्र से प्राप्त हो जाएगा। कोल्ड स्टोरेज की बदौलत इसे ठंडा कर 12 महीने उपलब्ध करवाया जाता है। वहीं कोल्ड ड्रिंक में रसायनों, रंगो और शक्कर की सहायता से ही आम का स्वाद देने की कोशिश की जाती है। आम के अचार, मुरब्बा, आम पापड़, स्लाइस, कैंडी के रूप में भी इसका 12 महीने स्वाद लिया जा सकता है। भारत का राष्ट्रीय फ्रूट होने के साथ इसे फ्रूटों का राजा भी कहा जाता है।

– **सुभाष बुडावन वाला,** रतलाम

रूस-यूक्रेन युद्ध

रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि वाशिंगटन और कीव शांतिपूर्ण निवासियों पर जानबूझ कर किए मिसाइल हमले के जिम्मेदार हैं। उसका आरोप है कि अमेरिका द्वारा दी गई कुछ मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। इसमें तीन बच्चों सहित पाँच लोगों की मौत हो गई और 120 से ज्यादा लोग घायल हो गए। लेकिन यह तथ्य अनदेखा नहीं किया जा सकता है कि रूस भी यूक्रेन पर रोज हमला कर उसके स्कूलों, अस्पतालों, बाजारों, आवास स्थलों, आधारभूत संरचनाओं, बिजली उत्पादन केंद्रों को निशाना बनाता है जिसका सबसे ज्यादा नुकसान निरपराधी यूक्रेनी नागरिकों, बच्चों, महिलाओं और वृद्धों को उठाना पड़ रहा है। पिछले माह जर्मनी और अमेरिका ने यूक्रेन को छूट दे दी कि वो उनके द्वारा सप्लाई हथियारों का प्रयोग कर रूस के भीतर तक आक्रमण कर सकता है। रूस को इस आक्रमण के लिए खुलेआम चीन और उत्तर कोरिया जैसे तानाशाही देशों से मदद मिल रही है। ब्रिटेन के एक नेता ने यह कह कर हंगामा खड़ा कर दिया है कि अमेरिका ने ही रूस को यूक्रेन पर हमले के लिए उकसाया है। इस प्रकार रूस-यूक्रेन युद्ध में कोई दूध का धुला नहीं है, लेकिन इसका खामियाजा रूस और यूक्रेन की जनता भुगत रही है। यह युद्ध अब समाप्त होना ही चाहिए।

जंग बहादुर सिंह, जमशेदपुर

ट्रेनों का संचालन

वाराणसी से दिल्ली जा रही वन्दे भारत के इंजिन में खराबी के चलते वो करीब एक घंटे यूपी में इटावा के पास भरथला में खड़ी रही। बताते हैं किसी पशु के टकराने से उसके इंजिन में खराबी आ गई थी जिसे रेलवे के तकनीकी स्टाफ ने ठीक कर ट्रैन को रवाना किया। पशु के टकराने से हुई खराबी एक अनहोनी हो सकती है, किन्तु पहले भी कई बार देखा गया है कि वन्दे भारत ट्रेनों में तकनीकी खराबी आती रही है और वो चलते-चलते रास्ते में रोकी गई। नई ट्रेन, नई बोगियां और नए इंजिन आदि होने के बावजूद इन ट्रेनों में बार-बार तकनीकी खराबी आना ठीक नहीं कहा जा सकता है। ट्रेनों के संचालन में तकनीक को उत्कृष्टतम बनाने के साथ रेलवे सुरक्षा और संरक्षा में समुचित संख्या में कर्मचारियों की भर्ती की जानी चाहिए। इस दिशा में देर से ही सही कुछ कदम उठाए जा रहे हैं। ट्रेनों के संचालन में मानवीय गलतियों के कारण पिछले दिनों कई दुर्घटनायें हुई हैं। इसलिए मानवीय श्रमशक्ति तथा तकनीकी स्टाफ की कमी की भरपाई केवल तकनीकों के प्रयोग से संभव नहीं लगती है। रेलों की सुरक्षा पर भी ध्यान देना चाहिए।

– **शकुंतला महेश नेनावा,** इंदौर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

स्वच्छता, सुरक्षा और सुविधा का मानक होगा महाकुंभः मुख्यमंत्री

● कहा, प्रयागराज महाकुंभ के लिए पूरी दुनिया में उत्सुकता

सीएम योगी ने की महाकुंभ-2025 के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगामी प्रयागराज महाकुंभ को स्वच्छता, सुविधा और सुरक्षा का मानक आयोजन बनाने के लिए हर सम्भव प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है महाकुंभ-2025 पूरे विश्व को सनातन भारतीय संस्कृति से साक्षात्कार कराने का सुअवसर है। यह न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि भारत के ग्लोबल ब्रांडिंग का माध्यम बनेगा। हमें इसके सफल आयोजन के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देना होगा। महाकुंभ के प्रबंधन से जुड़े विभिन्न विभागों के साथ मुख्यमंत्री ने सोमवार को बैठक कर अब तक हुई तैयारियों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख सचिव नगर विकास तथा कुंभ मेलाधिकारी और पुलिस विभाग के अधिकारियों ने अब तक की तैयारियों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 12 वर्षों के अंतराल पर आगामी वर्ष 2025 में प्रयागराज में त्रिवेणी तट पर महाकुंभ का पावन अवसर आने वाला है। मानवता की इस अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर का अनुभव करने को पूरी दुनिया उत्सुक है। आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हम सबने वर्ष 2019 में कुंभ का सफल आयोजन कर एक मानक स्थापित किया है। इस बार लोगों की अपेक्षाएं हमसे और अधिक हैं। आम जन की आस्था, अपेक्षा और आकांक्षा का ध्यान रखते हुए महाकुंभ की गरिमा और महत्ता के अनुरूप आयोजन होना चाहिए। एक बार पुनः हमें बेहतर टीमवर्क के साथ कार्य करके दिखाना होगा। 13 जनवरी 2025 से 26 फरवरी 2025 तक महाकुंभ मेला प्रस्तावित है। संतगणों, स्नानार्थियों, कल्पवासियों, श्रद्धालुओं, पर्यटकों आदि की सुविधा के दृष्टिगत वर्ष 2019 के सापेक्ष महाकुंभ 2025 विशाल परिसर में आयोजित होगा। पिछली बार जहां 3200 हेक्टेयर में मेला फैला था, इस बार 4000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में इसका विस्तार किया जा रहा है। ऐसे में पार्किंग, पांटून पुल की संख्या, घाटों की संख्या, स्ट्रीट लाइट, शौचालय आदि की संख्या को आवश्यकतानुसार और अधिक बढ़ाया जाना चाहिए। 13 जनवरी 2025 से 26 फरवरी 2025 तक के 45 दिवसों के भीतर पौष पूर्णिमा, मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या, बसंत पंचमी, माघी पूर्णिमा और महाशिवरात्रि प्रमुख स्नान तिथियां होंगी। महाकुंभ में दैनिक श्रद्धालुओं/पर्यटकों के अतिरिक्त कल्पवासियों की उपस्थिति भी होगी। उनकी सुरक्षा, सुविधा और आवश्यकताओं के अनुरूप यथोचित व्यवस्था की जाए। कुशल प्रबंधन में ट्रैफिक और पार्किंग महत्वपूर्ण विषय है। मेलाक्षेत्र और प्रयागराज नगर में इन दोनों पर बेहतर कार्ययोजना बनाएं। प्रयास हो कि मेलाक्षेत्र में कोई भी पार्किंग संगम से 5 किमी से अधिक दूर न हो। प्रयागराज में 7 रिवर फ्रंट रोड, 14 आरओबी और 7 पुराने घाटों के सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। 6 लेन सेतु का निर्माण भी जारी है। यह सभी कार्य प्रत्येक दशा में अक्टूबर तक पूरा कर लिया जाए। जिन विभागों द्वारा कार्य किया जा रहा है, वह इसकी लगातार मॉनीटरिंग करें, गुणवत्ता की परख करें और समय-सीमा के भीतर कार्य पूरा कराएं। प्रयागराज विकास प्राधिकरण द्वारा अतिक्रमण विरोधी अभियान सतत जारी रखें। सड़कों का चौड़ीकरण, सौंदर्यीकरण का कार्य समय से पूरा कराया जाए। परिवहन विभाग द्वारा 7000 से अधिक बसों की व्यवस्था कराई जाए। नगर विकास विभाग द्वारा अधिकाधिक ईवी शटल बसों की उपलब्धता कराई जाए। एयरपोर्ट के नवीन टर्मिनल का निर्माण कार्य अक्टूबर तक पूरा करा लें। व्यवस्था ऐसी हो जिससे एयरपोर्ट से मेलाक्षेत्र तक पहुंचने में 30 से 40 मिनट से अधिक समय न लगे। प्रयागराज कुंभ 2019 की स्वच्छता ने हर आगंतुक को प्रभावित किया था। इस बार हमें ऐसे प्रयास करने की आवश्यकता है। महाकुंभ 2025 प्रतिबंधित पॉलिथीन मुक्त हो, इसके लिए संकल्पित होकर जनसहयोग के साथ कार्य करना होगा। प्रयागराज का हर एक वार्ड-हर एक मोहल्ला स्वच्छ हो, इसके लिए मोहल्ला स्वच्छता समिति गठित करायें। अभी से प्रयास प्रारंभ कर दें। जनजागृति बढ़ाएं। मेला क्षेत्र सहित पूरा प्रयागराज स्वच्छता का मॉडल बनकर प्रतिष्ठित हो, इसके लिए हर किसी को योगदान करना होगा। प्रयागराज नगर को जोड़ने वाली मुख्य सड़कों पर ट्री गार्ड सहित पौधे लगाए जाएं। ग्रीन प्रयागराज-ग्रीन महाकुंभ का लक्ष्य लेकर कार्य किया जाना चाहिए। महाकुंभ में श्रद्धालुओं और पर्यटकों के संभावित आगमन के दृष्टिगत मेला क्षेत्र में 1,50,000 शौचालयों की व्यवस्था की जानी चाहिए। इनकी नियमित सफाई हो, इसके लिए 10 हजार से अधिक कर्मचारियों की आवश्यकता होगी।

मुख्यमंत्री ने शहीद जवान शैलेंद्र को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ में कर्तव्य पालन के दौरान वीरगति को प्राप्त हुए कानपुर नगर जनपद निवासी सीआरपीएफ के जवान शैलेन्द्र को भावभीनी श्रद्धांजलि दी है। मुख्यमंत्री ने शहीद के परिजनों को 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने की घोषणा की है। उन्होंने शहीद के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने तथा जनपद की एक सड़क का नामकरण शहीद शैलेन्द्र के नाम पर करने की भी घोषणा की है।

मुख्यमंत्री ने शहीद शैलेन्द्र के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि शोक की इस घड़ी में राज्य सरकार उनके साथ है। प्रदेश सरकार द्वारा शहीद के परिवार को हर सम्भव मदद प्रदान की जाएगी।

आगरा फोर्ट में 'लाइट एंड साउंड शो' का लुत्फ उठा सकेंगे पर्यटक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ आगरा

ताजनगरी में पर्यटकों का रात्रि प्रवास बढ़ाने और पर्यटन उद्योग को नई ऊर्जा देने के लिए योगी सरकार लगातार प्रयास कर रही है। ताजमहल का दीदार करने आने वाले पर्यटक अब आगरा किले में लाइट एंड साउंड शो का लुत्फ उठा सकेंगे। 31 जुलाई तक लाइट एंड साउंड शो शुरू होना है। जल्द ही ट्रायल शुरू हो जाएगा। उत्तर प्रदेश पर्यटन और पुरातत्व विभाग ने सभी तैयारियां पूरी कर ली है। आगरा किले में मुगल बादशाह, आगरा की संस्कृति, शिवाजी के आगरा आगमन को दर्शाते हुए लाइट एंड साउंड शो तैयार किया गया है। इसका 95 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। सॉफ्टवेयर इंस्टॉलेशन के साथ शो में चलने वाली क्रिएटिव फिल्म भी फाइनल की जा चुकी है। उत्तर प्रदेश पर्यटन द्वारा लाइट एंड साउंड शो के शाम सात से रात 10 बजे तक होगा। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी दीप्ति वत्स ने बताया कि लाइट एंड साउंड शो की तैयारियां आखिरी दौर में है। जल्द ही काम पूरा कर लिया जाएगा। एएसआई से अनुमति मिलते ही लाइट एंड साउंड के ट्रायल भी शुरू कर दिया जाएगा। लाइट एंड साउंड शो में रोजाना दो शो होंगे। इससे ताजनगरी आने वाले पर्यटक आगरा की संस्कृति को जानने का मौका मिलेगा। साथ ही पर्यटन उद्योग को भी फायदा मिलेगा।

वैभव कृष्ण बने डीआईजी आजमगढ़ रेंज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश सरकार ने दो आईपीएस अफसरों के तबादले कर दिए। इस फेरबदल में आजमगढ़ रेंज के आईजी अखिलेश कुमार को यहां से हटाकर आईजी ईओडब्लू के पद पर तैनाती मिली है। वहीं डीआईजी वीआईपी सुरक्षा के पद पर तैनात वैभव कृष्णा को आजमगढ़ परिक्षेत्र का नया डीआईजी तैनात किया गया है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले सरकार ने बीते शनिवार को लखनऊ और प्रयागराज के पुलिस कमिश्नर सहित 16 वरिष्ठ आईपीएस अफसरों के तबादले किए थे।

आईपीएस अंकित मित्तल निलंबित

लखनऊ। 2014 बैच के आईपीएस अंकित मित्तल के खिलाफ शासन ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई की है। शासन ने उन्हें निलम्बित कर दिया है। उनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी दिए गए हैं। जानकारी के मुताबिक अंकित मित्तल इन दिनों चुनार में ट्रेनिंग सेंटर (आरटीसी) में एसपी थे। उन पर पत्नी के साथ बदसलूकी का आरोप था। यह आरोप उनकी पत्नी में करते हुए शासन से शिकायत की थी। एक्स्ट्रा मैरिटल संबंधों की शासन स्तर पर हुई जांच में आईपीएस अंकित मित्तल दोषी पाए गए हैं। इस जांच के आधार पर उन्हें निलम्बित करते हुए विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि आईपीएस अंकित मित्तल की पत्नी ने एक्स्ट्रा मैरिटल संबंधों की शिकायत की थी। डीजी ट्रेनिंग की तरफ से इसकी जांच की गई। प्रारंभिक जांच में अंकित मित्तल के एक महिला मित्र से संबंधों की पुष्टि हुई है। इससे पहले पत्नी की शिकायत पर एसपी गोंडा के पद से अंकित मित्तल को हटाया गया था।

ई-स्टाम्प को और अधिक सुरक्षित बनाने की तैयारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● शुरुआत में छोटी रकम के ई-स्टाम्प पेपर के जरिए योगी सरकार करेगी बड़ी शुरुआत

योगी सरकार प्रदेश में ई-स्टाम्प को और अधिक सुरक्षित बनाने जा रही है। इसके लिए स्टाम्प एवं पंजीकरण विभाग ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। शुरुआत में छोटी रकम के ई-स्टाम्प के जरिए इस सुविधा का लाभ जनता को देने की तैयारी है। इन ई-स्टाम्प को आधार कार्ड के जरिए ऑनलाइन प्रमाणन के बाद पर्सनलाइज्ड करके उसी आधार कार्ड धारक के द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति के प्रयोग के लिए प्राप्त किया जा सकेगा। इससे जाली स्टाम्प के भय से पूरी तरह से मुक्ति मिल जाएगी। विभाग ई-स्टाम्प के नये प्रारूप की डिजाइन भी फाइनल कर चुका है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर फिलहाल 100 रुपए से कम के ई-स्टाम्प को लेकर ये प्रयोग किया जाएगा। नये प्रारूप की रूपरेखा और ई-स्टाम्प को सुरक्षित रखने के लिए 9 प्रकार के विशेष नये सिक्योरिटी फीचर्स इस्तेमाल में लाए गये हैं। इसमें 1-डी बार कोड, स्टैटिक लाइन, एसडी अमाउंट, स्टैटिक एसडी अमाउंट, टेक्स्ट थ्रेड, एएसवाईएम सर्टिफिकेट आईडी, खरीददार का नाम, सिंगल लेयर लोगो, टेक्स्ट थ्रेड डेट, टेक्स्ट रिबन और बीजी का उपयोग किया गया है। इसके जरिए जाली स्टाम्प बनाना असंभव हो जाएगा।

बता दें कि 10 रुपए के स्टाम्प पेपर के मुद्रण में तकरीबन 16 रुपए का खर्च आता है। इसमें कानपुर डिपो से उसके परिवहन की लागत भी शामिल है। छोटे मूल्य के स्टाम्प का प्रयोग अपेक्षाकृत अधिक होता है। शपथ पत्र, विभिन्न प्रकार की शासकीय योजनाओं, विद्यालय, महाविद्यालय में प्रवेश के वक्त, सेवायोजन में और लोक शिकायतों में छोटे मूल्य के स्टाम्प पेपर इस्तेमाल में लाए जाते हैं। 2023-24 के आंकड़ों पर गौर करें तो 100 रुपए से अधिक मूल्य के 47 लाख से अधिक ई-स्टाम्प जारी किये गये, वहीं 100 रुपए से कम मूल्य के 2 करोड़ 56 लाख से अधिक ई-स्टाम्प पेपर जारी किये जा चुके हैं। माना जाता है कि छोटे मूल्य के स्टाम्प पर आनुपातिक कमीशन कम होता है, ऐसे में अक्सर ऐसी शिकायतें भी मिलती हैं कि कुछ वेंडर छोटे मूल्य के स्टाम्प की कृत्रिम किल्लत बताकर कालाबाजारी का भी प्रयास करते हैं। अब छोटे मूल्य के सुरक्षित ई-स्टाम्प की उपलब्धता के बाद इस प्रकार की परेशानियों से भी निजात मिलेगी।

महाराष्ट्र में 12 वर्ष पूर्व हत्या कर फरार हुआ अपराधी बदायूं से गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

हत्या के एक मुकदमे में महाराष्ट्र से पिछले 12 वर्षों से वांछित अपराधी को एसटीएफ ने बदायूं जिले के सहसवान थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया।

पकड़े गए अपराधी हीरा उर्फ खुर्शीद आलम अंसारी के खिलाफ धारा 302, 201, 34 आईपीसी के अन्तर्गत थाना वालीव मिरा भाईदर-वसई विरार, पुलिस आयुक्तालय, ठाणे (महाराष्ट्र) में 12 वर्ष पूर्व मुकदमा दर्ज हुआ था। महाराष्ट्र पुलिस को उसके यूपी में होने की जानकारी हासिल हुई। जिसके बाद उसने यूपी एसटीएफ से गिरफ्तारी में सहयोग मांगा। एसटीएफ और महाराष्ट्र पुलिस संयुक्त कार्रवाई में हीरा उर्फ खुर्शीद आलम अंसारी को कस्बा सहसवान, जनपद बदायूं में जहांगीराबाद की तरफ जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि वह महेश कुमार रामचन्द्र (मृतक) के यहां मुम्बई में वर्ष-2013 में काम करता था। इसका एवं इसके साथियों का महेश से पैसे की लेन-देन को लेकर कहासुनी और विवाद हो गया। इस दौरान अपने साथियों (आमिर अब्बास मोईनुद्दीन शेख व मो. नईम बन्ने मियां अंसारी) के साथ मिलकर महेश की फावड़े से हत्या कर दी थी और तभी से मुम्बई से भाग आया था। वहां से भागने के बाद दिल्ली व उडीसा में छिपकर रह रहा था। महाराष्ट्र पुलिस ट्रांजिट रिमांड पर अभियुक्त को अपने साथ ले जाएगी।

पीएम मोदी के नेतृत्व में साकार हो रही 'आत्मनिर्भर भारत-विकसित भारत' की संकल्पनाः योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● लोकसभा सदस्य के रूप में मोदी के तीसरी बार शपथ लेने पर सीएम ने दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को लोकसभा सदस्य के रूप में तीसरी बार शपथ ली। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें बधाई दी। अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर सीएम योगी ने लिखकर उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित कीं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने लिखा कि लोकसभा सदस्य के रूप में लगातार तीसरी बार शपथ लेने की आपको हार्दिक बधाई! आपके यशस्वी नेतृत्व में 'आत्मनिर्भर भारत-विकसित भारत' की संकल्पना साकार हो रही है। निसंदेह, यह तीसरा कार्यकाल 140 करोड़ देशवासियों की आकांक्षाओं और अमृतकाल के सभी संकल्पों को पूर्ण करने वाला सिद्ध होगा। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ ली। प्रधानमंत्री उत्तर प्रदेश के वाराणसी से ही अनवरत तीसरी बार सांसद चुने गए हैं।

सुनियोजित विकास के लिए गठित होगा शाहजहांपुर विकास प्राधिकरण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने पहले कार्यकाल में शाहजहांपुर जिले को नगर निगम का दर्जा देने के बाद अपने दूसरे कार्यकाल में अब एक और उपहार दिया है। मुख्यमंत्री ने इस जिले के सुनियोजित विकास के लिए शाहजहांपुर विकास प्राधिकरण के गठन का अहम निर्णय लिया है। सोमवार को आवास विभाग के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री ने इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि विकास प्राधिकरण के गठन करते समय यह ध्यान रखा जाए कि प्राधिकरण के अंतर्गत आ रहे गांवों में आबादी की भूमि को ग्रीन लैंड कतई न घोषित किया जाए। आम आदमी को किसी प्रकार की समस्या न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि हालिया वर्षों में शाहजहांपुर व आस-पास के क्षेत्र में इंफ्रास्ट्रक्चर विकास की अनेक परियोजनाओं से यहां एक ओर जहां औद्योगिक विकास तेज हुआ है, वहीं, आबादी में भी बढ़ोतरी देखी गई है। वर्तमान सरकार के पहले कार्यकाल में ही शाहजहांपुर को नगर निगम बनाया गया है। यहां पूर्व से ही विनियमित क्षेत्र है। हाल ही में यहां का मास्टर प्लान-2031 भी तैयार कराया गया है और अब आवश्यकता है कि शाहजहांपुर विकास प्राधिकरण का गठन किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में अनेक सरकारी भवन या तो उपयोग में नहीं है अथवा निर्माण कार्य अधूरा है। इन्हें चिन्हित कर पूरा करायें और सदुपयोग किया जाए, साथ ही कहा कि पीएम जनविकास कार्यक्रम के कार्यों में तेजी लाई जाए। होटल इंडस्ट्री के विकास पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के टूरिज्म पोटेंशियल को प्रोत्साहित करने के प्रयासों का ही परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश पर्यटकों की पहली पसंद बनकर उभरा है।

भगवान राम के मंदिर में भी घोटाला करने से नहीं चूकी भाजपा सरकारः अजय राय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा है कि शहीदों का ताबूत हो या फिर भगवान का मंदिर भाजपा के लिए यह सभी भ्रष्टाचार के मौके बन गए हैं। देश में आस्था एवं पवित्रता के प्रतीक भी उनके लिए लूट के अवसर मात्र हैं। पुजारी सत्येन्द्र दास क बयान से यह स्पष्ट हो गया है कि करोड़ों की लागत से बने राम मंदिर के गर्भ गृह में पहली बारिश से पानी का रिसाव हो रहा और जल निकासी की कोई उचित व्यवस्था नहीं है।

राय ने कहा कि यही नहीं अयोध्या के विकास का ढोल पीटने वाली भाजपा का मुखौटा राम मंदिर उद्घाटन से ठीक पहले 624 करोड़ की लागत से बने राम पथ में तमाम स्थानों पर सड़क ढहने से उतर गया है। यह स्पष्ट हो गया है कि चुनावी लाभ लेने के लिए ही जल्दबाजी में दोयम दर्जे का निर्माण कराकर भाजपा ने भ्रष्टाचार का अड्डा अयोध्या को बनाया है। अयोध्या प्रवासियों को भी उनका सही मुआवजा ना देकर भाजपा ने वहां की जनता के साथ सिर्फ अन्याय ही किया है। इसी अन्याय के कारण भारतीय जनता पार्टी को लोकसभा चुनाव 2024 में हार का मुंह देखना पड़ा और आने वाले विधानसभा उपचुनाव में भी इसका माकूल जवाब प्रदेश की जनता उन्हें देगी।

लोकसभा चुनाव में समर्थन के लिए कांग्रेस ने मुस्लिमों, दलितों व पिछड़ों का जताया आभार

● सवर्णों का 80 प्रतिशत वोट भाजपा में जाना चिंता का विषय नए सवर्ण नेताओं को विकसित करेगी कांग्रेसः शाहनवाज आलम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन शाहनवाज आलम ने लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन को मिले समर्थन के लिए जनता का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने उम्मीद जतायी की कभी भी मध्यावधि चुनाव हो सकते हैं जिसमें सफलता के आंकड़ों को और सुधारते हुए केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनायी जाएगी। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर सोमवार को प्रेस वार्ता में अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश प्रवक्ता एवं बाराबंकी लोकसभा के प्रभारी चौधरी सलमान क़ादिर ने कहा कि सी.एस.डी.एस. और लोकनीति के पोस्ट पोल सर्वे से यह स्पष्ट हो गया है कि इंडिया गठबंधन को मुसलमानों का एक मुश्त वोट मिला है। वहीं पिछड़ों, अति पिछड़ों और दलितों का भी बड़ा हिस्सा इंडिया गठबंधन के साथ था। इसके लिए चौधरी सलमान क़ादिर ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन शाहनवाज आलम की ओर से इन वर्गों का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सर्वे से यह भी उजागर हुआ कि सवर्ण वोटों का 80 प्रतिशत हिस्सा भारतीय जनता पार्टी के साथ गया है और सिर्फ़ 16 प्रतिशत सवर्ण वोट ही इंडिया गठबंधन को मिला। यह देश और इंडिया गठबंधन के लिए चिंता का विषय है। इसकी एक बड़ी वजह इस समाज में इंडिया गठबंधन के मुद्दों का न पहुंच पाना भी हो सकता है। कांग्रेस सवर्ण समाज में नए चेहरों को विकसित करने पर गंभीरता से विचार कर रही है। ताकि आगे से सवर्ण समाज का पूरा वोट इंडिया गठबंधन और कांग्रेस ले सके।

चौधरी सलमान क़ादिर ने बताया कि अल्पसंख्यक विभाग प्रदेश चेयरमैन शाहनवाज आलम जल्दी ही कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात कर मुस्लिमों दलितों और पिछड़ों को संगठन की मुख्य धारा से जोड़ने एवं इस समाज को उचित प्रतिनिधित्व देने की मांग रखेंगे।

सपा के सभी कार्यालयों पर मनाया गया वीरांगना दुर्गावती का बलिदान दिवस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर सोमवार को राजधानी लखनऊ में समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ सहित पार्टी के सभी जिला कार्यालयों पर महारानी दुर्गावती का बलिदान दिवस मनाया गया। महारानी साहस की प्रतिमूर्ति, स्वाभिमानी और स्वतंत्रता के लिए कुर्बान होने वाली वीरांगना थी। गोंड वीरांगना महारानी दुर्गावती गढ़ मण्डला की रानी थी। वर्तमान में जबलपुर उनके राज्य का केन्द्र था। 24जून 1565 ई0 को महारानी ने राज्य की संप्रभुता बचाए रखने, स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। वीरांगना महारानी दुर्गावती के चित्र पर सर्वप्रथम राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल और पूर्व सांसद अरविन्द कुमार सिंह, डॉ राजपाल कश्यप पूर्व एमएलसी ने माल्यार्पण कर नमन किया। रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर अनूप सण्डा पूर्व विधायक, रामवृक्ष सिंह यादव पूर्व एमएलसी, अनिसुर्रहमान प्रदेश महासचिव, राजेन्द्र लोधी, अरूणेश पाण्डेय पूर्व प्रभारी, मनोज कुमार पाल जिलाध्यक्ष समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, लता जायसवार राष्ट्रीय सचिव, विक्रम सिंह गंगवार, पायल सिंह प्रदेश अध्यक्ष समाजवादी किन्नर सभा, अक्षय सिंह, ब्रिजेश सिंह बैचलर, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष यूथ ब्रिगेड, डीआरएस यादव, सूरज लोधी, कयूम प्रचारक, विनीत कुशवाहा प्रदेश अध्यक्ष समाजवादी छात्र सभा उत्तर प्रदेश, राजा मानसिंह आदि ने पुष्पांजलि अर्पित की।

यूपी में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● पर्यटन विभाग ने शुरू किया क्रियान्वयन, टूरिस्ट गैप एनालिसिस को लेकर तैयार की जाएगी डीपीआर

उत्तर प्रदेश की उन्नति का मार्ग प्रशस्त कर रही योगी सरकार का प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने पर विशेष फोकस है। प्रदेश में पर्यटन विकास को बढ़ावा देने के लिए सीएम योगी के विजन अनुसार 12 मेगा टूरिज्म सर्किट्स का विकास जारी है, इसी क्रम में योगी सरकार द्वारा आध्यात्मिक सर्किट में छिपी अपार संभावनाओं को लक्षित करते हुए पर्यटन विकास की प्रक्रिया को गति प्रदान की गई है। सीएम योगी की मंशा अनुसार आध्यात्मिक सर्किट में पर्यटन विकास को लेकर एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई थी और इसी कार्ययोजना को क्रियान्वित करते हुए उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। कार्ययोजना के अनुसार, आध्यात्मिक सर्किट में पर्यटन विकास के लिए टूरिस्ट डेस्टिनेशंस के सर्वे व टूरिस्ट गैप एनालिसिस प्रक्रियाओं को पूर्ण कराया जाएगा। खास बात है कि इस प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए यूपी टूरिज्म पॉलिसी डॉक्यूमेंट 2022 के अनुसार 7 एस पर आधारित मानकों को मुख्यतः ध्यान में रखा जाएगा जिसमें सूचना, स्वागत, सुविधा, सुरक्षा, स्वच्छता, संरचना व सहयोग प्रमुख हैं।

उत्तर प्रदेश ने पिछले कुछ वर्षों पर्यटन के लिहाज से काफी तरक्की की है और आज वह देश के प्रमुख टूरिस्ट डेस्टिनेशंस में शुमार है। यही कारण है कि यहां बड़ी तादात में पूरी दुनिया से टूरिस्ट्स का आगमन हो रहा है। दूसरी ओर, काशी विश्वनाथ धाम को कॉरीडोर से सजाने और अयोध्या धाम के विकास कार्यों ने हाल के वर्षों में इन दोनों स्थानों को प्रदेश के टॉप टूरिस्ट डेस्टिनेशन के तौर पर स्थापित किया है। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2025 में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुम्भ का आयोजन भी होने जा रहा है जिसमें कम से कम 30 करोड़ लोग हिस्सा ले सकते हैं। ऐसे में, प्रदेश में टूरिस्ट गैप एनालिसिस के आंकलन के लिए एक डीटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार किया जाएगा। इसके जरिए प्रदेश के आध्यात्मिक सर्किट समेत विभिन्न सर्किट्स में पर्यटन विकास की प्रक्रिया को एक नई दिशा मिलेगी। इसके अलावा, यह रिपोर्ट ब्रांडिंग व मार्केटिंग आदि के लिहाज से भी महत्वपूर्ण होगी क्योंकि इसके जरिए ही आध्यात्मिक सर्किट के टूरिस्ट डेस्टिनेशंस की हैंडलिंग कैपेसिटी समेत विभिन्न मानकों का निर्धारण होगा और इन्हीं मानकों के आधार पर तय होगा कि किस स्ट्रैटेजी को अपनाकर किस टूरिस्ट डेस्टिनेशन का सबसे बेहतर विकास हो सकता है। कार्ययोजना के अनुसार, टूरिस्ट गैप एनालिसिस के लिए उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा चयनित एजेंसियों में से कार्यावंटन जिस एजेंसी को प्राप्त होगा वह यह सुनिश्चित करेगी कि सर्वे की मेथोडॉलिजी विभाग की जरूरतों के अनुसार विभाग के अधिकारियों के परामर्श के बाद तय की जाए। वैसे सर्वे रिपोर्ट में सैंपलिंग कितने लोगों के फीडबैक्स की होगी, सभी चयनित टूर्सिट डेस्टिनेशंस की फोटोग्राफी व वीडियो क्लिप्स की रिकॉर्डिंग भी कराई जाएगी जिसको डीपीआर में शुमार किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, जरूरत पड़ने पर ड्रोन सैंपलिंग और ड्रोन द्वारा भी फोटो-वीडियो कैप्चरिंग कवरेज कराई जाएगी। सभी चयनित टूरिस्ट स्पॉट्स व डेस्टिनेशन पर कार्ययोजना के अनुसार डीपीआर के अंतर्गत टूरिज्म स्टैटिस्टिक्स के संचयन, ग्रोथ ट्रेंड व कैपेसिटी का आंकलन, सिटिजन सेंट्रिक अप्रोच के साथ प्रत्येक स्थल को लेकर लोगों से फीडबैक जुटाए जाएंगे। इससे नेशनल इंटरनेशनल गुड प्रैक्टिसेस ग्लोबल एक्सपीरिएंसेस व फ्यूचरिस्टिक नेक्स्ट जेन टेक्नोलॉजी एप्लिकेशन के जरिए टूरिस्ट स्पॉट्स व डेस्टिनेशंस के उचित संचालन व उच्चीकरण की प्रक्रिया को पूर्ण किया जाएगा। इन सभी कार्यों को पूरा करने से इन स्थानों पर टूरिस्ट्स की भीड़ बढ़ने के साथ प्रदेश सरकार को प्राप्त होने वाले राजस्व में वृद्धि होगी, साथ ही इन क्षेत्रों पर दुनिया भर से विदेशी निवेश को बड़े स्तर पर आकर्षित करने में मदद मिलेगी, जिससे क्षेत्र के विकास के साथ स्थानीय लोगों को रोजगार और बेहतर सुविधाएं मिलने का मार्ग प्रशस्त हो सकेगा।

डीएम ने की जिला उद्योग बन्धु की बैठक

अधिकारी उद्यमियों की समस्याओं का शीघ्र करें निस्तारणः जिलाधिकारी

कानपुर देहात। डीएम आलोक सिंह की अध्यक्षता में जिला उद्योग बन्धु की बैठक मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट में संपन्न हुई। नबीपुर में अभी तक अंडरपास न बनाए जाने पर डीएम द्वारा एनएचएआई के पदाधिकारी पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की गई तथा शीघ्र अंडरपास का निर्माण किए जाने के निर्देश दिए गए। उद्यमियों द्वारा औद्योगिक इकाईयों के प्रवेश द्वार पर अतिक्रमण की शिकायत की गई, डीएम द्वारा पुलिस व प्रशासन की संयुक्त टीम बनाकर औद्योगिक क्षेत्र के अतिक्रमण को हटाये जाने के निर्देश दिये गये। डीएम के द्वारा औद्योगिक क्षेत्र जैनपुर में सीवेज ट्रीटमेन्ट प्लान्ट, औद्योगिक क्षेत्र में जलभराव, औद्योगिक क्षेत्र में रोड लाइट, मजदूरों हेतु हॉस्पिटल आदि के संबंध में संबंधित अधिकारियों को विस्तृत दिशा निर्देश दिये गये। डीएम ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र में होने वाले जल भराव की समस्या जल्द दूर कर ली जाएगी, टीम बनाकर सर्वे पूर्ण कर लिया गया है, शीघ्र ही नाले का निर्माण कार्य कराया जाएगा। डीएम ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि औद्योगिक क्षेत्र से सम्बन्धित सभी शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता पर किया जाये। जीएम डीवआईवसीव को निर्देशित किया कि उद्योग बन्धुओं की शिकायतों का तत्काल संज्ञान लेकर उनका निस्तारण कराया जाए। डीएम ने सभी उद्यमियों से कहा कि वह अपनी समस्याओंध् शिकायतों के निराकरण के लिए किसी भी समय आ सकते हैं जिससे कि समय से समस्याओं का निस्तारण किया जा सके। उद्यमियों द्वारा सर्विसलेन से विद्युत पोल हटाने की मांग की गई, जिस पर विद्युत विभाग के अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि सर्विसलेन से विद्युत पोलो के हटाए जाने की कार्यवाही प्रचलित है, अब तक लगभग 60 प्रतिशत कार्य पूर्ण भी कर लिया गया है। अधिशासी अधिकारी रनियां द्वारा अवगत कराया गया कि औद्योगिक क्षेत्र में हाईमास्क लाईट लगाने की कार्यवाही इसी सप्ताह पूर्ण कर ली जाएगी।

लंबित वादों का प्राथमिकता के आधार पर करायें शीघ्र निस्तारणः डीएम

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक सिंह की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति की उपस्थिति में अभियोजन कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार कलेक्ट्रेट में संपन्न हुई। बैठक में सर्वप्रथम दोषसिद्ध, दोषमुक्त वादों तथा टॉप टेन मामलों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित को दिए गए। डीएम ने कहा कि पॉक्सो एक्ट तथा गंभीर अपराध से जुड़े मामलों में संवेदनशील होकर कार्यवाही करायें। सभी जिला अभियोजन पदाधिकारीए सहायक अभियोजन पदाधिकारीए लोक अभियोजक और अपर लोक अभियोजक को स्पीड ट्रायल से संबंधित मामलों के निष्पादन में प्रगति लाने हेतु निर्देश दिए। स्पीडी ट्रायल से संबंधित मामलों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की साथ ही एक्साइज एक्टए पॉक्सो एक्ट, एनडीपीएस एक्टए एससी.एसटी एक्ट, हत्या, डकैती, बलात्कार, शस्त्र अधिनियम से संबंधित महत्वपूर्ण एवं गंभीर मामलों को चिह्नित करते हुए उसके निष्पादन के निर्देश दिये। डीएम ने संबंधित विभागों को लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित होने वाले वादों की पहचान कर अलग करने के भी निर्देश दिए। डीएम ने पुलिस भर्ती परीक्षा हेतु परीक्षा केंद्र चयन के संबंध में आवश्यक चर्चा कर जिनिनि को निर्देश दिए कि पुलिस भर्ती बोर्ड द्वारा दिए गए निर्देशों का अनुपालन करते हुए परीक्षा केंद्रों की सूची तत्काल शासनध् पुलिस भर्ती बोर्ड को भेजी जाय। उन्होंने कहा कि जो भी मानक पुलिस भर्ती बोर्ड द्वारा तय किए गए हैं, उनका अनुपालन करते हुए परीक्षा केंद्र का चयन किया जाए। इस मौके पर एडीएम प्रशासन अमित कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पांडेय तथा संबंधित अधिकारीगण, अभियोजन पदाधिकारी आदि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने की सड़क सुरक्षा समिति की बैठक, दिए निर्देश

सड़क सुरक्षा के नियमों का अधिकारी कराए पालनः डीएम

संवाददाता। कानपुर देहात

जिलाधिकारी आलोक सिंह की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट में संपन्न हुई। बैठक में लोक निर्माण विभाग द्वारा जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि एनवएचव पर अनधिकृत कट को बंद करने की कार्यवाही की जा रही हैए जिसके संबंध में जिलाधिकारी ने कराए जा रहे कार्यों की फेटोग्राफ लोकेशन सहित उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने एनवएचवएवआईव के पदाधिकारी द्वारा विभिन्न कार्यों को कराए जाने में बरती जा रही शिथिलता पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की गई तथा कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने ओवर स्पीडिंग रोकने हेतु स्वचालित चालान व्यवस्थाए रोड पर रंबल स्ट्रिप्स साइनेज बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग आपस में समन्वय कर ट्रैफिक नियमों का पालन करायए जो ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं उन पर प्रभावी कार्यवाही करें।

जिलाधिकारी ने ओवरलोड वाहनों का अभियान चला कर चालान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूल खुलने से पूर्व सभी स्कूल बसों का फिटनेस टेस्ट कराया जाए।

उन्होंने हाईवे पर छोटेए बड़े वाहनों हेतु लेन निर्धारित करनेए बिना नंबर प्लेट के चल रहे वाहनों का चालान करनेए सभी रोड जंक्शन पर रंबल स्ट्रिप लगाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा हाईवे पर पैदल पुल बनाने के निर्देश भी एनएचएआई के अधिकारियों को दिए गए। उन्होंने एनवएचवएवआईव के अधिकारियों के कार्यों पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि एनवएचवएवआईव अपने कार्यों में सुधार लाएं तथा दिए गए निर्देशों का पालन समय अंतर्गत कराए। इसके अतिरिक्त हाईवे पर झाड़ियों की कटाईए नालों की सफाईए हाईवेज के सौंदर्यीकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा विद्यालय स्तर पर गठित सड़क सुरक्षा क्लब के माध्यम से समय समय पर जागरूकता अभियान चलाया जाएए जिससे आमजन सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति सजगध् जागरूक हो सके। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमारए अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पांडेयए संबंधित अधिकारी गण आदि उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने हॉस्पिटल का किया शुभारम्भ

लखीमपुर.खीरी। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने ग्राम सरैंया ओयल स्थिति बीआरडी हॉस्पिटल का सोमवार को फीता काट कर शुभारम्भ किया। इस अवसर पर पूर्व राज्यसभा सदस्य एवं भाजपा प्रवक्ता जुगल किशोर तथा कस्ता भाजपा विधायक सौरभ सिंह सोनू उपस्थित रहे। डिप्टी सीएम ने सभा को संबोधित करते हुए स्पष्ट रूप से स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा भारतीय जनता पार्टी की सरकार में गरीबों का इलाज कराया जा रहा है। इलाज भी बी आर डी हॉस्पिटल में संभव हो सकेगा उप मुख्यमंत्री ने द्वारा जनहित में छात्रों की उच्च शिक्षा के लिए संचालित महाविद्यालय में गरीब बच्चों की भी शिक्षा संभव है। इस मौके पर कस्ता विधायक सौरभ सिंह सोनू ए जिला अध्यक्ष सुनील कुमार सिंहए जिला मंत्री बृजेश सिंहए पूर्व जिला अध्यक्ष शरद बाजपेई सहित आदि भाजपा के पदाद्यिकारी मौजूद रहे।

पांच विद्यालयों का प्रेरणा निरीक्षण ऐप के जरिए निरीक्षण करें सदस्य

तहसील स्तरीय एमडीएम टास्क फोर्स की बैठक आयोजित

संवाददाता। खागा (फ्तेहपुर)

सोमवार को उप जिलाधिकारी अतुल कुमार की अध्यक्षता में तहसील स्तरीय एमडीएम टास्क फोर्स बैठक का आयोजन तहसील सभागार में किया गया। बैठक में पहले खंड शिक्षा अधिकारी श्रवण कुमार पाल ने उपस्थित अधिकारियों का स्वागत करते हुए पीपीटी के माध्यम से बैठक के बिंदुओं पर संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण किया। उप जिलाधिकारी ने बैठक के बिंदुओं पर क्रमवार समीक्षा की। शासन के निर्देशानुसार सभी बीटीएफ सदस्यों को प्रतिमाह पांच विद्यालयों का निरीक्षण प्रेरणा निरीक्षण ऐप के माध्यम से किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही साथ ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत परिषदीय विद्यालयों को 19 पैरामीटर से संतृप्त किए जाने एवं नगर पंचायत के विद्यालयों को भी संतृप्त किए जाने के निर्देश दिए। खंड शिक्षा अधिकारी ने अवगत कराया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत विद्यालयों में भी कनेक्शन दिए जाने के निर्देश हैं किंतु विद्यालयों को कनेक्शन नहीं दिए जा रहे हैं।

एसडीएम ने संबंधित अधिकारियों से तत्काल वार्ता कर विद्यालयों में कनेक्शन प्रदान किए जाने के निर्देश दिए। निपुण भारत मिशन के अंतर्गत विद्यालयों को निपुण बनाए जाने की समीक्षा करते हुए उप जिलाधिकारी द्वारा सत्र 2024-25 में शत प्रतिशत विद्यालयों को निपुण बनाने हेतु निर्देशित किया गया। डीबीटी योजना के अंतर्गत कक्षा 1 से 8 तक के बच्चों को 1200 की धनराशि प्रदान करने हेतु छात्र-छात्राओं का आधार पंजीकरण एवं वेरीफिक्रेशन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु उप जिलाधिकारी ने छात्र-छात्राओं का आधार पंजीकरण एवं वेरिफिक्रेशन किये जाने के निर्देश प्रदान किए। ऐरायां विकास खंड के प्राथमिक विद्यालय फ्तेहपुर टेकारी प्रथम व सुल्तानपुर घोष प्रथम तथा धाता विकास खण्ड के प्राथमिक विद्यालय बछरौली में भूमि विवाद के संबंध में कार्यवाही किये जाने के निर्देश भी एसडीएम द्वारा प्रदान किये गए। बैठक में ऐरायां के खंड विकास अधिकारी अशोक सिंह, धाता के खंड शिक्षाधिकारी संजय कुमार हथगाम के खंड शिक्षा अधिकारी नरेंद्र सिंह, विजयीपुर के खंड शिक्षा अधिकारी रजनीश श्रीवास्तव, बाल विकास परियोजना अधिकारी आशीष पांडेय, खागा के सीएससी अधिक अधीक्षक मनीष कुमार शुक्ला, नगर पंचायत की अधिशाषी अधिकारी देवाहूति पांडेय अन्य विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

शराब पीने के बाद दोनो दोस्तों ने मिलकर दोस्त की गला घोट कर दी थी हत्या, गिरफ्तार

हमीरपुर। जलालपुर क्षेत्र के बीलपुर गांव में तीन दिन पहले हत्या कर फेकी गयी युवक की लाश का पुलिस ने सोमवार को खुलासा कर दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। शराब पीने के बाद दोनो अभियुक्तों ने दोस्त का गला घोटकर हत्या कर दी थी। अपर पुलिस अधीक्षक मायाराम वर्मा ने बताया कि 21 जून को बीलपुर गांव निवासी लखन (28) की लाश पुलिस ने गांव के किनारे बरामद की थी। दोनो हाथ रस्सी से बंधे हुये थे मुंह में कपडा ठुसा हुआ था। बीस जून की रात को गांव के संजय व राजेश ने मृतक लखन के साथ मिलकर शराब पी थी इसके बाद लखन ने दोनो साथियों को गाली गलौज करना शुरु कर दिया इसपर नाराज होकर संजय व राजेश ने दोस्त लखन का गमछा से गला घोट दिया और उसको गमछे को मुहं में ठूस दिया हाथ पैर रस्सी से बाध दिये थे, इसके बाद लाश को संतोष के खेत में फेक कर भाग निकले थे।

क्विक न्यूज

युवक की बिजली करंट से हुई मौत, बालक गंभीर घायल

फर्रुखाबाद। खेत में तारों में छोडे गये बिजली करंट से युवक व बालक घायल हो गया, उसे सीएचसी लाया गया जहां उसे मृत घोषित किया गया । जबकि बालक का उपचार किया गया। अमृतपुर थाना क्षेत्र के ग्राम गुडेरा निवासी उम्र 35 वर्ष अवनीश पुत्र शिशुपाल के गांव के निकट ही रणवीर पुत्र छत्रपाल ने अपने खेतों में किनारे लगे बिजली की सप्लाई छोड़ दी थी। जिससे उधर गये अवनीश व बालक अंश पुत्र योगेंद्र को भी जोरदार करंट लग गयास अवनीश को सीएचसी लाया गया जहाँ उसे मृत घोषित कर दिया गया ।मृतक की पत्नी पूनम देवी व मां वीरा देवी का रो-रो कर बुरा हाल हो गया । मृतक के चार बच्चे 6 वर्षीय आरती, 5 वर्षीय शिवा, तीन वर्षीय अन्वी व एक तीन माह का दूधमूँहा ह। थानाध्यक्ष मीनेश पचौरी ने बताया है कि अभी कोई सूचना नहीं है सूचना मिलते विधि कार्रवाई की जाएगी।

अभियुक्त को मादक पदार्थ रखने में सात माह की कैद

फर्रुखाबाद। मादक पदार्थ मिलने पर दर्ज किये गये मुकदमें की सुनवाई के दौरान न्यायालय नें अभियुक्त को सात माह कैद की सजा से दंडित किया है। इसके साथ ही 20 हजार रूपये अर्थदंड भी लगाया है। 25 जनवरी 2004 को आरोपी मनोज कुमार पुत्र सोने लाल निवासी काकन नगला कायमगंज को आवास विकास से अफीम की बोडी के डोडे लगभग दो किलो के साथ गिरफ्तार किया गया था। मामले में पुलिस नें आरोपी के खिलाफआरोप पत्र दाखिल की। आरोपी मनोज को दोषी पाते हुए उसे सात माह की कैद और 20 हजार रुपया जुर्माना की सजा से दण्डित किया है।

किशोरी ने फांसी लगाकर दी जान

फतेहपुर। कल्यानपुर थाना क्षेत्र के ग्राम गौसपुर में सोमवार की सुबह लकड़ी बिनने गई 17 वर्षीय किशोरी ने गांव के बाहर पेड़ से फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। गौसपुर गांव निवासी भिक्खू लोधी की पुत्री नेहा आज सुबह दस बजे घर से ये कहकर निकली कि वह लकड़ी बिनने जा रही है। काफी देर बीत जाने पर जब वापस नहीं आई तो परिजनों ने उसकी खोजबीन की। करीब आधा किलोमीटर दूर जंगल में नीम के पेड़ पर किशोरी का फांसी पर लटका शव दिखाई दिया जिसे देखते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को विच्छेदन गृह भेज दिया। मृतक के पिता ने बताया कि बचपन से ही नेहा मानसिक रोगी थी जिसका इलाज काफी करवाया गया लेकिन कोई लाभ न हुआ आज उसने घटना को अंजाम दे दिया।

युवक को धारदार हथियार मारकर किया जख्मी

फतेहपुर। शहर क्षेत्र के नवीन मार्केट के पीछे जयपुरिया स्कूल के पास रविवार की रात आपसी खुन्नस को लेकर 24 वर्षीय युवक को आधा दर्जन लोगों ने धारदार हथियार मारकर घायल कर दिया। जिसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। शहर क्षेत्र के इमलियाबाग मुहल्ला निवासी इसरार अहमद का पुत्र सुहैल उर्फमयूर अपने भाई मासूम के साथ नवीन मार्केट के पीछे जयपुरिया स्कूल के पास चाय पीने आया था। तभी खुन्नस को लेकर मुराइनटोला निवासी इल्ला, खुशी का भाई एवं अयान निवासी इमलियाबाग सहित अन्य तीन लोगों ने उसके साथ मारपीट करने के बाद चाकू से हमला कर दिया। जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया।

एचटी लाइन की चपेट में आकर वृद्ध की मौत

फतेहपुर। सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के ग्राम विक्रमपुर में सोमवार की सुबह एचटी लाइन की चपेट में आ जाने से 69 वर्षीय वृद्ध की घटनास्थल पर मौत हो गई। विक्रमपुर गांव निवासी स्व. मोतीलाल का पुत्र जवाहर लाल आज सुबह अपने घर की छत पर चढ़ रहा था तभी ऊपर से गई एचटी लाइन की चपेट में आ गया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को विच्छेदन गृह भेज दिया। घटना के बाबत जानकारी मृतक के साले अनिल कुमार ने दी।

गैरकानूनी कार्यों में लिप्त लोगों की सूचना पुलिस को दें: सीओ

गुरसहायगंज (कन्नौज)। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में नगर व क्षेत्र में शांति व कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने के लिये क्षेत्राधिकारी सदर नें दलबल के साथ नगर के प्रमुख मार्गों पर पैदल भ्रमण कर जहां एकओर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। गैरकानूनी कार्यों में लिप्त लोगों की सूचना देनें की अपील की है। सोमवार को उच्चाधिकारियों के निर्देश पर सदर क्षेत्राधिकारी कमलेश कुमार नें प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार द्विवेदी सहित भारी पुलिस बल के साथ नगर के जीटी रोड, तिर्वारोड, रेलवे रोड, चकोर रोड, फ्तेहगढ रोड पर पैदल भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। सडकों व शराब ठेकों के आसपास जमघट लगाये अराजक तत्वों में हडकम्प मच गया और इधर उधर खिसकते दिखाई दिये। सोशल मीडिया पर अफ्वाह फैलानें वाले लोगों पर कडी कार्रवाई की जायेगी। वहीं नागरिकों से अराजक तत्वों की सूचना देने की अपील भी की।

झोलाछाप चिकित्सक के उधार देने से मना करने पर दबंग ने चाकुओं से गोदा

फर्रुखाबाद। उधार न देनें पर दबंग नें झोलाछाप चिकित्सक को चाकुओं से गोदकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल को उपचार के लिए शहर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की तफ्तीश कर रही है। थाना अमृतपुर के ग्राम करनपुरदत्त निवासी 55 वर्षीय राजेन्द्र सिंह पुत्र सीता राम गाँव में ही झोलाछाप चिकित्सक हैं। उनके पुत्र शोभित नें बताया कि गांव के ही दबंग शिवा पुत्र ओमकार नें उसके पिता राजेन्द्र सिंह से 2 हजार रूपये मांगे। जब राजेन्द्र सिंह नें रूपये देनें से मना कर दिया तो आरोपी आक्रोशित हो गया। बीती रात उसके पिता राजेन्द्र सिंह बरामदे में सो रहे थे। वही आरोपी चाकू लेकर आया और उसने राजेन्द्र के सीने और कमर को चाकू से गोद दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गये। शोभित ने पिता राजेन्द्र सिंह को नाला मछरटटा स्थित डा. हरिदत्त द्विवेदी के अस्पताल में भर्ती कराया।

बंगलौर रेलवे स्टेशन में मिली युवक की लाश परिजनों ने शव को सड़क पर रख किया जाम

सुमेरपुर। कस्बे के दो युवकों के साथ बैंगलोर मजदूरी करने गए युवक का शव संदिग्ध हालत में बीते 19 जून को बंगलौर के एक रेलवे स्टेशन के समीप रेलवे ट्रैक के किनारे मिला, पोस्टमार्टम के बाद शव लेकर कस्बे में आए परिजनों ने धर्मेश्वर बाबा के समीप शव रखकर जाम लगा दिया। परिजन साथ लेकर जाने वाले दोनों युवकों पर हत्या करने का आरोप लगाकर मुकदमा दर्ज करने की मांग कर रहे थे। सुमेरपुर निवासी शिवचरन वर्मा ने बताया कि उसके भाई आनंद किशोर वर्मा (32) को मोहल्ले में रहने वाले राहुल तिवारी व शिवप्रकाश गुजरात में फैक्ट्री में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी दिलाने के नाम पर गत फरवरी माह में साथ लेकर गए थे। यहां पर राहुल तिवारी से गत 17 अप्रैल को विवाद हो गया। इससे आनंद किशोर व शिवप्रकाश गुजरात से अंबाला चले आए।बताया कि कुछ दिन बाद राहुल तिवारी ने हिसाब करने के बहाने इनको वापस बुला लिया। 19 जून को आनंद किशोर का शव बैंगलोर में कालीमाई स्टेशन के समीप निर्जन स्थान पर पाया गया। बेंगलुरू पहुंचे और पोस्टमार्टम के बाद शव लेकर सोमवार को कस्बे में आए। दोनों युवकों के ऊपर हत्या का आरोप लगाकर शव को बांदा मार्ग में करीब ढाई बजे रखकर जाम लगा दिया है।

डीजे, डीएम व एएसपी ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

बंदियों से समस्याओं की जानकारी ली, दुरूस्त पाई गईं व्यवस्थायें

जिला कारागार का निरीक्षण करते जिलाजज, डीएम व एएसपी।

गुरसहायगंज (कन्नौज)। सोमवार को जनपदीय अधिकारियों जनपद-न्यायाधीश चन्द्रोदय कुमार, सीजेएम मिजिन्द कुमार, डीएम शुभ्रांत कुमार शुक्ला व अपर पुलिस अधीक्षक डा. संसार सिंह द्वारा सम्पूर्ण कारागार का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कारागार के सभी अहातों की बैरकों में निरूद्व बंदियो से उनकी समस्याओं के सम्बन्ध में पूछतॉछ की गयी, बैरकों की तलाशी करायी गयी, तलाशी के दौरान कोई निषिद्व वस्तु नहीं पायी गयी।

जनपदीय अधिकारियों द्वारा बंदियों से उनकी समस्याओं के संबंध में, भोजन, पानी, रहने, दिन/रात्रि शौचालय, गर्मी के मौसम को देखते हुये पंखों की क्रियाशीलता/अक्रियाशीलता, मिट्टी के घड़े, वाटर कूलरों से ठण्डे पानी की आपूर्ति, मुलाकात तथा उपचार आदि से सम्बन्धित समस्याओं के सम्बन्ध में पूॅछतॉछ की गयी परन्तु किसी भी बंदी द्वारा कारागार से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की कोई समस्या नही बतायी गयी। कारागार में पर्याप्त सफाई पायी गयी। निरीक्षण के दौरान जेल की सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े उपकरणों की क्रियाशीलता को देखा गया। अक्रियाशील कैमरों को तत्काल ठीक कराये जाने तथा प्रत्येक समय मानीटरिंग करने के निर्देश दिये गये। अस्पताल में निरीक्षण के दौरान चिकित्साधिकारी को निर्देशित करतेहुये कहा कि बीमार बंदियों के उपचार में किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही न बरती जाये। कारागार में निरूद्व वृद्ध व अशक्त बंदियों पर विशेष निगरानी रखे तथा उनका नियमित रूप से परीक्षण कर समुचित उपचार करना सुनिश्चित करे। कारागार का कार्यालय भी व्यवस्थित पाया गया। प्रभारी अधीक्षक/कारापाल विजय कुमार शुक्ला, उपकारापाल उर्मिला सिंह, उपकारापाल आशादेवी पाण्डेय, उपकारापाल रामबहाल दुबे, चिकित्साधिकारी डा. इफ्राक हुसैन तथा प्रभारी मुख्य कार्यालय पंकज कुमार, जेल वार्डर कुलदीप कुमार के साथ सभी प्रशासनिक कर्मचारी उपस्थित थे।

खीरी पहुंची राहत आयुक्त दफ्तर से पीडी अदिति उमराव सदर, डूब क्षेत्र में बसे व्यक्तियों, परिवारों से की मुलाकात

डीएम की अध्यक्षता में हुई बैठक, पीडी ने स्टेकहोल्डर्स विभागों से किया विचार विमर्श

लखीमपुर खीरी। राहत आयुक्त उप्र कार्यालय से परियोजना निदेशक अदिति उमराव अपने निर्धारित भ्रमण कार्यक्रम के अनुसार सोमवार सुबह खीरी पहुंची, जहां उन्होंने जिले के डूब क्षेत्र में बसे व्यक्तियों, परिवारों के पुनर्वास के लिए अन्यत्र स्थायी, अस्थायी स्थल चिन्हित किये जाने के संबंध में कलेक्ट्रेट में डीएम महेंद्र बहादुर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में एडीएम संजय सिंह सहित सभी स्टेकहोल्डर्स संग विस्तृत विचार.विमर्श किया। एडीएम ने जिले में गत वर्षों में बाढ़ और कटान की स्थितियां और परिदृश्य को रेखांकित किया। पीडी अदिति उमराव के पूछने पर ईई शारदा नगर खंड शोभित कुशवाहा ने बताया कि दोनों बधों के बीच की दूरी 08 किमी है। आईआईटी रुड़की ने इस क्षेत्र का अध्ययन कर अपनी रिपोर्ट शासन को प्रस्तुत की है। एसडीएम सदर/ गोला/ निघासन से उनकी तहसील के सर्वाधिक व पहले प्रभावित होने वाले गांव के संबंध में विस्तृत चर्चा की। उनसे पुनर्वासन के लिए अबतक किए गए प्रयास और रणनीति जानी।

डिप्टी सीएमओ डॉ धनीराम, जिला अग्निशमन अधिकारी, ईई (पीडब्लूडी) अनिल कुमार यादव, ईई (बाढ़ खंड) अजय कुमार, ईई शारदाखंड शोभित कुमार कुशवाहा, एसडीएम (सदर) अश्विनी सिंह, एसडीएम.गोला विनोद गुप्ता, एसडीएम निघासन राजीव निगम, एसडीएम धौरहरा राजेश कुमार, बीएसए प्रवीण तिवारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। इसके बाद परियोजना निदेशक अदिति उमराव ने एडीएम (वित्त एवं राजस्व) संजय कुमार सिंह के साथ क्रमश तहसील सदर और गोला गोकर्णनाथ के स्थलीय निरीक्षण कर डूब क्षेत्र में बसे व्यक्तियों, परिवारों से मुलाकात की। मौके पर पूरी वस्तु स्थिति देखी। इस दौरान संबंधित तहसीलों के एसडीएम एवं अन्य राजस्व अधिकारी और स्टेकहोल्डर विभाग मौजूद रहे।

कई दिनों से लापता युवक का मिला हत्यायुक्त शव

फोटो कैमरा के लिए ले ली जान

फतेहपुर। शहर कोतवाली क्षेत्र के पटेल नगर इलाके से बीती 15 जून को अचानक लापता हुए एक युवक का शव उसके शराबी दोस्त के घर से आज पुलिस ने बरामद किया। घटना की जानकारी फैलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। घटना के पीछे फोटो कैमरा आरोपी को वापस न देने का विवाद सामने आया है। पुलिस अधीक्षक सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटना का बारीकी से निरीक्षण किया।

पटेल नगर के रहने वाले फैसल रजा (42) की मोहल्ला के ही रहने वाले सिंह फोटो स्टूडियो के संचालक अनन्त मोहन सिंह उर्फ राजा (42) की दोस्ती थी। दोनों ही अक्सर साथ में शराब पीते थे। राजा के स्टूडियो में मृतक फैसल रजा का पुत्र सलमान (18) काम करता था। आरोपी की मानें तो सलमान बीती दो मई को उसकी बाइक और कैमरा लेकर अपने किसी रिश्तेदार के यहां कार्यक्रम में शामिल होने गया था। वापस आकर सलमान ने कैमरा नहीं दिया, तभी से कैमरा को लेकर विवाद चला आ रहा था। एसपी ने बताया कि मृतक की 17 जून को स्थानीय कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज की गई। कोतवाली पुलिस गुमशुदा की लगातार तलाश कर रही थी। सोमवार को मुखबिर से सूचना मिली कि लापता युवक की हत्या कर उसके शव को एक घर के बगल की गैलरी में छुपाकर रखा गया है। उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। उसने पूरी घटना की जानकारी दी। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने उसके घर के बगल की गैलरी से मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

नाला सफाई में लापरवाही पर एसडीएम ने पालिका कर्मियों को जमकर फटकारा

नालो में सफाई न करने पर बरसात में लोगो के लिये बनेगे मुसीबत

नालो का निरीक्षण करते एसडीएम

मौदहा, हमीरपुर। नगर पालिका द्वारा नगर के नालों की सफाई अभियान में खाना पूरी की जा रही है जिसके चलते नाले गंदगी से बजबजा रहे हैं वहीं नालों के ऊपर स्लैब डालकर अतिक्रमण किए जाने से नालों की विधिवत सफाई नहीं हो पा रही है। एसडीएम ने सोमवार को निरीक्षण के दौरान नालों में व्याप्त गंदगी देख नपा के अधिकारियों समेत कर्मचारियों को जमकर फटकारा है। नपाप द्वारा नगर के नालों व नालियों का सफाई अभियान चलाया जा रहा है जिसमें नपा के दो दर्जन से अधिक कर्मचारी नालों की सफाई में लगे हुए हैं उसके बावजूद भी नगर के नाले गंदगी से बज बजा रहे हैं लोगों द्वारा नालों के ऊपर स्लैब डालकर अतिक्रमण किए जाने से उनकी सफाई विधिवत नहीं हो पा रही है नपा कर्मी सफाई के नाम पर केवल खाना पूरी कर रहे हैं। नपा के अधिसाशी अधिकारी सुशील कुमार दोहरे ने बताया कि वह नगर के नालों की निरंतर सफाई करवा रहे हैं। बरसात शुरू होने के पहले उन्होंने नगर के सभी नालों की सफाई करवाने का दावा किया है। बताते चलें कि नगर के गांधी विद्यालय मार्ग व नरहिया मार्ग में नालों की गहराई व चौड़ाई कम होने के चलते बरसाती पानी नहीं निकल पाता जिसके चलते यहां जल भराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है जिसके कारण दर्जनों लोगों के घरों में बरसात का पानी घुस जाता है जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। यह समस्या सालों से लोगों के लिए मुसीबत बनी हुई है। एसडीएम राजेश चंद्रा ने सोमवार को निरीक्षण के दौरान नगर के नालों व नालियों में व्याप्त गंदगी देखकर नपा के अधिकारियों व कर्मचारी को जमकर फटकार लगाते हुए नालों की विधिवत सफाई करने के आदेश किए हैं।

नड्डा ने खरगे को लिखा पत्र कांग्रेस की चुप्पी पर उठाए सवाल

भाषा। नई दिल्ली

तमिलनाडु जहरीली शराब कांड

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को पत्र लिखकर तमिलनाडु में हाल ही में हुए जहरीली शराब हादसे पर उनकी पार्टी की उदासीन चुप्पी पर सवाल उठाया। नड्डा ने खरगे को लिखे पत्र में कहा कि तमिलनाडु जहरीली शराब त्रासदी पूरी तरह से मानव जनित आपदा है और अगर सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन की सरकार और अवैध शराब माफियाओं के बीच सांठगांठ नहीं होती तो शायद 56 लोगों की जान बचाई जा सकती थी।इस हादसे के बाद करीब 160 लोग अस्पतालों में भर्ती हैं। नड्डा ने कहा कि तमिलनाडु में जहरीली शराब त्रासदी के बाद कल्लाकुरिची के करुणापुरम गांव में जलती चिताओं की भयावह तस्वीरों ने पूरे देश की अंतरात्मा को झकझोर दिया है।

उन्होंने कहा, खरगे जी, जैसा कि आप जानते हैं कि करुणापुरम में अनुसूचित जाति की आबादी काफी अधिक है, जो तमिलनाडु में गरीबी और भेदभाव के कारण कई चुनौतियों का सामना करते हैं। मैं हैरान हूं कि जब इतनी बड़ी आपदा आई है तो आपके नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने इस पर चुप्पी साध रखी है। उन्होंने कहा, कुछ मुद्दों पर हमें पार्टी लाइन से ऊपर उठने की आवश्यकता है और एससी, एसटी समुदाय का कल्याण और सुरक्षा भी एक ऐसा ही मुद्दा है।नड्डा ने खरगे से कहा कि वह तमिलनाडु की द्रमुक सरकार पर सीबीआई जांच कराने और राज्य के मद्य निषेध एवं आबकारी मंत्री एस मुथुसामी को उनके पद से तत्काल हटाने का अनुरोध करें। उन्होंने यह भी मांग की कि पीड़ितों के परिजनों को दी जाने वाली मुआवजे की राशि को उचित तरीके से बढ़ाया जाए ताकि इन परिवारों को पर्याप्त सहयोग मिल सके। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, खरगे जी आज समय है कि न्याय को लेकर कही गई बातों पर सही मायने में अमल किया जाए न कि इसे बस एक आकर्षक चुनावी नारे तक ही सीमित किया जाए। आज, तमिलनाडु के लोग और पूरा अनुसूचित जाति समुदाय कांग्रेस पार्टी और विशेष रूप से राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन के नेताओं के दोहरे मापदंड देख रहा है। उन्होंने हैरानी जताते हुए कहा कि अचानक संविधान और अनुसूचित जातिओबीसी समुदाय के कल्याण एवं अधिकारों को सुनिश्चित करने के बारे में राहुल गांधी के सभी पवित्र उपदेश बंद क्यों हो गए हैं?

उन्होंने कहा, खरगे जी, कार्वाई करने का समय आ गया है। खोखले शब्द, फर्जी बयानबाजी और खोखले वादों से द्रमुक-इंडिया गठबंधन सरकार अनुसूचित जाति के पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति न्याय नहीं कर पाएगी। भाजपा प्रमुख ने खरगे से राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा को पीड़ितों के परिवारों से मिलने या कम से कम इस मुद्दे पर आवाज उठाने का साहस जुटाने का आग्रह किया।उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि विपक्ष के इंडिया गठबंधन के विभिन्न घटकों में अवैध शराब कारोबार और शराब घोटालों की प्रवृत्ति है। नड्डा ने कहा, आपको अपने गठबंधन को ऐसे तत्वों से मुक्त करना चाहिए जो अवैध शराब के कारोबार या शराब घोटाले को संरक्षण देने में लिप्त हैं और जो महात्मा गांधी जी के मूल दर्शन के खिलाफ जाते हैं, जो शराब के सेवन के सख्त खिलाफ थे। नड्डा ने कहा कि मीडिया और खोजी रिपोर्ट में अब तक यह बात सामने आई है कि कैसे राज्य में अवैध शराब का कारोबार बेखौफ जारी है। उन्होंने कहा कि जाहिर तौर पर इसमें राज्य और पुलिस का संरक्षण होगा।

उन्होंने आरोप लगाया कि जब आपदा आई तो तत्काल जवाबदेही लेने और लोगों की जान बचाने के बजाय राज्य प्रशासन इसे छिपाने की कोशिश में व्यस्त था। उन्होंने कहा कि इसकी वजह से अधिक लोगों की जान गई।उन्होंने कहा, लेकिन सबसे ज्यादा निराशाजनक एम के स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रमुक-इंडिया गठबंधन सरकार की प्रतिक्रिया रही है, जिसने इस मामले को रफा-दफा करने का प्रयास किया। उनकी सरकार सीबीआई जांच का विरोध कर स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच में लगातार बाधा डाल रही है। उन्होंने कहा कि कार्वाई करने के बजाय, इंडिया गठबंधन के साथी कमल हासन ने अवैध शराब माफिया और द्रमुक-इंडी गठबंधन के पदाधिकारियों के भ्रष्ट गठजोड़ के बजाय पीड़ित परिवारों को त्रासदी के लिए दोषी ठहराकर उनके घावों पर नमक छिड़कने का काम किया।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा, हासन ने क्षेत्र में लोगों को मनोरोग परामर्श देने का भी संकेत दिया। राहत मुहैया कराने की बजाय अनुसूचित जाति (अनुसूचित जाति) के पीड़ितों को आपके सहयोगी शर्मिंदा कर रहे हैं। उन्होंने मांग की कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन जो राज्य के गृह मंत्री भी हैं, उन्हें पीड़ितों के परिवारों से मिलना चाहिए और भ्रष्ट अधिकारियों को संरक्षण देने और उनका बचाव करने की बजाय वह सख्त कार्वाई सुनिश्चित करें।

पुलिस ने नीट में गड़बड़ी का संबंध महाराष्ट्र से होने का पता लगाया, एक शिक्षक गिरफ्तार

भाषा। लातूर

महाराष्ट्र के लातूर से आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने जिला परिषद स्कूल के एक शिक्षक को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) मामले में गिरफ्तार किया है और चार व्यक्तियों के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि जांच में यह पता चला था कि नीट-यूजी परीक्षा में सफल होने के लिए पैसे देने को इच्छुक छात्रों की मदद करने के वास्ते एक गिरोह चलाया जा रहा था। नांदेड़ एटीएस इकाई ने जिन चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है उनमें लातूर के दो शिक्षक, नांदेड़ का एक व्यक्ति और दिल्ली का एक निवासी शामिल हैं। संजय तुकाराम जाधव और जलील खान उमर खान पठान (दोनों लातूर के शिक्षक), नांदेड़ के इरन्ना मशनाजी कोंगलवाव और दिल्ली निवासी गंगाधर के खिलाफ सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि पठान को रविवार देर रात गिरफ्तार किया गया, जबकि अन्य तीन आरोपी फरार हैं। लातूर जिले के पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है,"एटीएस अधिकारियों को सूचना मिली थी कि कुछ संदिग्ध व्यक्ति पैसे के बदले नीट अभ्यर्थियों को परीक्षा उत्तीर्ण कराने के लिए एक गिरोह चला रहे हैं। इसके बाद एटीएस ने शनिवार रात पूछताछ के लिए जाधव और पठान को लातूर से हिरासत में लिया। पुलिस के अनुसार, हिरासत में लिए गए एक व्यक्ति के मोबाइल फोन में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) 2024 परीक्षा से संबंधित संदिग्ध जानकारी मिली। पुलिस ने बताया,"गिरफ्तार आरोपी की पहचान जलील खान उमर खान पठान के रूप में हुई है, जबकि अन्य फरार हैं और उनकी तलाश की जा रही है"। पुलिस ने बताया कि जाधव और पठान लातूर जिले के एक जिला परिषद स्कूल के प्रधानाध्यापक हैं और एक निजी कोचिंग संस्थान चलाते हैं। एटीएस ने यह कार्वाई ऐसे समय की है, जब केंद्र ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा- नीट-यूजी में कथित गड़बड़ी की जांच सीबीआई को सौंप दी है। वहीं देशभर में छात्रों द्वारा मामले की जांच की मांग को लेकर प्रदर्शन किया जा रहा था। सीबीआई ने 5 मई को आयोजित परीक्षा में कथित गड़बड़ी के संबंध

ममता ने प्रधानमंत्री से नीट को खत्म करने और पुरानी व्यवस्था बहाल करने का आग्रह किया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर आग्रह किया कि प्रश्नपत्र लीक विवाद को देखते हुए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) को खत्म करने और राज्यों द्वारा परीक्षा आयोजित करने की पुरानी व्यवस्था बहाल करने पर विचार किया जाए। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में बनर्जी ने नीट-यूजी परीक्षा में कथित अनियमितताओं में संलिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्वाई की भी मांग की। दो पन्नों के पत्र में ममता बनर्जी ने कहा, मैं आपसे आग्रह करती हूं कि आप इस पर विचार करें और राज्य सरकारों द्वारा इस परीक्षा को आयोजित करने की पुरानी प्रणाली को बहाल करने तथा नीट को खत्म करने के लिए तत्काल कदम उठाएं। इस कदम से स्थिति को सामान्य करने में मदद मिलेगी और छात्रों में विश्वास भी बढ़ेगा। उन्होंने प्रश्नपत्र लीक के आरोपों, परीक्षा के संचालन में शामिल अधिकारियों और कुछ लोगों द्वारा रिश्वत लेने, कुछ छात्रों को परीक्षा के लिए आवेदन करने की सुविधा देने के वास्ते वेब पोर्टल को दोबारा खोलने, कृपांक आदि की ओर भी प्रधानमंत्री का ध्यान आकर्षित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ए गंभीर मुद्दे हैं जिनपर गौर करने और गहन तथा निष्पक्ष जांच की जरूरत है। इस बात पर जोर देते हुए कि इस तरह की घटनाएं लाखों छात्रों के करियर और आकांक्षाओं के लिए खतरा हैं, बनर्जी ने कहा कि ए घटनाक्रम न केवल देश में चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता को कमतर करते हैं, बल्कि देश में चिकित्सा सुविधाओंउपचार की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र के साथ-साथ राज्यों की अपनी प्रवेश परीक्षा आयोजित करने की पूर्ववर्ती व्यवस्था सुचारु रूप से और बिना किसी बाधा के काम कर रही थी।

दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में लगभग हर जगह नागरिक सुविधाओं की कमी का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को मंत्रियों, विधायकों और नौकरशाहों से सवाल किया कि क्या उन्हें (बनर्जी) अब राज्य की सड़कों पर झाड़ू लगाने के लिए उतरना होगा। मुख्य रूप से राज्य में विभिन्न नगर निकायों के प्रदर्शन की समीक्षा के लिए राज्य सचिवालय में आयोजित एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए नाराज बनर्जी ने एक मंत्री, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के एक पूर्व महापौर और कुछ नौकरशाहों को उनके औसत से कमतर प्रदर्शनै के लिए फटकार लगाई। बनर्जी ने बैठक में कहा,"क्या मुझे अब सड़कों पर झाड़ू लगाने के लिए बाहर जाना होगा? आप हमेशा आसमान की ओर देखते हुए नहीं चल सकतेअ आपको नीचे भी देखना होगा। कोई भी सड़कों और स्ट्रीट लाइट की स्थिति नहीं देखता। वे सिर्फ कर बढ़ा रहे हैं और लोगों की तैनाती कर रहे हैं और पुलिस और (नागरिक) प्रशासन, दोनों ही कुछ नहीं कर रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने यह भी कहा कि नगर निकाय अधिकारियों के प्रदर्शन की समीक्षा सतर्कता विभाग के अधिकारियों, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून और व्यवस्था), एक अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, सीआईडी के अधिकारियों और सुरक्षा निदेशक की एक टीम द्वारा की जाएगी। बनर्जी ने कहा, सरकार कुछ व्यक्तियों के कृत्यों के लिए बदनामी नहीं लेगी। मुझे जबरन वसूली करने वाले नहीं चाहिए। मुझे लोगों के सेवक चाहिए। अगर वे काम नहीं कर सकते, तो उन्हें हट जाना चाहिए। आने वाले दिनों में केवल लोगों के लिए काम करने वालों को ही टिकट (चुनाव लड़ने के लिए) मिलेगा। बनर्जी ने अग्निशमन और आपातकालीन सेवा मंत्री सुजीत बोस का नाम लिया और उन्हें कोलकाता के पास राजारहाट इलाके में अतिक्रमण के लिए जिम्मेदार ठहराया। मुख्यमंत्री के पास भूमि और भूमि राजस्व विभाग भी है। उन्होंने हावड़ा के पूर्व महापौर रथिन चक्रवर्ती का भी नाम लिया, जो टीएमसी से भाजपा में शामिल हो गए हैं, और उन पर कोलकाता के पड़ोसी शहर को बर्बाद करने का आरोप लगाया।

अदालत ने तीन नाबालिग लड़कों की पिटाई करने के आरोपी को दे दी जमानत

मुंबई। (भाषा) बम्बई उच्च न्यायालय ने चोरी के शक में तीन नाबालिग लड़कों की बेरहमी से पिटाई करने के आरोपी 33 वर्षीय एक व्यक्ति को जमानत दे दी। आरोपी ने लड़कों को पीटते वक्त उनके गुप्तांगों पर वार किया था। अदालत ने जमानत देते हुए कहा कि मामले में आरोपी की मंशा यौन संबंध बनाने की नहीं थी। न्यायमूर्ति अनिल किलोर की एकल पीठ ने 21 जून को पारित एक आदेश में कपिल टाक को जमानत दे दी।सोमवार को उपलब्ध हुए आदेश के मुताबिक, अदालत ने पाया कि यह मामला सिर्फ और सिर्फ शारीरिक और मानसिक यातना का है।टाक को वर्ष 2021 में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत मारपीट और आपराधिक धमकी के साथ-साथ यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। टाक और अन्य आरोपियों ने तीन नाबालिगों को कथित तौर पर निर्वस्त्र कर दिया और चमड़े की बेल्ट से उनकी पिटाई की। इतना ही नहीं आरोपी ने नाबालिग लड़कों का यौन उत्पीड़न भी किया। टाक पर घटना का वीडियो मोबाइल फोन में रिकॉर्ड करने का भी आरोप है।पीठ ने कहा, प्राथमिकी पढ़ने और प्राथमिकी में आरोपी के खिलाफ लगाए गए आरोपों को देखने के बाद, प्रथम दृष्टया ऐसा कुछ भी सामने नहीं आया, जिससे यह पता चले कि अपराधी का यौन संबंध बनाने का कोई इरादा था।

वाराणसी में बाबा भोलेनाथ के दर्शन के लिए पहुंची उद्योगपति नीता अंबानी

अदालत ने प्रज्वल रेवन्ना को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

बेंगलुरु। (भाषा) कर्नाटक की एक अदालत ने कई महिलाओं के साथ बलात्कार और यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को सोमवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। मामलों की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) की हिरासत अवधि सोमवार को समाप्त होने के बाद प्रज्वल को अदालत में पेश किया गया, जिसने उन्हें आठ जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इस बीच, रेवन्ना की जमानत अर्जी अतिरिक्त दिवानी एवं सत्र न्यायाधीश के समक्ष आई और अदालत ने 26 जून के लिए आदेश सुरक्षित रख लिया। जनता दल (सेक्युलर) के संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के 33 वर्षीय पोते प्रज्वल हालिया लोकसभा चुनाव में हासन संसदीय सीट पर अपना कब्जा बरकरार रखने में असफल रहे थे। एसआईटी ने 31 मई को जर्मनी से बेंगलुरु हवाई अड्डे पर उतरते ही प्रज्वल रेवन्ना को गिरफ्तार कर लिया था। हासन में हुए मतदान के एक दिन बाद 27 अप्रैल को प्रज्वल जर्मनी रवाना हो गए थे। उनके खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस भी जारी किया गया था। प्रज्वल रेवन्ना पर यौन उत्पीड़न के तीन मामले दर्ज हैं। उन पर बलात्कार का भी आरोप है।

पेज 1 का शेष

देश....

राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा स्नातक (एनईईटी-यूजी) सहित प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं पर विवाद चल रहा और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (यूजीसी-नेट) को लेकर हंगामा जारी है। मोदी और उनके मंत्रिपरिषद के सदस्यों, जिनमें राजनाथ सिंह और अमित शाह शामिल हैं, ने 18वीं लोकसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। सत्ता पक्ष के सदस्यों द्वारा लगाए गए 'जय श्री राम' के नारों के बीच मोदी ने हिंदी में शपथ ली। जब वह शपथ ले रहे थे तो विपक्षी सदस्य संविधान की प्रतियां लेकर खड़े हो गये। जब शाह शपथ लेने आए तो उन्होंने फिर से संविधान की प्रतियां पकड़ लीं लेकिन बैठे रहे। मंत्रिपरिषद में विदेश मंत्री एस जयशंकर और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण राज्यसभा के सदस्य हैं, जबकि राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन और रवनीत सिंह किसी भी सदन के सदस्य नहीं हैं। राजनाथ सिंह और शाह के अलावा सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भी 18वीं लोकसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। वरिष्ठ सदस्य राधा मोहन सिंह और फग्गन सिंह कुलस्ते (दोनों भाजपा से), जो नवनिर्वाचित सांसदों को शपथ दिलाने में प्रोटेम स्पीकर की सहायता करेंगे, ने नए सदन के सदस्य के रूप में शपथ ली। सोमवार और मंगलवार को जब सदस्य शपथ लेंगे तो वे प्रोटेम स्पीकर बी महताब को सदन चलाने में मदद करेंगे। कांग्रेस सदस्य के सुरेश (कांग्रेस), टीआर बालू (डीएमके) और सुदीप बंद्योपाध्याय (टीएमसी), जिन्हें शपथ लेने के लिए बुलाया गया था, क्योंकि उन्हें भी सिंह और कुलस्ते जैसे अध्यक्षों के पैनल के रूप में नियुक्त किया गया था, वे नहीं आए। कांग्रेस ने महताब की नियुक्ति पर आपत्ति जताई है और तर्क दिया है कि आठ बार के सदस्य दलित नेता सुरेश के दावे की अनदेखी की गई है। इंडिया ब्लॉक ने कहा है कि विपक्षी नेता सुरेश, बालू और बंदोपाध्याय विरोध स्वरूप अध्यक्षों के पैनल में शामिल नहीं होंगे। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, बिजली मंत्री मनोहर लाल खट्टर, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी और मत्स्य पालन और पशुपालन मंत्री राजीव रंजन (ललन) सिंह ने भी नई लोकसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली।

पहले दिन...

आ गई है, वे अल्पमत सरकार चला रहे हैं। वे '400 पार' कहते रहे, लेकिन साधारण बहुमत भी हासिल नहीं कर सके। टीएमसी नेता ने कहा, मैं पहले आपातकाल के दौरान पैदा नहीं हुआ थी, लेकिन वे (भाजपा) पिछले 10 वर्षों से अघोषित आपातकाल चला रहे थे और देश के लोगों ने कहा कि इसकी अनुमति नहीं दी जाएगी। वहीं, शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि मोदी सरकार को ध्यान देना चाहिए। लोकसभा में उनकी पार्टी के सहयोगी ने कहा कि इस समय देश जिस तरह के शिक्षा आपातकाल का सामना कर रहा है। अनी देसाई ने कहा कि आपातकाल का दौर काफी लंबा हो चुका है और सरकार को वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। प्रियंका ने पिछले पखवाड़े में केंद्र सरकार द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षाओं के रद्द होने की श्रृंखला का जिक्र किया। आरएसपी नेता एन के प्रेमचंद्रन ने भी कहा कि इस समय 1975 के आपातकाल के बारे में बात करना महत्वहीन है। उन्होंने कहा, यह 1975 में हुआ था, 50 साल बीत चुके हैं, यह पूरी तरह से अप्रासंगिक है। हम उन चीजों के बारे में बात कर रहे हैं जो वर्तमान में हो रही हैं। इस समय 1975 के आपातकाल के बारे में बात करना महत्वहीन है। आज़ाद समाज पार्टी (कांशीराम) के सांसद चन्द्रशेखर ने कहा अच्छा होता अगर वह जो कह रहे थे वह उनके काम में झलकता। इसी संसद में 140 से अधिक सांसदों को निलंबित किया गया और कानून पारित किए गए। उम्मीद है कि यह सरकार, जो उतनी लोकप्रिय नहीं है, लोगों की भावनाओं का सम्मान करेगी और कोई भी कानून थोपेगी नहीं।

केजरीवाल पर....

का फैसला किया और सुनवाई की अगली तारीख 26 जून तय की। प्रवर्तन निदेशालय की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि स्थगन आवेदन पर आदेश शीघ्र ही पारित किया जाएगा और इसलिए यह होगा। उचित होगा कि यह अदालत कार्यवाही को एक तारीख के लिए स्थगित कर दे ताकि उसे आदेश का अध्ययन करने का अवसर मिल सके। मामले के तथ्यों को देखते हुए, हम यह निर्देश देना उचित समझते हैं कि इस मामले को परसों पेश किया जाए...इस बीच, यदि उच्च न्यायालय द्वारा कोई आदेश पारित किया जाता है, तो उसकी प्रति रिकॉर्ड पर लाई जाएगी। हालाँकि, न्यायाधीश ने बताया कि स्थगन आवेदनों में आदेशों को सुरक्षित रखना 'असामान्य' है क्योंकि परंपरागत रूप से इन्हें अदालत द्वारा दलीलें सुनने के समाप्त होने के तुरंत बाद सुनाया जाता है। आम तौर पर, स्थगन आवेदनों में, आदेश सुरक्षित नहीं रखे जाते हैं। उन्हें मौके पर ही पारित कर दिया जाता है। यह थोड़ा असामान्य है। वैसे भी, हमारे पास यह परसों होगा। संक्षिप्त सुनवाई के दौरान, केजरीवाल की ओर से पेश अभिषेक मनु सिंघवी ने जमानत आदेश पर अंतरिम रोक हटाने की मांग करते हुए तर्क दिया कि यह अच्छी तरह से स्थापित मानदंड के विपरीत है कि दी गई जमानत उलटी या रद्द की गई जमानत से बहुत अलग है। 21 जून को उच्च न्यायालय में सामने आई घटनाओं का क्रम बताते हुए सिंघवी ने कहा, 20 जून को जमानत दिए जाने के बाद, ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने एक अवकाश पीठ के समक्ष इसका उल्लेख किया। उन्होंने कहा, यह महत्वपूर्ण है। 21 जून को, उल्लेख के चरण में ही, मेरी उपस्थिति में, न्यायाधीश ने आदेश पर रोक लगा दी और फिर न्यायाधीश उस दिन कुछ समय के लिए हमें सुनने के लिए आगे बढ़े। फिर आदेश सुरक्षित रख लिया। उन्होंने कहा, अगर फैसला पलट दिया जाता है, तो वह आदमी वापस जेल चला जाएगा जैसा कि उसने तब किया था जब वह सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के तहत तीन सप्ताह के लिए बाहर था। सुप्रीम कोर्ट ने उसे तीन सप्ताह के लिए बाहर रहने का निर्देश दिया था और वह तुरंत वापस चला गया। दूसरे, सिंघवी ने कहा, उनके भागने का जोखिम नहीं है। पीठ ने सिंघवी से कहा कि इस स्तर पर कोई भी आदेश सुनाना उस मुद्दे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने जैसा होगा जो उच्च न्यायालय के समक्ष है। पीठ ने सिंघवी से कहा, अगर हम इस स्तर पर कोई आदेश पारित करते हैं तो हम इस मुद्दे पर पहले ही निर्णय कर देंगे। यह कोई अन्य अदालत नहीं बल्कि उच्च न्यायालय है।

सियासी लाभ...

भारत ने ट्रूडो के आरोपों को बेतुका बताते हुए खारिज कर दिया था। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि यहां कई मौकों पर नियमित रूप से ऐसे कृत्य करने दिए जाते है जबकि सभी शांति प्रिय देशों एवं लोगों को इसकी निंदा करनी चाहिए। भारतीय उच्चायोग ने बयान में कहा, इस कायरतापूर्ण कृत्य को 39 साल पूरे हो गए हैं लेकिन आतंकवाद ने दुर्भाग्यपूर्ण रूप से आज अंतरराष्ट्रीय शांति व सुरक्षा के लिए खतरे का रूप धारण कर लिया है। बयान में कहा गया है, 1985 में एआई-182 में बम विस्फोट समेत आतंकवाद का महिमामंडन करने वाला कोई भी कृत्य निंदनीय है और सभी शांति प्रिय देशों तथा लोगों को इसकी निंदा करनी चाहिए। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कनाडा में कई मौकों पर आए दिन ऐसे कृत्य करने दिए जाते हैं। पिछले सप्ताह, खालिस्तानी चरमपंथी हरदीप सिंह निज्जर की याद में कनाडा की संसद द्वारा एक मिनट का मौन रखे जाने की भारत ने आलोचना की थी। निज्जर की गत वर्ष जून में ब्रिटिश कोलंबिया में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।भारत ने शुक्रवार को जोर देते हुए यह भी कहा था कि कनाडाई प्राधिकारियों को हिंसा की वकालत करने वालों और कनाडा में भारत विरोधी अभियान चलाने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

सीबीआई ने...

अधिकारियों ने बताया कि इन नए मामलों की जांच संभालने के बाद सीबीआई अब राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) में कथित गड़बड़ी से संबंधित कुल छह मामलों की जांच कर रही है। नीट-यूजी का आयोजन राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा देशभर के सरकारी और निजी संस्थानों में एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए किया जाता है। यह परीक्षा पांच मई को 571 शहरों में 4,750 केंद्रों पर आयोजित की गई थी, जिनमें 14 विदेशी शहर भी शामिल थे। परीक्षा में 23 लाख से अधिक अभ्यर्थी शामिल हुए थे। रविवार को सीबीआई ने पहली प्राथमिकी दर्ज की थी। इससे एक दिन पहले ही मंत्रालय ने घोषणा की थी कि वह परीक्षा के आयोजन में कथित गड़बड़ी की जांच केंद्रीय एजेंसी को सौंप देगा। यह मांग कई शहरों में छात्रों के एक वर्ग द्वारा विरोध प्रदर्शन के दौरान की गई थी। सीबीआई के प्रवक्ता ने पहले कहा था, शिक्षा मंत्रालय ने सीबीआई से (परीक्षा में) कथित गड़बड़ी के पूरे मामले की व्यापक जांच करने का अनुरोध किया है, जिसमें अभ्यर्थियों, संस्थानों और बिचौलियों द्वारा साजिश, धोखाधड़ी, अभ्यर्थियों के स्थान पर किसी अन्य के परीक्षा में बैठने, विश्वासघात और सबूतों को नष्ट करना शामिल है। अधिकारियों ने कहा है कि परीक्षा के संचालन से जुड़े सरकारी कर्मचारियों की भूमिका और साथ ही पूरा घटनाक्रम और वृहद साजिश भी जांच के दायरे में होगी।

हरियाणा सरकार...

जब आर्थिक पिछड़ा वर्ग के तहत राज्य सरकार ने पहले ही आरक्षण का लाभ दिया है तो यह आर्टिफिशियल श्रेणी क्यों बनाई जा रही है। चूंकि यह बोनस अंक की योजना किसी वर्ग विशेष के लिए नहीं थी, इसलिए 2023 में हुई ग्रुप सी और डी की भर्ती में 23 हजार युवाओं पर इसे लागू किया गया। इसका फायदा पाने वालों में एससी, ओबीसी के अलावा सामान्य श्रेणी के परिवार भी शामिल हैं। 23 हजार भर्ती में से कितने युवाओं को बोनस अंक का लाभ मिला, यह सरकार ने स्पष्ट आंकड़ा नहीं दिया। 2023 में भर्ती से वंचित रहे युवाओं ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करके इस फैसले को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट के फैसले के बाद हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की बात कही थी। पांच दिन पहले सरकार ने इस मामले को लेकर 4 अपीलें दायर की थीं। सरकार की ओर से पहली तारीख में दो और अपील दायर करने के लिए सुप्रीम कोर्ट से टाइम मांगा गया था, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने आज की तारीख तय की थी। जिसके बाद सोमवार को फैसला भी आ गया।

केंद्र ने गेहूं पर भंडारण सीमा लगाई

● **कीमतों पर नियंत्रण के लिए आयात शुल्क घटाने पर विचार**

नई दिल्ली(भाषा)। केंद्र ने सोमवार को थोक और खुदरा विक्रेताओं के साथ प्रसंस्करणकर्ताओं के लिए गेहूं भंडार रखने की सीमा को तय कर दिया। इस पहल का मकसद जमाखोरी को रोकना और कीमतों को काबू में रखना है। गेहूं पर स्टॉक सीमा 31 मार्च, 2025 तक वैध रहेगी। केंद्र ने गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध हटाने के किसी भी प्रस्ताव को भी खारिज कर दिया और कहा कि खुदरा कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए जरूरत पड़ने पर खाद्यान्न पर आयात शुल्क में कमी सहित अन्य नीतिगत विकल्पों पर विचार किया जा सकता है। वर्तमान में गेहूं पर 40 प्रतिशत आयात शुल्क है। निर्णय की घोषणा करते हुए केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा कि देश में गेहूं की पर्याप्त उपलब्धता है और बाजार में सट्टेबाजी और खाद्यान्न की जमाखोरी को रोकने के लिए यह निर्णय लिया गया है।

चोपड़ा ने कहा, मैं देश में गेहूं की कमी को दूर करना चाहता हूं...हम चाहते हैं कि गेहूं की कीमतें स्थिर रहें। पिछले हफ्ते केंद्र ने कीमतों पर लगाम लगाने के लिए तुअर और चना दालों पर स्टॉक सीमा लगा दी थी। चोपड़ा ने कहा कि स्टॉक सीमा सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के व्यापारियों/थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं, बड़ी श्रृंखला के खुदरा विक्रेताओं और प्रसंस्करणकर्ताओं पर लागू होगी। उन्हें हर शुक्रवार को एक पोर्टल पर गेहूं के स्टॉक की घोषणा करनी होगी।

यदि उनके पास मौजूद स्टॉक निर्धारित सीमा से अधिक है तो उन्हें इस अधिसूचना के जारी होने के 30 दिनों के भीतर इसे निर्धारित स्टॉक सीमा तक लाना होगा। एक सरकारी बयान के अनुसार लाइसेंस आवश्यकताएं हटाना, स्टॉक सीमाएं और निर्दिष्ट खाद्य पदार्थों पर आवाजाही प्रतिबंधों को हटाना (संशोधन) आदेश 24 जून 2024 से प्रभाव में आ गया है। यह सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 31 मार्च, 2025 तक लागू रहेगा। स्टॉक सीमा प्रत्येक इकाई पर व्यक्तिगत रूप से लागू होगी। जैसे व्यापारी/थोक व्यापारी- 3000 टन, बड़े खुदरा श्रृंखला विक्रेता- प्रत्येक बिक्रीकेन्द्र के लिए 10 टन तथा उनके सभी डिपो और प्रोसेसर के लिए 3000 टन है।

इस महीने की शुरुआत में, केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने अपने तीसरे अनुमान में फसल वर्ष 2023-24 (जुलाई-जून) के लिए गेहूं उत्पादन को संशोधित कर रिकॉर्ड 11 करोड़ 29.2 लाख टन कर दिया। फसल वर्ष 2022-23 में गेहूं का उत्पादन 11 करोड़ 5.5 लाख टन रहा। पिछले हफ्ते, खाद्य मंत्रालय ने कहा कि विपणन वर्ष 2024-25 (अप्रैल-मार्च) के 18 जून तक लगभग 266 लाख टन गेहूं की खरीद की गई थी, जबकि 2023-24 में 262 लाख टन की खरीद हुई थी। चोपड़ा ने यह भी बताया कि एक अप्रैल, 2023 को गेहूं का शुरुआती स्टॉक 82 लाख टन था, जबकि एक अप्रैल, 2024 को यह स्टॉक 75 लाख टन का था।

चोपड़ा ने समझाया कि इसलिए गेहूं की कमी (शुरुआती स्टॉक में) सिर्फ 3 लाख टन की ही है। खाद्य कानून और अन्य कल्याणकारी योजनाओं की आवश्यकता को पूरा करने के बाद, जो लगभग 184 लाख टन है, आवश्यकतानुसार बाजार में हस्तक्षेप करने के लिए गेहूं का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। चोपड़ा ने कहा कि हाल ही में मीडिया रिपोर्ट के मद्देनजर स्टॉक सीमा लगाई गई है जिसमें दावा किया गया कि गेहूं सहित आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि जमाखोरी को कम करने के लिए स्टॉक सीमा लगाई गई है। इसके लिए कई उपाए हैं और स्टॉक सीमा उनमें से एक है।

नड्डा ने स्टॉप डायरिया अभियान शुरू किया

नई दिल्ली(भाषा)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे. पी. नड्डा ने सोमवार को दो महीने के स्टॉप डायरिया अभियान का शुभारंभ किया, जिसका उद्देश्य बच्चों में दस्त के कारण होने वाली मृत्यु को शून्य करना है। मौजूदा डायरिया रणनीति में पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों को ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन (ओआरएस) की पहले से उपलब्धता और सीमित सूचना, शिक्षा और संचार के साथ दो सप्ताह का अभियान शामिल था। लेकिन नई रणनीति में पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों को को-पैकेजिंग के रूप में दो ओआरएस पैकेट और जिंक की उपलब्धता के साथ दो महीने का अभियान शामिल है। दो महीने तक चलने वाले स्टॉप डायरिया अभियान का लक्ष्य बच्चों में डायरिया के कारण होने वाली मृत्यु को शून्य करना है। मिशन इंद्रधनुष, रोटावायरस वैक्सीन और इस स्टॉप डायरिया अभियान के बीच एक अनूठा संबंध है क्योंकि ए सभी स्वास्थ्य मंत्री के रूप में मेरे पिछले कार्यकाल के दौरान शुरू की गई पहली पहलों में से थे।

केरल विधानसभा में राज्य का नाम बदलने के लिए सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित

तिरुवनंतपुरम(भाषा)। केरल विधानसभा ने सोमवार को सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार से राज्य का नाम केरल से बदलकर आधिकारिक तौर पर केरलम करने का आग्रह किया है। राज्य विधानसभा ने दूसरी बार यह प्रस्ताव पारित किया है, क्योंकि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पहले वाले प्रस्ताव की समीक्षा करने के बाद कुछ तकनीकी बदलावों का सुझाव दिया था। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने विधानसभा में यह प्रस्ताव पेश किया। विजयन चाहते हैं कि केंद्र सरकार देश के संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल सभी भाषाओं में दक्षिणी राज्य का नाम केरल से बदलकर केरलम कर दे। मुख्यमंत्री ने प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि राज्य को मलयालम में केरलम कहा जाता है और मलयालम भाषी समुदायों के लिए एकीकृत केरल बनाने की मांग राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम के समय से ही जोरदार तरीके से उठती रही है। विजयन ने कहा, लेकिन संविधान की पहली अनुसूची में हमारे राज्य का नाम केरल लिखा हुआ है। यह विधानसभा, केंद्र सरकार से अनुरोध करती है कि संविधान के अनुच्छेद-3 के तहत इसे केरलम के रूप में संशोधित करने के लिए तत्काल कदम उठाए तथा संविधान की आठवीं अनुसूची में उल्लिखित सभी भाषाओं में इसका नाम बदलकर केरलम किया जाए। यह दूसरी बार था जब राज्य विधानसभा ने राज्य के नाम में परिवर्तन की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया। विधानसभा सचिवालय के सूत्रों ने बताया कि सदन ने पिछले साल अगस्त में भी सर्वसम्मति से इसी तरह का प्रस्ताव पारित कर केंद्र को भेजा था, लेकिन केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इसमें कुछ तकनीकी बदलावों का सुझाव दिया था।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों ने नीट-पीजी परीक्षा प्रक्रिया की समीक्षा की

नई दिल्ली (भाषा)। स्नातकोत्तर चिकित्सा पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा स्थगित किए जाने के दो दिन बाद, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और आयुर्विज्ञान में राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीईएमएस) के शीर्ष अधिकारियों ने नीट-पीजी परीक्षा प्रक्रिया की समीक्षा की। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातकोत्तर (नीट-पीजी) एनबीईएमएस द्वारा अपने तकनीकी साझेदार टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के साथ मिलकर मेडिकल छात्रों के लिए आयोजित की जाती है। सरकार ने कुछ प्रतियोगी परीक्षाओं की शुचिता पर हाल में लगे आरोपों के मद्देनजर एहतियाती कदम उठाते हुए 23 जून को होने वाली नीट-पीजी प्रवेश परीक्षा शनिवार को स्थगित कर दी। यह पता चला है कि बैठक में टीसीएस के शीर्ष अधिकारियों ने परीक्षा की प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी दी।सूत्रों ने कहा, नीट-पीजी परीक्षा के प्रश्नपत्र अपलोड करने की प्रक्रिया, परीक्षा से एक घंटे पहले शुरू होती है।

दिसंबर 2024 तक राम मंदिर का निर्माण पूरा हो जाएगा : नृपेंद्र मिश्र

अयोध्या (भाषा)। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने सोमवार को कहा कि राम मंदिर की पहली मंजिल इस साल जुलाई तक पूरी हो जाएगी और उम्मीद जताई कि दिसंबर 2024 तक राम मंदिर का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। मिश्र ने कहा, मंदिर की निर्माणाधीन पहली मंजिल का काम जुलाई के अंत तक पूरा हो जाएगा। जुलाई के बाद, दूसरी मंजिल का निर्माण ही बचेगा। इसलिए, हमें उम्मीद है कि दिसंबर तक मंदिर का निर्माण पूरा हो जाएगा। मिश्र ने कहा कि राजस्थान के संगमरमर का उपयोग राम दरबार और सात मंदिरों को बनाने में किया जाएगा और इसके लिए चार मूर्तिकारों को चुना गया है। राम मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के माथे पर तिलक न लगाए जाने को लेकर मीडिया के एक वर्ग में हाल ही में उठे विवाद पर मिश्र ने कहा, "पहले जो श्रद्धालु आते थे, उन्हें तिलक नहीं लगाया जाता था। वे भगवान के दर्शन करके चले जाते थे। केवल कुछ खास लोग, जो दूसरे द्वार से आते थे, उन्हें तिलक लगाया जाता था। मिश्र ने कहा, इसलिए यह कहना पूरी तरह से भ्रामक है कि भगवान का तिलक और चरणामृत नहीं दिया जा रहा है। कोई नया प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। सभी के साथ समान व्यवहार किया जा रहा है, चाहे वह आम श्रद्धालु हो या खास।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कवच के उन्नत संस्करण की समीक्षा की

नई दिल्ली (भाषा)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली (एटीपी) कवच 4.0 के उन्नत संस्करण की प्रगति की यहां रेल भवन में समीक्षा की। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि कवच 3.2 संस्करण को स्वीकृति प्रदान किए गए उन मार्गों पर लगाया जा रहा है जिन पर रेलगाड़ियों की अधिक आवाजाही है। उन्होंने कहा कि नए मार्गों पर नवीनतम संस्करण का उन्नयन किया जाना और कवच को लगाने का काम एकसाथ होगा, जिससे कम समय में व्यापक रेलवे नेटवर्क को इसके दायरे में लाया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि वैष्णव ने 22 जून को कवच 4.0 की प्रगति की समीक्षा की। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, "कवच के तीन विनिर्माता जो संस्करण 4.0 के परीक्षण के उन्नत चरण में हैं, उन्होंने मंत्री को इसकी प्रगति रिपोर्ट पेश की। उन्होंने कहा कि इसकी समीक्षा करने के बाद मंत्री ने निर्देश दिया कि कवच के तैयार होते ही इसे मिशन मोड में योजनाबद्ध तरीके से लगाया जाए। रेल मंत्रालय का कहना है कि कवच का विकास रेलवे सुरक्षा में एक मील का पत्थर है। वैष्णव ने पहले भी मीडिया से बातचीत के दौरान कई मौकों पर कहा है कि 1980 के दशक में दुनिया की अधिकांश प्रमुख रेलवे प्रणालियों में एटीपी का उपयोग शुरू कर दिया गया, जबकि भारतीय रेलवे ने 2016 में ट्रेन टक्कर बचाव प्रणाली के पहले संस्करण की स्वीकृति के साथ इसकी शुरुआत की।

वर्ष 2019 में, कठोर परीक्षणों और जांच के बाद, इस सुरक्षा प्रणाली को दुनिया में सुरक्षा प्रमाणन का उच्चतम स्तर, एसआईएल4 प्रमाणन प्राप्त हुआ था। रेलवे के अनुसार, इसे 2020 में राष्ट्रीय एटीपी प्रणाली के रूप में अनुमोदित किया गया और कोविड-19 के प्रकोप के बावजूद परीक्षण और विकास जारी रहा। वर्ष 2021 में, प्रणाली के संस्करण 3.2 को प्रमाणित और अपनाया गया और 2022 की अंतिम तिमाही में, दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा मार्गों पर इसे लगाने का काम शुरू किया गया।

कुकी-जो समुदाय ने हिंसा प्रभावित मणिपुर में समाधान की मांग को लेकर रैलियां निकाली

चुराचांदपुर, इंफाल (भाषा)। मणिपुर के चुराचांदपुर, कांगपोकपी और तेंगनौपाल जिलों में कुकी-जो समुदाय के हजारों लोगों ने हिंसा प्रभावित राज्य में समाधान और उनके लिए अलग प्रशासन की मांग को लेकर सोमवार को रैलियां निकालीं। उन्होंने पड़ोसी देश म्यांमार के साथ मुक्त आवागमन व्यवस्था को रद्द किए जाने का भी विरोध किया। केंद्र सरकार ने फरवरी में उत्तर पूर्व में पड़ने वाली भारत-म्यांमार सीमा के 1600 किलोमीटर से अधिक हिस्से पर बाड़ लगाने का फैसला किया था और इसी के साथ मुक्त आवागमन व्यवस्था को समाप्त कर दिया था। पूर्वात्तर के चार राज्य- अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय और नगालैंड म्यांमार के साथ सीमा साझा करते हैं। रैली के बाद, कुकी-जो समुदाय के लिए राजनीतिक समाधान की मांग करते हुए एक ज्ञापन चुराचांदपुर के डिप्टी कमिश्नर धरुण कुमार के माध्यम से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सौंपा गया। स्वदेशी जनजातीय नेता मंच (आईटीएलएफ) द्वारा आयोजित इस मार्च में शामिल लोगों ने कोई राजनीतिक समाधान नहीं, तो कोई शांति नहीं जैसे नारे लगाए। उन्होंने चुराचांदपुर जिले में पब्लिक ग्राउंड से लगभग तीन किलोमीटर की दूरी पर स्थित शांति ग्राउंड तक मार्च निकाला। सैकोट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक पाओलीनलाल हाओकिप ने इस बात पर जोर दिया कि स्थाई शांति के लिए सरकार को मुद्दों के समाधान में सीधे तौर पर शामिल होना चाहिए। उन्होंने कहा, हमनें लगातार विभिन्न केंद्रीय चैनलों के माध्यम से शांति की अपील है, लेकिन इसका कोई समाधान नहीं हुआ। कांगपोकपी जिले में, आदिवासी एकता समिति ने थॉमस ग्राउंड में एक रैली का आयोजन किया, जहां जिले भर से आए प्रतिभागियों ने कुकी-जो लोगों के लिए राजनीतिक समाधानै की वकालत करते हुए बैनर प्रदर्शित किए।

क्विक न्यूज

भाजपा को अब कोई समर्थन नहीं : नवीन पटनायक ने बीजद के राज्यसभा सदस्यों से कहा

भुवनेश्वर (भाषा)। बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने सोमवार को अपनी पार्टी के नौ राज्यसभा सदस्यों के साथ बैठक की और उनसे 27 जून से शुरू होने वाले संसद के ऊपरी सदन के आगामी सत्र के दौरान एक जीवंत और मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाने का आह्वान किया। बैठक में पटनायक ने सांसदों से राज्य के हितों से संबंधित मुद्दों को उचित तरीके से उठाने को भी कहा। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए राज्यसभा में पार्टी के नेता सस्मित पात्रा ने कहा, इस बार बीजद सांसद केवल मुद्दों पर बोलने तक ही सीमित नहीं रहेंगे, अगर केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ओडिशा के हितों की अनदेखी करती है तो वे आंदोलन करने के लिए दृढ़ हैं। उन्होंने कहा कि ओडिशा को विशेष दर्जा देने की मांग उठाने के अलावा बीजद सांसद राज्य में खराब मोबाइल कनेक्टिविटी और बैंक शाखाओं की कम संख्या का मुद्दा भी उठाएंगे। पात्रा ने कहा, पिछले 10 सालों से ओडिशा की कोयला रॉयल्टी में संशोधन की मांग को केंद्र सरकार ने नजरअंदाज किया है। इससे राज्य के लोगों को भारी नुकसान हो रहा है और वे अपने हक के हिस्से से वंचित हैं। उन्होंने कहा कि राज्यसभा में नौ सांसद मजबूत विपक्ष के रूप में काम करेंगे। जब पात्रा से पूछा गया कि क्या बीजद भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को मुद्दा आधारित समर्थन देने के अपने पहले के रुख पर कायम रहेगी, तो उन्होंने कहा, अब भाजपा को कोई समर्थन नहीं, केवल विपक्ष की भूमिका निभाएंगे। हम ओडिशा के हितों की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। बाद में पात्रा ने पीटीआई-भाषा से कहा, भाजपा को समर्थन देने का कोई सवाल ही नहीं है। बीजद अध्यक्ष ने हमसे कहा कि अगर राजग सरकार ओडिशा की वास्तविक मांगों को नजरअंदाज करना जारी रखती है, तो हमें एक मजबूत और जीवंत विपक्ष के रूप में काम करना चाहिए।

जहरीली शराबकांड का राजनीतिकरण कर रहे हैं अन्नाद्रमुक और भाजपा : द्रमुक

चेन्नई(भाषा)। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने सोमवार को आरोप लगाया कि मुख्य विपक्षी दल अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राजनीतिक लाभ पाने के लिए कल्लाकुरिचि में जहरीली शराब पीने से हुई मौतों के मामला का राजनीतिकरण करने की कोशिश कर रही हैं। पार्टी ने कहा कि मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन कल्लाकुरिचि का दौरा करेंगे। द्रमुक संगठन सचिव आर.एस. भारती ने जहरीली शराब पीने से हुई मौतों के मुद्दे पर राज्य सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को सूचीबद्ध करते हुए कहा कि उनकी पार्टी मामले से जुड़े तथ्यों और सरकार की कड़ी कार्वाई के साथ लोगों के बीच जाएगी और अन्नाद्रमुक व भाजपा के दुष्प्रचार की निंदा करेगी। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि दोनों दलों को मामले पर सरकार के प्रयासों का समर्थन करना चाहिए। सेवानिवृत न्यायाधीश की अगुवाई वाले एक सदस्ईय आयोग गठित करने के सरकार के फैसले की ओर ध्यान दिलाते हुए भारती ने विश्वास जताया कि सच सबके सामने आएगा। उन्होंने कहा, हर दिन नई जानकारियां सामने आ रही हैं और ऐसी भी खबरें व जानकारियां आई हैं, जो ए संकेत देती हैं कि जहरीली शराब बेचने वाले लोग भाजपा और अन्नाद्रमुक से जुड़े हुए हैं। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि युवा कल्याण मंत्री उदयनिधि स्टालिन पहले ही कल्लाकुरिचि का दौर कर चुके हैं और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन भी जल्दी वहां जाएंगे।

कांग्रेस नेताओं ने मुंबई इकाई प्रमुख वर्षा गायकवाड को हटाने की मांग की

मुंबई (भाषा)। मुंबई में कांग्रेस के 16 वरिष्ठ नेताओं ने मांग की है कि शहर इकाई की प्रमुख वर्षा गायकवाड को हटाया जाए ताकि इस साल अक्टूबर में होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के मद्देनजर संगठन को मजबूत बनाया जा सके। सूत्रों ने सोमवार को बताया कि इन नेताओं को लगता है कि हाल में मुंबई उत्तर मध्य लोकसभा सीट से चुनाव जीतने वाली गायकवाड़ के पास संगठन के स्तर पर काम करने का वक्त नहीं होगा और उन्होंने उनके कामकाज की शैली पर भी आपत्ति जताई है। इन नेताओं ने 16 जून को लिखे पत्र में कांग्रेस नेतृत्व से विधानसभा चुनाव और मुंबई महानगरपालिका चुनाव के मद्देनजर शहर में पार्टी को पुनर्जीवित करने पर चर्चा के लिए वक्त मांगा। इस पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले नेताओं में राज्यसभा सदस्य और कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य चंद्रकांत हंडोरे, शहर के पूर्व पार्टी प्रमुख जनार्दन चंदुरकर और भाई जगताप, वरिष्ठ नेता नसीम खान, सुरेश शेट्टी, मधु चह्वाण, चरणसिंह सपरा, जाकिर अहमद और महाराष्ट्र कांग्रेस कोषाध्यक्ष अमरजीत मन्हास शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि इनमें से ज्यादातर नेता कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल तथा राहुल गांधी से मुलाकात करने के लिए दिल्ली पहुंच गए हैं। महाराष्ट्र के संबंध में एक बैठक मंगलवार को होनी है। एक सूत्र ने दावा किया, हाल में, यूजीसी-नेट परीक्षा संबंधी विवाद के संबंध में एक प्रदर्शन में गायकवाड ने पार्टी की शहर इकाई के कार्यालय में सभी नेताओं को नहीं बुलाया। इसलिए उन्हें उपनगरों में अलग प्रदर्शन करना पड़ा। मुंबई उत्तर लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी रहे भूषण पाटिल ने भी दावा किया कि उन्हें पार्टी की शहर इकाई से कोई मदद नहीं मिली।

मोरीगांव में सरकारी भूमि पर अवैध रूप से बसे 1,500 परिवारों ने क्षेत्र खाली करना शुरू किया

मोरीगांव (भाषा)। असम के मोरीगांव जिले में वन विभाग एवं रेलवे की जमीन पर अवैध रूप से बस गए करीब 1,500 परिवारों को भूमि खाली करने के लिए कहा गया था, जिन्होंने अतिक्रमित भूमि को खाली करना शुरू कर दिया है। जिलाधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। वन विभाग एवं रेलवे की जमीन पर अतिक्रमण करने वाले इन परिवारों को 12 जून को नोटिस देकर 10 दिन के भीतर भूमि खाली करने को कहा गया था। मोरीगांव जिले के जिलाधिकारी देवाशीष शर्मा ने संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि करीब 1,500 परिवार जागीरोड के सिलभंगा गांव में सरकारी जमीन पर बस गए थे, जिनमें लगभग 10,000 लोग हैं।

स्पैम कॉल पर लगाम लगाने के लिए ट्राई का दूरसंचार कंपनियों को निर्देश

नई दिल्ली(भाषा)। दूरसंचार नियामक ट्राई ने अनचाही कॉल पर अंकुश के लिए सोमवार को दूरसंचार कंपनियों से कहा कि वे अपने मोबाइल ऐप और वेब पोर्टल को स्पैम संबंधी शिकायतों के पंजीकरण और वरीयता एवं सहमति की सेटिंग के लिए उपयोगकर्ताओं के अधिक अनुकूल बनाएं। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने यह भी कहा कि सभी सेवा प्रदाताओं को पिछली तिमाही के बजाय मासिक आधार पर प्रदर्शन निगरानी रिपोर्ट पेश करनी होगी। विनियामक ने एक विज्ञप्ति में कहा, "अनचाहे वाणिज्यिक संचार (यूसीसी) यानी स्पैम को कम करने के अपने निरंतर प्रयास में ट्राई ने सेवा प्रदाताओं को अपने मोबाइल ऐप और वेब पोर्टल को बेहतर बनाना अनिवार्य कर दिया है, ताकि स्पैम कॉल संबंधी शिकायतों के पंजीकरण और वरीयता की सेटिंग के लिए उन्हें उपयोगकर्ताओं के अधिक अनुकूल बनाया जा सके। ट्राई ने सेवा प्रदाताओं को यह सुनिश्चित करने को कहा है कि स्पैम शिकायत के पंजीकरण और वरीयता प्रबंधन के विकल्प उनके मोबाइल ऐप और वेबसाइट पर आसानी से उपलब्ध हों। इसके अलावा यदि उपयोगकर्ता अपने कॉल ब्योरा और अन्य प्रासंगिक डेटा तक पहुंच की अनुमति देते हैं तो शिकायतों के पंजीकरण के लिए जरूरी ब्योरा स्वचालित रूप से दर्ज हो जाना चाहिए। विज्ञप्ति के मुताबिक, स्पैम कॉल के लिए निगरानी तंत्र को मजबूत करने के लिए ट्राई ने प्रदर्शन निगरानी रिपोर्ट (पीएमआर) के प्रारूपों में भी संशोधन लागू किए हैं। अधिक विस्तृत निगरानी के लिए अब सभी प्रदाताओं को मासिक आधार पर प्रदर्शन निगरानी रिपोर्ट देनी होगी जबकि अभी तक उन्हें पिछली तिमाही की रिपोर्ट देनी होती थी।

लोकसभा अध्यक्ष चुनाव को लेकर भाजपा ने सहयोगियों से आरंभ किया विचार-विमर्श

● **विपक्षी इंडी गठबंधन भी विकल्पों पर कर रहा विचार**

नई दिल्ली (भाषा)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवार को लेकर अपने सहयोगियों के साथ विचार-विमर्श शुरू कर दिया है, जबकि विपक्षी गठबंधन इंडिया अपने विकल्पों पर विचार कर रहा है और राजनीतिक संदेश देने के इरादे से चुनावी मुकाबले की स्थिति पैदा कर सकता है। राजग ने अपनी पसंद के बारे में कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिया है क्योंकि वह अपने विकल्पों पर विचार कर रहा है और विपक्ष को राजनीतिक हमला करने के किसी भी अवसर से वंचित करना चाहता है।

सत्तारूढ़ गठबंधन के घटक तेलुगु देशम पार्टी (देदेपा) के नेता और केंद्रीय मंत्री के राममोहन नायडू ने संवाददाताओं से कहा कि उनकी पार्टी के अध्यक्ष और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू सहित गठबंधन के नेता इस मामले पर निर्णय लेंगे। उनका कहना था कि उन्हें अभी किसी अंतिम निर्णय से अवगत नहीं कराया गया है। भाजपा के एक अन्य सहयोगी दल के एक नेता ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि भाजपा नेतृत्व ने उनसे विचार-विमर्श किया है। उन्होंने विवरण बताने से इनकार कर दिया।राजग नेताओं के एक वर्ग का विचार है कि पिछली लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला को फिर से नामित किया जा सकता है। हालांकि ऐसी संभावना पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। कई विपक्षी नेताओं ने कहा कि वे इस बात पर निर्णय लेंगे कि उनका गठबंधन अध्यक्ष पद के लिए अपने उम्मीदवार की घोषणा करेगा या नहीं और राजग के रुख के आधार पर चुनाव लड़ा जाएगा या नहीं। इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) की घटक रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी (आरएसपी) के सांसद एन.के. प्रेमचंद्रन ने पीटीआई-भाषा से कहा कि अगर सरकार उम्मीदवार पर आम सहमति बनाने का कोई प्रयास नहीं करती है तो विपक्ष लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ेगा। प्रेमचंद्रन ने कहा कि प्रथा यह है कि सरकार आम सहमति बनाने के लिए पार्टियों के साथ चर्चा करती है।

खुफिया ब्यूरो के प्रमुख तपन कुमार डेका को एक साल का सेवा विस्तार मिला

नई दिल्ली (भाषा)। खुफिया ब्यूरो (आईबी) के प्रमुख तपन कुमार डेका को जून 2025 तक एक साल का सोमवार को सेवा विस्तार दिया गया। कार्मिक मंत्रालय के एक आदेश में यह जानकारी दी गई। डेका हिमाचल प्रदेश कैडर के 1988 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी हैं। आदेश में कहा गया है कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने 30 जून 2024 से आगे एक वर्ष की अवधि के लिए खुफिया ब्यूरो के निदेशक के रूप में डेका की सेवा में विस्तार को मंजूरी दे दी है।

जबलपुर हवाई अड्डे का नाम रानी दुर्गावती के नाम पर रखा जाएगा : मोहन यादव

जबलपुर (भाषा)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि जबलपुर के हवाई अड्डे का नाम गोंडवाना की प्रसिद्ध रानी दुर्गावती के नाम पर रखा जाएगा। यादव ने रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में जबलपुर में आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा, जबलपुर हवाई अड्डे (जिसे वर्तमान में डुमना हवाई अड्डा कहा जाता है) का नाम रानी दुर्गावती के नाम पर रखने के लिए जल्द ही एक प्रस्ताव लाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जबलपुर के मदन महल क्षेत्र में एक फ्लाईओवर का नाम भी रानी दुर्गावती के नाम पर रखा जाएगा। यादव ने कहाकि रानी दुर्गावती के जीवन, उनकी वीरता और सुशासन को देश-दुनिया के सामने लाने के लिए संगोष्ठियां आयोजित की जाएंगी।

यूपीएससी परीक्षाओं में धांधली रोकने को एआई आधारित सीसीटीवी निगरानी का सहारा लेगी

नई दिल्ली (भाषा)। नीट एवं नेट परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं से जुड़े विवादों के बीच देश की प्रमुख भर्ती संस्था संघ लोकसेवा आयोग (यूपीएससी) ने अपनी विभिन्न परीक्षाओं में धोखाधड़ी और छद्म उम्मीदवारों को रोकने के लिए चेहरे की पहचान एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सीसीटीवी निगरानी प्रणाली का इस्तेमाल करने का निर्णय किया है। संघ लोक सेवा आयोग ने हाल में सार्वजनिक क्षेत्र के अनुभवी उपक्रमों से बोलियां आमंत्रित करने के लिए एक निविदा जारी की है, ताकि परीक्षा प्रक्रिया के दौरान उपयोग किए जाने वाले दो तकनीकी समाधान - आधार कार्ड आधारित फिंगरप्रिंट प्रमाणीकरण, अभ्यर्थियों की चेहरे की पहचान और ई-प्रवेश पत्रों की क्यूआर कोड स्कैनिंग तथा कृत्रिम बुद्धिमता-आधारित सीसीटीवी निगरानी सेवा - विकसित किए जा सकें। यूपीएससी एक संवैधानिक निकाय है, जो 14 प्रमुख परीक्षाएं आयोजित करता है, जिसमें भारतीय आईएएस, आईएफएस और आईपीएस के अधिकारियों का चयन करने के लिए प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा भी शामिल है। यूपीएससी इसके अलावा केंद्र सरकार के ग्रुप ए और ग्रुप बी पदों पर भर्ती के लिए हर साल कई भर्ती परीक्षाएं और साक्षात्कार भी आयोजित करता है। तीन जून के निविदा दस्तावेज में कहा गया, यूपीएससी अपनी परीक्षाओं को स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से आयोजित करने को बहुत महत्व देता है। इन उद्देश्यों को पूरा करने के मद्देनजर आयोग अभ्यर्थियों के बायोमेट्रिक विवरणों का मिलान करने तथा धोखाधड़ी, जालसाजी, अनुचित साधनों और अभ्यर्थी के स्थान पर परीक्षा देने जैसे कृत्यों से रोकने के लिए परीक्षा के दौरान उम्मीदवारों की विभिन्न गतिविधियों की निगरानी करने के लिए नवीनतम डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग करने का इरादा रखता है।

सरकार और अधिक सुधार लाने के लिए प्रतिबद्धः अमित शाह

नई दिल्ली (भाषा)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि जीएसटी से घरेलू वस्तुओं की कीमतों को कम करने में मदद मिली है। उन्होंने साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू करने की सराहना की। शाह ने कहा कि राजग सरकार नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए और अधिक सुधार लाने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के आंकड़ों के अनुसार जीएसटी लागू होने के बाद आटा, सौंदर्य प्रसाधन, टेलीविजन और रेफ्रिजरेटर सहित ज्यादातर घरेलू सामान सस्ते हुए हैं। शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, जनता की सरकार के सिद्धांतों पर खरा उतरते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने नागरिकों को राहत देने के लिए जीएसटी लागू किया। आज जीएसटी ने न केवल लोगों को बहुस्तरीय कर प्रणाली से राहत दी है, बल्कि घरेलू वस्तुओं की कीमतों को कम करने में भी कारगर साबित हुआ है।

केंद्र ने प्रश्नपत्र लीक रोधी कानून के तहत नियमों को जारी किया

भाषा। नई दिल्ली

केंद्र ने हाल में अधिसूचित प्रश्नपत्र लीक रोधी कानून के तहत नियम सोमवार को सार्वजनिक कर दिए। इसके तहत राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी (एनआरए) को कंप्यूटर आधारित परीक्षा के लिए नियम, मानक और दिशानिर्देश तैयार करने का दायित्व सौंपा गया है। सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 के लागू होने के कुछ दिनों के भीतर ही नियमों को अधिसूचित कर दिया गया। यह विभिन्न सार्वजनिक संस्थानों द्वारा आयोजित की जाने वाली भर्ती परीक्षाओं में धांधली रोकने के लिए अनुचित साधनों के इस्तेमाल के खिलाफ पहला राष्ट्रीय कानून है। सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) विधेयक, 2024 को नौ फरवरी को राज्यसभा ने और छह फरवरी को लोकसभा ने पारित किया था। ाष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 12 फरवरी को विधेयक को मंजूरी दे दी, जिससे यह कानून बन गया। इस कानून का उद्देश्य संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी), रेलवे, बैंकिंग भर्ती परीक्षाओं और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित सार्वजनिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों के इस्तेमाल को रोकना है। इसमें धोखाधड़ी पर रोक लगाने के लिए न्यूनतम तीन से पांच वर्ष के कारावास तथा धोखाधड़ी के संगठित अपराधों में शामिल लोगों को पांच से 10 वर्ष के कारावास तथा न्यूनतम एक करोड़ रुपए के जुर्माने का प्रावधान है। सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) नियम, 2024 को 23 जून को जारी और सोमवार को सार्वजनिक किया गया। इसमें सार्वजनिक परीक्षा प्राधिकार द्वारा अन्य सरकारी एजेंसियों की सेवाएं लेने , मानदंडों और दिशानिर्देशों की तैयारी और अनुचित साधनों या अपराधों की घटनाओं की रिपोर्टिंग के प्रावधान हैं। नियमों में कहा गया, राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी, केंद्र सरकार की ओर से हितधारकों के परामर्श से परीक्षा के कंप्यूटर आधारित माध्यम के लिए मानदंड और दिशानिर्देश तैयार करेगी, जिन्हें केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित किया जाएगा। इनमें सार्वजनिक परीक्षा केंद्रों के पंजीकरण के लिए मानक संचालन प्रक्रिया , कम्प्यूटर आधारित परीक्षा केंद्रों के भीतर स्थान की आवश्यकता , बैठक व्यवस्था, कम्प्यूटर नोड्स की विशिष्टताएं और लेआउट , सर्वर और नेटवर्क अवसंरचना के लिए विशिष्टताएं तथा कम्प्यूटर आधारित परीक्षा के संचालन के लिए इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म की विशिष्टताएं समेत अन्य शामिल होनी चाहिए। परीक्षा-पूर्व गतिविधियां, जैसे सार्वजनिक परीक्षा केंद्रों की परीक्षा तैयारी के लिए पूर्व-ऑडिट, अभ्यर्थियों की जांच, बायोमेट्रिक पंजीकरण, सुरक्षा और जांच, सीट आवंटन, प्रश्न-पत्र सेट करना और लोड करना, परीक्षा में निगरानी, परीक्षा के बाद की गतिविधियों से संबंधी दिशानिर्देश भी मसौदा मानदंडों का हिस्सा होंगे।

जयशंकर ने संयुक्त अरब अमीरात के साथ की बहुआयामी रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा

भाषा। दुबई

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त अरब अमीरात के अपने समकक्ष अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान के साथ दोनों देशों के बीच बहुआयामी व्यापक रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा की और सहयोग बढ़ाने के लिए ऐसे नए क्षेत्रों पर चर्चा की जिनमें अभी संभावनाओं को तलाशा नहीं गया है। रविवार को संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा पर आए जयशंकर ने क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर भी अल-नाहयान के साथ चर्चा की। उन्होंने अबू धाबी में प्रतिष्ठित बीएपीएस हिंदू मंदिर में दर्शन किए और अल नाहयान से मुलाकात से पहले 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में भाग लिया।

नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि दोनों विदेश मंत्रियों ने बहुआयामी भारत-संयुक्त अरब अमीरात व्यापक रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा की। उसने एक बयान में कहा कि दोनों नेताओं ने वाणिज्यिक व आर्थिक सहयोग, फिनटेक, शिक्षा, संस्कृति और लोगों के बीच परस्पर संपर्क समेत द्विपक्षीय सहयोग के विविध क्षेत्रों में हुई ठोस प्रगति पर खुशी जताई। मंत्रालय ने कहा कि दोनों मंत्रियों ने और सहयोग बढ़ाने के लिए ऐसे नए क्षेत्रों पर चर्चा की जिनमें अभी तक संभावनाएं तलाशी नहीं गई हैं और उन्होंने क्षेत्रीय व वैश्विक मुद्दों पर भी विचार साझा किए। जयशंकर ने संयुक्त अरब अमीरात के अपने समकक्ष से मुलाकात करने के बाद सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अबू धाबी में संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्री अब्दुल बिन जायद से मुलाकात करके बहुत खुशी हुई। उन्होंने कहा, हमारी निरंतर बढ़ती व्यापक रणनीतिक साझेदारी पर सकारात्मक और गहन बातचीत हुई। क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर उनके साथ (अल नाहयान के साथ) हुई चर्चा और उनके विचारों की सराहना करता हूं। जयशंकर ने अबू धाबी में बीएपीएस हिंदू मंदिर में दर्शन किए जिसका उद्घाटन इस साल 14 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था।उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में इस मंदिर को भारत-संयुक्त अरब अमीरात की मित्रता का प्रत्यक्ष प्रतीक बताया। इस मंदिर में चार महीने से भी कम वक्त में 10 लाख से अधिक श्रद्धालु आ चुके हैं। जयशंकर ने मंदिर में बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम संस्थान (बीएपीएस) के पदाधिकारियों से मुलाकात की। बीएपीएस ने यूएई द्वारा दान की गई भूमि पर मंदिर बनवाया है।इसके बाद उन्होंने अबू धाबी संग्रहालय परिसर, लूव्र में भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में भाग लिया। यह कार्यक्रम करीब 30 मिनट तक चला जिसमें कई देशों के लोगों ने भाग लिया। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि जयशंकर के पुन: विदेश मंत्री पद पर नियुक्त होने के दो सप्ताह के भीतर संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा यह दिखाती है कि भारत इस अरब देश के साथ संबंधों को कितना महत्व देता है। इसमें कहा गया है कि यह यात्रा दोनों देशों के बीच जारी उच्च स्तरीय संपर्क को दर्शाती है। इसमें कहा गया, पिछले साल, हमने अपने द्विपक्षीय संबधों में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां देखीं जैसे कि एक स्थानीय मुद्रा व्यापार समझौते का क्रियान्वयन, भारत के रुपे कार्ड के आधार पर संयुक्त अरब अमीरात का घरेलू क्रेडिटडेबिट कार्ड शुरू होना, अबू धाबी में आईआईटी दिल्ली के एक परिसर की स्थापना, फिनटेक सहयोग और आईएमईईसी पर काम शुरू होना। जयशंकर की अबू धाबी की एक दिवसीय यात्रा के मद्देनजर नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने कहा था कि उनकी यात्रा क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रम के साथ ही भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी के समग्र परिदृश्य की समीक्षा करने का अवसर उपलब्ध कराएगी।

गाजा में युद्ध खत्म करने को लेकर समझौते पर सहमत नहीं होंगे: नेतन्याहू

तेल अवीव (एपी)। गाजा में आठ महीने से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका समर्थित प्रस्ताव की व्यवहारिकता पर सोमवार को उस समय संदेह के बादल छा गए जब इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि वे केवल आंशिक युद्धविराम के समझौते पर सहमत होने के लिए तैयार होंगे, जिससे युद्ध समाप्त नहीं होगा। नेतन्याहू की इस टिप्पणी से हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों के परिवारों में आक्रोश फैल गया। रविवार देर रात इजराइली चैनल 14 पर प्रसारित एक साक्षात्कार में नेतन्याहू ने गाजा पट्टी में अब भी बंधक बनाए गए लगभग 120 लोगों का जिक्र करते हुए कहा कि वह "आंशिक समझौता करने के लिए तैयार हैं और यह कोई रहस्य नहीं है जिससे हमें कुछ लोग वापस मिल जाएंगे"। उन्होंने कहा, "लेकिन हम हमास को खत्म करने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए एक विराम के बाद युद्ध जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मैं इसे छोड़ने को तैयार नहीं हूं" नेतन्याहू की यह टिप्पणी ऐसे संवेदनशील समय में आई है जब इजराइल और हमास नवीनतम युद्ध विराम प्रस्ताव को लेकर और भी दूर होते दिख रहे हैं और यह युद्ध को समाप्त करने की कोशिश कर रहे मध्यस्थों के लिए एक और झटका हो सकता है। उनका कहना है कि इजराइल अब भी हमास की सैन्य और शासन क्षमताओं को नष्ट करने के लिए प्रतिबद्ध है और यह सुनिश्चित करेगा कि वह फिर कभी सात अक्टूबर जैसा हमला न कर सके। साक्षात्कार में नेतन्याहू ने कहा कि लड़ाई का वर्तमान चरण समाप्त हो रहा है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि युद्ध समाप्त हो गया है।

रफह में अभियान खत्म होने के करीब है अब हिजबुल्ला से मुकबला करने को तैयार

यरुशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को कहा कि गाजा के दक्षिणी शहर रफह में हमास के खिलाफ अभियान पूरा होने के करीब है जिसके बाद उन्हें लेबनान के आतंकवादी समूह हिजबुल्ला का मुकाबला करने के लिए और सैनिकों को अपनी उत्तरी सीमा की ओर भेजने का मौका मिलेगा। इन टिप्पणियों से इजराइल और हिजबुल्ला के बीच तनाव और बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है। नेतन्याहू ने यह भी संकेत दिया कि गाजा में जारी भीषण लड़ाई का कोई अंत नहीं दिख रहा है। इजराइली नेता ने टेलीविजन पर दिए एक लंबे साक्षात्कार में कहा कि सेना गाजा के दक्षिण शहर रफह में अपने मौजूदा जमीनी अभियान को पूरा करने के करीब है जिसका यह मतलब नहीं है कि हमास के खिलाफ युद्ध खत्म हो गया है। लेकिन उन्होंने कहा कि गाजा में कम सैनिकों की जरूरत होगी जिससे उन्हें हिजबुल्ला के खिलाफ लड़ने का मौका मिलेगा। उन्होंने इजराइल के चैनल 14 से कहा, हमारे पास कुछ सैनिकों को उत्तरी सीमा पर भेजने की गुंजाइश होगी और हम ऐसा करेंगे। ईरान समर्थित हिजबुल्ला ने हमास के सात अक्टूबर को किए हमले के बाद से ही इजराइल पर हमला करना शुरू कर दिया था। तब से इजराइल और हिजबुल्ला के बीच लगभग हर रोज गोलीबारी होती है, लेकिन हाल के सप्ताहों में लड़ाई बढ़ गई है जिससे एक और युद्ध शुरू होने का खतरा पैदा हो गया है। व्हाइट हाउस के दूत एमोस होचस्टीन ने तनाव कम करने के लिए पिछले सप्ताह इजराइल और लेबनान के अधिकारियों से मुलाकात की थी, इसके बावजूद लड़ाई जारी है। नेतन्याहू ने कहा कि उन्हें संकट का कूटनीतिक समाधान तलाशने की उम्मीद है, लेकिन साथ ही संकल्प लिया कि जरूरत पड़ने पर समस्या को अलग तरीके से हल किया जा सकता है। उन्होंने कहा, हम कई मोर्चों पर लड़ सकते हैं और हम इसके लिए तैयार हैं।

ब्रिटिश नागरिक अपनी मां से मिलने कार चला कर लंदन से पुणे पहुंचा

ठाणे। भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिक विराज मुंगाले ने अपनी मां से मिलने के लिए लंदन से ठाणे तक अपनी एसयूवी कार से एक असाधारण यात्रा पूरी की। विराज ने बताया कि यह सफर पूरा करने के लिए उन्होंने 59 दिनों में 16 देशों की यात्रा की। विराज के अनुसार, उन्होंने 18,300 किलोमीटर की दूरी तय की। उन्होंने बताया कि वह ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, बेल्जियम, पोलैंड, लिथुआनिया, लताविया, एस्टोनिया, रूस, उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान, चीन, तिब्बत, नेपाल और फिर भारत पहुंचे। इस सफर में उनके साथ नेपाली दोस्त रोशन श्रेष्ठ भी थे, जो नेपाल के काठमांडू तक गए। सत्रह जून को ठाणे पहुंचे विराज ने सप्ताहांत में संवाददाताओं से कहा, मैं प्रतिदिन लगभग 400-600 किलोमीटर कार चलाता था। कभी-कभी 1,000 किमी तक भी कार चलाई, लेकिन हमेशा रात में वाहन चलाने से बचते हुए सुरक्षा को प्राथमिकता दी।

अमेरिका में लूटपाट के दौरान भारतीय नागरिक को गोली मारी गई, इलाज के दौरान दम तोड़ा

ह्यूस्टन (भाषा) अमेरिका के टेक्सास राज्य में एक दुकान में लूटपाट के दौरान 32 वर्षीय एक भारतीय नागरिक को गोली मार दी गई। उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। डलास के प्लीजेंट ग्रोव में 21 जून को एक गैस स्टेशन सुविधा स्टोर में लूटपाट की घटना के दौरान दासारी गोपीकृष्ण गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे पास के एक अस्पताल में ले जाया गया, जहां शनिवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान दासारी गोपीकृष्ण के रूप में की गई है और वह आंध्र प्रदेश के बापटला जिले का रहने वाला था। वह आठ महीने पहले ही अमेरिका आया था।रविवार को योग दिवस कार्यक्रम के लिए डलास में मौजूद भारत के महावाणिज्य दूत डी. सी. मंजूनाथ ने पीटीआई भाषा को बताया कि यह घटना अरकांसस में हुई गोलीबारी से संबंधित नहीं है, जैसा कि विभिन्न स्रोतों द्वारा पहले बताया गया था।

गोपीकृष्ण के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए मंजूनाथ ने कहा, "हम टेक्सास स्थित डलास के प्लीजेंट ग्रोव में लूटपाट के दौरान गोलीबारी की घटना में भारतीय नागरिक दासारी गोपीकृष्ण की मौत के बारे में जानकर बहुत दुखी हैं और उनके परिवार के सदस्यों के संपर्क में हैं। भारतीय संगठनों के सहयोग से वाणिज्य दूतावास पोस्टमार्टम और मृत्यु प्रमाण पत्र सहित स्थानीय औपचारिकताओं के बाद गोपीकृष्ण के शव को भारत वापस भेजने के लिए हरसंभव सहायता प्रदान कर रहा है। गोपीकृष्ण के परिवार में उनकी पत्नी और बेटा हैं। इस घटना से डलास और आस-पास के इलाकों में रहने वाला भारतीय समुदाय शोकाकुल है।आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने रविवार को गोपीकृष्ण का शव भारत वापस लाने में मदद करने का वादा किया। मुख्यमंत्री ने मृतक परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने उसके परिजनों को राज्य सरकार की ओर से हर संभव मदद देने का वादा किया। नायडू ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यह जानकर बहुत दुख हुआ कि बापटला के एक युवक (दासारी गोपीकृष्ण) ने अमेरिका के टेक्सास में गोलीबारी की घटना में घायल होने के कारण दम तोड़ दिया। मैं उनके परिजन के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं और उन्हें आश्वासन देता हूं... उनके शव को घर लाने में हरसंभव मदद करूंगा। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया, जिसमें एक नकाबपोश भारतीय युवक को कई गोली मारता दिखाई दे रहा है। वह खुदरा दुकान से कुछ सामान और नकदी लूटता हुआ भी दिखाई दे रहा है, जहां मृतक काम करता था।

चीनी हैकर्स ने ताइवानी संगठनों पर हमले बढ़ाए : हांगकांग। संदिग्ध तौर पर चीन द्वारा प्रायोजित एक हैकिंग समूह ने ताइवानी संगठनों विशेष रूप से सरकार, शिक्षा, प्रौद्योगिकी और कूटनीति जैसे क्षेत्रों में काम करने वाले संगठनों पर साइबर हमले तेज कर दिए हैं। साइबर सुरक्षा खुफिया कंपनी रिकॉर्डेड फ्यूचर ने यह दावा किया है। हाल के वर्षों में चीन और ताइवान के बीच संबंध खराब हो गए हैं। बीजिंग यह दावा करता है कि ताइवान (स्व-शासित द्वीप) उसका क्षेत्र है।रेडजुलिएट नामक समूह द्वारा जनवरी में ताइवान के राष्ट्रपति चुनावों और उसके बाद प्रशासन में बदलाव के दौरान नवंबर 2023 और अप्रैल 2024 के बीच साइबर हमले किए गए।सुरक्षा चिंताओं के चलते नाम न बताने की शर्त पर रिकॉर्डेड फ्यूचर के एक विश्लेषक ने बताया कि रेडजुलिएट ने पहले भी ताइवान के संगठनों को निशाना बनाया है, लेकिन इस तरह की गतिविधि इतने बड़े पैमाने पर पहली बार देखी गई है।

श्रीलंका के मंत्री ने लिट्टे को प्रतिबंधित सूची में बनाए रखने के ब्रिटेन के फैसले की सराहना की

कोलंबो। श्रीलंका के विदेश मंत्री अली साबरी ने लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) को प्रतिबंधित सूची में बनाए रखने के ब्रिटेन सरकार के फैसले की सराहना करते हुए कहा कि यह कदम इस द्वीपीय देश में पूर्व सशस्त्र समूह की खुद को फिर से खड़ा करने की हर साजिश को विफल कर देगा। सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में साबरी ने कहा कि लिट्टे के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का दृष्टिकोण और रणनीति विदेशी सरकारों से इस प्रतिबंध को रद्द करवाना है ताकि वे समूह को एक बार फिर से खड़ा कर सकें। साबरी ने अपने पोस्ट में कहा कि श्रीलंका के लिट्टे को प्रतिबंधित सूची में बनाए रखने के ब्रिटिश अधिकारियों के फैसले ने इस समूह की श्रीलंका में खुद को फिर से खड़ा करने की योजना को विफल कर दिया है। उन्होंने कहा, "लिट्टे के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का दृष्टिकोण और रणनीति विदेशी सरकारों को उस पर लगे प्रतिबंध हटाने के लिए बाध्य करना है, ताकि वे लिट्टे को फिर से खड़ा कर सकें"।

यूरोपीय संघ में शामिल होने के लिए छूट नहीं मांगेगा यूक्रेन: शीर्ष अधिकारी

कीव। (एपी) यूरोपीय संघ द्वारा इस सप्ताह औपचारिक रूप से यूक्रेन को प्रवेश देने के लिए वार्ता शुरू करने पर सहमति व्यक्त करने के बाद युद्धग्रस्त देश यूक्रेन पश्चिम के साथ एकीकरण के "अपरिवर्तनीय" रास्ते पर है। एक शीर्ष यूक्रेनी अधिकारी ने यह बात कही। यूरोपीय और यूरो-अटलांटिक एकीकरण की उप प्रधानमंत्री ओल्गा स्टेफनिशिना ने कहा कि इस सप्ताह प्रवेश वार्ता शुरू करने का निर्णय उनके देश के लिए एक "बड़ा दिन" है।ओल्गा ने रविवार को कीव में कहा, "यह यूक्रेनी लोगों की सर्वोच्च इच्छा है और यह अपरिवर्तनीय है। और आपने देखा है कि यूक्रेन के लोग अपनी पसंद के लिए खड़े हुए हैं"।यूक्रेन के यूरोपीय संघ (ईयू) में शामिल होने के लिए मुख्य वार्ताकार नियुक्त किए जाने के बाद यह उनका पहला साक्षात्कार था। ईयू नेताओं ने शुक्रवार को यूक्रेन और मोल्दोवा के साथ प्रवेश वार्ता शुरू करने पर सहमति व्यक्त की।ओल्गा मंगलवार को लक्जमबर्ग में प्रवेश वार्ता के उद्घाटन की अध्यक्षता करेंगी जिसमें कई शीर्ष सरकारी अधिकारी शामिल होंगे। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के उद्घाटन समारोह में भाषण देने की उम्मीद है।जेलेंस्की ने शुक्रवार के फैसले को एक "ऐतिहासिक कदम" बताया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के उद्घाटन समारोह में भाषण देने की उम्मीद है।जेलेंस्की ने शुक्रवार के फैसले को एक "ऐतिहासिक कदम" बताया। इस वर्ष की शुरुआत में यूरोपीय संसद द्वारा किए गए जनमत सर्वेक्षण से पता चला कि यूरोपीय संघ के नागरिक यूक्रेन की ईयू सदस्यता का बड़े पैमाने पर समर्थन करते हैं, लेकिन इसकी प्रक्रिया को तेज करने के समर्थक कम हैं। ओल्गा ने कहा कि यूक्रेन अपने साथ विशेष व्यवहार की मांग नहीं कर रहा है।उन्होंने कहा, "प्रक्रिया के किसी भी चीज को छोड़े बिना (और) किसी भी छूट की मांग किए बिना यूक्रेन तेजी से आगे बढ़ रहा है"। यूक्रेन अगर यूरोपीय संघ में शामिल होता है तो वह फ्रांस को पीछे छोड़कर इसका सबसे बड़ा सदस्य बन जाएगा। यूक्रेन को उम्मीद है कि वह 2030 तक इसमें शामिल हो जाएगा।

रूस ने हमलों में अमेरिका निर्मित मिसाइलों के इस्तेमाल पर जताया विरोध, अमेरिकी राजदूत तलब

मास्को। (एपी) रूस के कब्जे वाले क्रीमिया पर यूक्रेन के हमले में अमेरिका निर्मित मिसाइलों के इस्तेमाल को लेकर रूसी विदेश मंत्रालय ने अपना विरोध दर्ज कराने के लिए सोमवार को यहां अमेरिकी राजदूत को तलब किया। इस हमले में चार लोगों की मौत हो गई और 150 से अधिक लोग घायल हुए हैं। रूस के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि अमेरिका, यूक्रेन के युद्ध में प्रभावी रूप से एक पक्ष बन गया है और निश्चित रूप से जवाबी कार्रवाई की जाएगी। क्रीमिया पर रूस ने 2014 में कब्जा कर लिया था। रूसी अधिकारियों ने कहा कि रविवार के हमले में मारे गए लोगों में दो बच्चे भी शामिल थे, जो क्रीमिया के बंदरगाह शहर सेवस्तोपोल के तटीय क्षेत्र में यूक्रेन द्वारा दागी गईं मिसाइलों के मलबे की चपेट में आ गए। रूसी अधिकारियों ने कहा कि हमलों में क्लस्टर हथियारों का भी इस्तेमाल किया गया जिसके बारे में विशेषज्ञों का कहना है कि लड़ाकों की तुलना में आम नागरिकों को इससे ज्यादा नुकसान होता है। रूस ने कहा कि ए मिसाइलें अमेरिका में बनी एटीएसीएमएस थीं, जो लंबी दूरी की निर्देशित मिसाइल है। रूस ने अमेरिकी राजदूत लिन ट्रेसी को विदेश मंत्रालय में तलब किया। विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि रूसी क्षेत्र में हमले को अनदेखा नहीं किया जाएगा।संबंधित घटनाक्रम पर फिलहाल यूक्रेन और अमेरिकी अधिकारियों की प्रतिक्रिया अभी नहीं आई है। रूस के आक्रमण के बाद से यूक्रेन की सेना पश्चिमी देशों से मिलने वाले हथियारों पर काफी हद तक निर्भर रही है। हालांकि, कुछ पश्चिमी देश रूस की नाराजगी के कारण यूक्रेन की सेना को और ज्यादा तथा परिष्कृत हथियार सहायता प्रदान करने में हिचकिचा रहे हैं। इस बीच, रूसी रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को यूक्रेनी सेना के एक प्रमुख सैन्य ठिकाने को निशाना बनाने की सूचना दी, जिसमें पश्चिमी देशों द्वारा आपूर्ति की गई मिसाइलें और अन्य हथियार रखे हुए थे। मंत्रालय ने कहा कि यह हमला लड़ाकू विमानों, ड्रोन, जमीन से दागी जाने वाली मिसाइलों और तोपखाने द्वारा किया गया।

दक्षिण अफ्रीका में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रमों में हजारों ने भाग लिया: जोहानिसबर्ग।भारतीय उच्चायुक्त प्रभात कुमार ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका में जोहानिसबर्ग और डरबन में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रमों में शामिल हुए विभिन्न समुदायों के हजारों लोगों ने योग से पैदा हुई एकता का परिचय दिया। कुमार जोहानिसबर्ग के ऐतिहासिक वंडरर्स स्टेडियम में लोगों को संबोधित कर रहे थ।

न्यूयॉर्क पहुंचने पर तिब्बती समुदाय के सदस्यों ने दलाई लामा का का जोरदार स्वागत किया

दक्षिण कोरिया में फैक्टरी में आग लगने से 22 की मौत

मृतकों में ज्यादातर चीनी श्रमिक

सियोल। (एपी)। दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल के समीप, लिथियम बैटरी बनाने वाली फैक्टरी में सोमवार को आग लग जाने से कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में ज्यादातर प्रवासी चीनी श्रमिक थे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अग्निशमन अधिकारियों ने एक प्रत्यक्षदर्शी के हवाले से बताया कि आग सुबह करीब 10:30 बजे सियोल के दक्षिण में स्थित ह्वासोंग शहर में फैक्टरी की दूसरी मंजिल पर बैटरियों में विस्फोट होने के बाद लगी। जिस समय यह घटना हुई, उस वक्त श्रमिक बैटरियों की जांच और पैकेजिंग कर रहे थे। अधिकारियों ने कहा कि आग लगने के कारणों की जांच की जाएगी। स्थानीय अग्निशमन अधिकारी किम जिन-यंग ने बताया कि मृतकों में 18 चीनी, दो दक्षिण कोरियाई और एक व्यक्ति लाओस का नागरिक था। उन्होंने कहा कि मृतकों में से एक की नागरिकता का पता नहीं चल सका है। किम ने बताया कि फैक्टरी में काम करने वाले एक व्यक्ति से संपर्क नहीं हो पाया है और बचावकर्मी घटनास्थल पर तलाश अभियान जारी रखे हुए हैं। उन्होंने बताया कि आठ घायलों में से दो की हालत गंभीर है। आग एरिसेल नामक कंपनी के स्वामित्व वाली एक फैक्टरी की इमारत में लगी। किम ने बताया कि जो लोग मृत पाए गए वे संभवत: सीढ़ियों के रास्ते बाहर नहीं निकल पाए।

विग हो सकता है जहरीला

नाइजीरिया में सिंथेटिक बालों में मिले कीटनाशक और अन्य जहरीले रसायन

ओवेरी (द कन्वरसेशन)। अच्छी तरह से संवारे हुए बाल बहुत सी अश्वेत अफ्रीकी महिलाओं के लिए सुंदरता का प्रतीक हैं। हालाँकि, प्राकृतिक बालों को विशेष देखभाल और ध्यान देने की आवश्यकता होती है, जिसमें समय लग सकता है। विग (मानव या सिंथेटिक बाल), वीव-ऑन और अन्य कृत्रिम बाल एक्सटेंशन महिलाओं को उनके प्राकृतिक बालों का विकल्प प्रदान करते हैं।नाइजीरिया में, ए विकल्प युवा और वृद्ध दोनों ही महिलाओं के बीच बहुत लोकप्रिय हैं। सिंथेटिक बाल लाखों डॉलर का एक बड़ा व्यवसाय है और स्थानीय और विदेशी दोनों उद्योगों द्वारा चलाया जाता है। हेयरड्रेसिंग सैलून फल-फूल रहे हैं, जो महिलाओं के लिए स्टाइलिंग और सौंदर्य सेवाएँ प्रदान करते हैं। लेकिन हमने पाया है कि सिंथेटिक बालों में प्रदूषक तत्व छिपे होते हैं। मानव निर्मित रेशे विभिन्न रासायनिक प्रक्रियाओं से गुजरते हैं ताकि वे मानव बाल की तरह दिखें और महसूस हों। कुछ उत्पादों को बनाने के लिए उपयोग किए जाने वाले कच्चे माल जहरीले होते हैं। और बाल उत्पाद मुख्य रूप से प्लास्टिक से बने होते हैं जो बायोडिग्रेडेबल नहीं होते हैं, जो पर्यावरण के लिए हानिकारक होते हैं।

नाइजीरिया में हमारे अध्ययन में, हमने आमतौर पर महिलाओं द्वारा पहने जाने वाले 10 सिंथेटिक बाल ब्रांडों की जांच की। कुछ नाइजीरिया में बनाए गए थे, अन्य चीन, घाना और अमेरिका में। हमने पाया कि उन सभी में चांदी, कैडमियम, क्रोमियम, निकल, वैनेडियम और सीसा जैसे विभिन्न स्तर के प्रदूषक थे, जिनमें कई कीटनाशक भी शामिल थे जो मानव स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हैं।सिंथेटिक बाल आमतौर पर सिर की त्वचा के करीब पहने जाते हैं। इसे पहनने वाली महिलाओं को संभावित नुकसान के बारे में पता होना चाहिए।नियामकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सिंथेटिक बालों के निर्माता प्लास्टिक-आधारित सिंथेटिक उत्पादों का उपयोग बंद कर दें और इसके बजाय प्राकृतिक पौधों के फाइबर और प्रोटीन मिश्रण का उपयोग करें। ऐसी सामग्री की जगह जो फाइबर बायोडिग्रेडेबल होती हैं और हानिकारक रसायनों से भरी होती हैं।

हमारा अध्ययन: हमने दक्षिण-पूर्वी अबिया राज्य के आबा में एरियारिया अंर्ताष्ट्रीय बाजार से विभिन्न रंगों (कैथरीन, आई कैंडी, गोल्ड, कैलिप्सो, एलवीएच, डैज़लर, मिनी बॉब, नेक्टर, डायना और एक्स-प्रेशन) के 10 लोकप्रिय सिंथेटिक बाल ब्रांड खरीदे। नमूनों का विश्लेषण प्रयोगशाला में किया गया। हमने सिंथेटिक बालों में भारी धातुओं (जैसे कैडमियम, जस्ता, सीसा, क्रोमियम, मैंगनीज, लोहा, पारा, तांबा और निकल) की उपस्थिति निर्धारित करने के लिए पानी और अपशिष्ट जल की जांच के लिए अमेरिकी मानक तरीकों का इस्तेमाल किया।हमें भारी मात्रा में भारी धातुएँ मिलीं। उनमें से एक, सीसा, का उपयोग पॉलीविनाइल क्लोराइड (पीवीसी) को स्थिर करने में किया जाता है जिससे सिंथेटिक बाल बने होते हैं। लेड यौगिक (जैसे कि बेसिक लेड कार्बोनेट, लेड स्टीयरेट और लेड फ़ेथलेट) गर्मी और प्रकाश से पीवीसी को टूटने से रोकते हैं, और स्टाइल बनाना आसान बनाते हैं। सीसा इंसानों के लिए खतरनाक है। यह कोशिकाओं की झिल्लियों, डीएनए और एंटीऑक्सीडेंट रक्षा प्रणालियों को प्रभावित करता है।

रोहित ने लिखी जीत की पटकथा

भारतीय कप्तान 41 गेंद में सात चौकें और आठ छक्कें से 92 रन की धमाकेदार पारी खेली

भाषा। ग्रॉस आइलेट (सेंट लूसिया)। कप्तान रोहित शर्मा के तूफानी अर्धशतक से भारत ने आईसीसी टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण के ग्रुप एक मैच में सोमवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच विकेट पर 205 रन बनाए। रोहित ने 41 गेंद में सात चौकों और आठ छक्कों से 92 रन की पारी खेली और जीत की पटकथा लिख दी थी। उन्होंने ऋषभ पंत (15) के साथ दूसरे विकेट के लिए सिर्फ 38 गेंद में 87 रन की साझेदारी करके भारत के बड़े स्कोर की नींव रखी। सूर्यकुमार यादव (31), शिवम दुबे (28) और हार्दिक पंड्या (नाबाद 27) ने भी उपयोगी पारियां खेली। ऑस्ट्रेलिया की ओर से तेज गेंदबाजों मिशेल स्टार्क और मार्कस स्टोइनिस ने दो-दो विकेट चटकाए लेकिन दोनों काफी महंगे साबित हुए। स्टार्क ने 45 जबकि स्टोइनिस ने 56 रन खर्च किए जबकि उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। मिशेल मार्श ने टॉस जीतकर भारत को बल्लेबाजी का न्योता दिया जिसके बाद टीम ने दूसरे ओवर में ही विराट कोहली का विकेट गंवा दिया जो खाता खोले बिना हेजलवुड की गेंद पर टिम डेविड को कैच दे बैठे। कप्तान रोहित शर्मा ने स्टार्क के पहले ओवर में चौके से खाता खोला और फिर उनके अगले ओवर में चार छक्के और एक चौके से 29 रन बटोरे। रोहित ने कमिंस का स्वागत छक्के के साथ किया जिसके बाद बारिश के कारण कुछ देर खेल रुका रहा। मैच दोबारा शुरू होने पर रोहित ने कमिंस पर दो चौके और एक रन के साथ सिर्फ 19 गेंद में अर्धशतक पूरा किया।भारत ने पावर प्ले में एक विकेट पर 60 रन बनाए। पंत और रोहित ने लेग स्पिनर एडम जंपा का स्वागत छक्कों के साथ किया। रोहित ने आठवें ओवर में स्टोइनिस की लगातार गेंदों पर चौका और दो छक्के मारे लेकिन पंत ने इसी ओवर में हेजलवुड को कैच थमा दिया। सूर्यकुमार ने जंपा पर चौक के साथ नौवें ओवर में भारत के रनों का शतक पूरा किया और फिर कमिंस की लगातार गेंदों पर चौका और छक्का जड़ा।स्टार्क ने गेंदबाजी में वापसी करते हुए रोहित को यॉर्कर पर बोल्ड किया।

वेस्टइंडीज को हरा दक्षिण अफ्रीका सेमीफाइनल में

भाषा। नॉर्थ साउंड (एंटीगा)

स्पिनर तबरेज शम्सी की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से दक्षिण अफ्रीका ने बारिश से प्रभावित रोमांचक मैच में वेस्टइंडीज को डकवर्थ लुईस प्रणाली से तीन विकेट से हराकर टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस मैच में हार से सह मेजबान वेस्टइंडीज टूर्नामेंट से बाहर हो गया। शम्सी ने 27 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्हें दो अन्य स्पिनरों केशव महाराज (24 रन देकर एक विकेट) और कप्तान एडन मार्करम (28 रन देकर एक विकेट) का अच्छा साथ मिला जिससे दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को 8 विकेट पर 135 रन ही बनाने दिए। वेस्टइंडीज की तरफ से रोस्टन चेज ने सर्वाधिक 52 रन बनाए। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने जब दो विकेट पर 15 रन बनाए थे तब बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा था। खेल दोबारा शुरू होने पर दक्षिण अफ्रीका के सामने डकवर्थ लुईस प्रणाली से 17 ओवर में 123 रन बनाने का नया लक्ष्य रखा गया।

दक्षिण अफ्रीका ने 16.1 ओवर में सात विकेट पर 124 रन बनाकर जीत दर्ज की। उसने सुपर 8 में अपने तीनों मैच जीते और इस तरह से ग्रुप 2 में शीर्ष पर रहकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस ग्रुप से इंग्लैंड चार अंक लेकर दूसरे स्थान पर रहा। वह अन्य मेजबान अमेरिका को 10 विकेट से हराकर पहले ही अंतिम चार में अपनी जगह सुरक्षित कर चुका था।दक्षिण अफ्रीका ने बारिश के कारण खेल रुकने से पहले अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों रीजा हेंडरिक्स (00) और क्विंटन डिकॉक (12) के विकेट गंवा दिए थे। बारिश थमने के बाद जब खेल शुरू हुआ तो मार्करम (18), ट्रिस्टन स्टब्स (27 गेंदों में 29 रन) और हेनरिक क्लासेन (10 गेंदों में 22 रन) ने जिम्मेदारी संभाली। लेकिन वह मार्को यानसन (14 गेंदों में नाबाद 21 रन) थे जिन्होंने बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ओबेद मैकॉय द्वारा फेंके गए 17वें ओवर की पहली गेंद पर खूबसूरत छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। चेज ने बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए तीन ओवर में 12 रन देकर तीन विकेट लिए लेकिन उनका यह ऑलराउंड प्रदर्शन भी वेस्टइंडीज को जीत नहीं दिला पाया।

हम और दमदार तरीके से जीत दर्ज करना चाहेंगे: मार्क्राम

नॉर्थ साउंड (एंटीगा)। टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने से राहत महसूस कर रहे दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम ने स्वीकार किया कि उनकी टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ लक्ष्य को जल्दी हासिल करने की हड़बड़ी दिखाई जिससे यह मुकाबला काफी करीबी हो गया। दक्षिण अफ्रीका ने दो बार की चैंपियन टीम को आठ विकेट पर 135 रन रोक दिया। लक्ष्य का पीछा करते समय जब टीम ने 15 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे तब बारिश के कारण एक घंटे तक खेल रूका रहा। दक्षिण अफ्रीका को इसके बाद डकवर्थ लुईस प्रणाली से जीत के लिए 17 ओवर में 123 रन का लक्ष्य मिला। टीम ने सात विकेट गंवाकर आखिरी ओवर में लक्ष्य हासिल किया। मार्करम ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा, सेमीफाइनल में पहुंचने से काफी राहत मिली।

अदिति अशोक और दीक्षा ने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया

नई दिल्ली (भाषा) भारतीय गोल्फर अदिति अशोक और दीक्षा डागर ने सोमवार को विश्व रैंकिंग के आधार पर पेरिस ओलंपिक के टिकट हासिल कर लिए। दोनों महिला खिलाड़ियों से पहले शुभंकर शर्मा और गगनजीत भुल्लर (पुरुष वर्ग) ने भी ओलंपिक के लिए क्वालिफिकेशन पक्का कर लिया था। इससे चार सदस्यीय भारतीय टीम 26 जुलाई से 11 अगस्त तक आयोजित होने वाले खेलों में चुनौती पेश करेंगी। अदिति पहली भारतीय गोल्फर है जो तीसरी बार ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करेंगी। दीक्षा के लिए यह दूसरा मौका होगा तो वहीं शुभंकर और भुल्लर पहली बार इन खेलों में चुनौती पेश करेंगे। ओलंपिक में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अदिति ने ही किया है। वह तोक्यो ओलंपिक में पदक से चूक कर चौथे स्थान पर रही थी। ओलंपिक प्रविष्टियां भारतीय गोल्फ संघ द्वारा भेजी जाती हैं। ओलंपिक के लिए क्वालिफिकेशन रैंकिंग द्वारा निर्धारित की जाती है, जो आधिकारिक विश्व गोल्फ रैंकिंग (ओडब्ल्यूजीआर) के माध्यम से 60 पुरुष और इतनी ही महिला खिलाड़ियों तक सीमित है। ओडब्ल्यूजीआर में शीर्ष 15 खिलाड़ी ओलंपिक के लिए पात्र होते है। इसमें एक देश से अधिकतम चार गोल्फरों की अनुमति है। इसके बाद ओलंपिक गोल्फ रैंकिंग (ओजीआर) के आधार पर खिलाड़ियों को कोटा मिलता है। इसमें एक देश से अधिकतम दो खिलाड़ी जगह पात्र होते है बशर्ते उस देश को ओडब्ल्यूजीआर के कोटे से जगह नहीं मिली हो। अदिति 24वें स्थान के साथ भारत की शीर्ष महिला खिलाड़ी है जबकि दीक्षा 40वें पायदान पर है। दीक्षा ओलंपिक और डेफलंपिक्स (बधिर खिलाड़ियों का विशेष ओलंपिक) में भाग लेने वाले इकलौती गोल्फर है। डेफलंपिक्स में उनके नाम दो पदक है।

क्रोएशिया में जेडएनके डिनामो जगरेब की खिताबी जीत में भारतीय तिकड़ी का अहम योगदान

नई दिल्ली। (भाषा) ज्योति चौहान, एमके काशमीना और किरण पिस्दा की भारतीय तिकड़ी ने जेडएनके डिनामो जगरेब को क्रोएशियाई महिला फुटबॉल कप दिलाने में निर्णायक भूमिका निभाई। यह इस क्लब का क्रोएशिया के शीर्ष स्तर के महिला फुटबॉल का पहला बड़ा खिताब है। मणिपुर की 25 साल की कशमीना ने 19 बार की चैंपियन टीम ओसिजेक के खिलाफ फाइनल मुकाबला।-। की बराबरी पर छूटने के बाद पेनल्टी शूट ऑफ के आखिरी मौके को गोल में बदल कर टीम को 5-4 से जीत दिलाई।डिनामो जगरेब ने पिछले दो सत्र में चार भारतीय खिलाड़ियों को मौका दिया है जिसमें ज्योति और सौम्या गुगुलोथ 2022 में इस टीम से जुड़ी थी जबकि किरण और कश्मीना बाद भी यहां आई। कशमीना ने एआईएफएफ डॉट कॉम से कहा, जिस तरह से हमने यह कप जीता वह विशेष था। हमारे क्लब ने इसे पहले कभी नहीं जीता था, यह काफी यादगार था। फाइनल में कश्मीना के अहम गोल से पहले ज्योति और किरण ने क्रमश: क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में गोल कर टीम की जीत में अहम योगदान दिए थे।

त्वेसा चेक लेडीज ओपन गोल्फ में संयुक्त 25वें स्थान पर

बेरॉन (चेक गणराज्य। भारत की त्वेसा मलिक अंतिम दौर में बोगी रहित पांच अंडर 67 के स्कोर से यहां टिपस्पोर्ट चेक लेडीज ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त 25वें स्थान पर रहीं। त्वेसा टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही छह भारतीय खिलाड़ियों में शीर्ष पर रहीं।

जिम्बाब्वे दौरे के लिए युवा भारतीय टीम, गिल कप्तान

असम के बल्लेबाज रियान पराग भारतीय टीम मे जगह बनाने वाले पूर्वोत्तर के पहले क्रिकेटर बन गए

भाषा। नई दिल्ली

असम के बल्लेबाज रियान पराग भारतीय टीम में जगह बनाने वाले पूर्वोत्तर के पहले क्रिकेटर बन गए जिन्हें जिम्बाब्वे के खिलाफ अगले महीने पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के लिए शुभमन गिल की कप्तानी वाली युवा टीम में जगह दी गई है।श्रृंखला छह जुलाई से शुरू होगी और सारे मैच हरारे में खेले जाएंगे। वेस्टइंडीज और अमेरिका में टी20 विश्व कप खेल रहे सीनियर खिलाड़ियों कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, हार्दिक पंड्या, सूर्यकुमार यादव, रविंद्र जडेजा और जसप्रीत बुमराह को आराम दिया गया है। ए सभी पिछले साढे तीन महीने से लगातार खेल रहे हैं जिसमें आईपीएल भी शामिल था। शिवम दुबे, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव को भी ब्रेक दिया गया है। समझा जाता है कि भारत में 2026 में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए चयनकर्ता खिलाड़ियों का पूल बड़ा करना चाहते हैं। राजस्थान रॉयल्स के 21 वर्ष के पराग ने आईपीएल के इस सत्र में 573 रन जोड़े। वह सीनियर राष्ट्रीय टीम में जगह पाने वाले असम के पहले खिलाड़ी हैं। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन और ध्रुव जुरेल दोनों विकेटकीपर होंगे। पंजाब के बल्लेबाज अभिषेक ने आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलते हुए 484 रन बनाए। वहीं उनके साथी नीतिश रेड्डी को भी 15 सदस्यीय टीम में जगह मिली है। टीम की औसत उम्र 25 वर्ष है जिसमें मुकेश कुमार ही 30 पार के हैं। टी20 विश्व कप में शामिल संजू सैमसन और यशस्वी जायसवाल को भी 15 सदस्यीय टीम में जगह मिली है। गिल और आवेश टी20 विश्व कप में रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्हें ग्रुप चरण के मैचों के बाद रिलीज कर दिया गया था। सैमसन और यशस्वी जायसवाल को चुना है। समझा जाता है कि समिति हार्दिक पंड्या और सूर्यकुमार जैसे सीनियर खिलाड़ियों को चुनने की पक्षधर नहीं थी। वहीं युजवेंद्र चहल काफी सीनियर हैं और दस साल पहले इसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ उन्होंने पदार्पण किया था लिहाजा उनके खेलने का कोई औचित्य नहीं था। चयन समिति ने तमिलनाडु के हरफनमौला वॉशिंगटन सुंदर को एक और मौका दिया है जिन्हें इंपैक्ट खिलाड़ी के नियम के कारण आईपीएल में ज्यादा खेलने का मौका नहीं मिला था। कोलकाता नाइट राइडर्स के हर्षित राणा और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के यश दयाल को मौका नहीं मिल सका। मुकेश कुमार ने डैथ ओवरों में गेंदबाजी के अपने अनुभव और यॉर्कर फेंकने की क्षमता के दम पर तरजीह पाई। चेन्नई सुपर किंग्स के तुषार देशपांडे ने आईपीएल में 17 विकेट लिए थे जिससे उनका चयन हुआ।

भारतीय टीम : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, रूतुराज गायक्वाड़ अभिषेक शर्मा, रिंकू सिंह, संजू सैमसन, ध्रुव जुरेल, नीतिश रेड्डी, रियान पराग वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई आवेश खान, खलील अहमद, मुकेश कुमार, तुषार देशपांडे

भारत की पुरुष और महिला तीरंदाजी टीमों ने ओलंपिक कोटा हासिल किए

नई दिल्ली। (भाषा) भारत ने सोमवार को विश्व तीरंदाजी की नवीनतम रैंकिंग के आधार पर पेरिस ओलंपिक के लिए तीरंदाजी में पुरुष और महिला टीम कोटा हासिल कर लिया। भारत ने पुरुष और महिला दोनो वर्गों में क्वालिफिकेशन हासिल करने में नाकाम रहे देशो की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर टीम कोटा पक्का किया। भारत इस तरह से पेरिस में सभी पांच पदक स्पर्धाओं (पुरुष और महिला टीम, व्यक्तिगत और मिश्रित श्रेणियों) में प्रतिस्पर्धा करने का पात्र होगा। पुरुष वर्ग में रैंकिंग के आधार पर भारत और चीन ने कोटा हासिल किया, जबकि महिला वर्ग में भारत के अलावा इंडोनेशिया कोटा हासिल करने वाला दूसरा देश रहा। ओलंपिक में 12 देश टीम स्पर्धाओं में चुनौती पेश करेंगे जबकि मिश्रित प्रतियोगिताओं में पांच टीमे प्रतिस्पर्धा करेंगी। यह पहली बार है जब तीन चरण के ओलंपिक क्वालीफायर के बाहर रहने वाले शीर्ष दो देशो को टीम कोटा प्रदान किया गया है। अनुभवी तीरंदाज तरुणदीप रॉय और दीपिका कुमारी रिकॉर्ड चौथी बार ओलंपिक में चुनौती पेश करेंगे। सेना के 40 साल के दिग्गज तरुणदीप ने 2004 में एथेंस ओलंपिक में पहली बार देश का प्रतिनिधित्व किया था। जबकि दीपिका का यह लगातार चौथा ओलंपिक होगा। उन्होने 2012 में लंदन में पहली बार ओलंपिक खेलो में हिस्सा लिया था। धीरज बोम्मदेवरा, अंकिता भक्त और भजन कौर ओलंपिक में पदार्पण करेंगे, जबकि प्रवीण जाधव का तोक्यो के बाद यह लगातार दूसरा ओलंपिक खेल होगा।

जीव ओएफएक्स गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त आठवें स्थान पर, ज्योति 14वें स्थान पर

लाउथ (आयरलैंड)। भारत के जीव मिल्खा सिंह तीसरे और अंतिम दौर में 70 का अपना हफ्ते का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए लीजेंड्स टूर ऑफ यूरोप के ओएफएक्स लीजेंड्स गोल्फ टूर्नामेंट में शीर्ष 10 में रहे। पहले दो दिन 74 और 68 का कार्ड खेलने वाले जीव कुल चार अंडर 212 के स्कोर से संयुक्त रूप से आठवें स्थान पर रहे। उन्होने अंतिम दौर में चार बर्डी और दो बोगी से दो अंडर का स्कोर बनाया। लीडेड्स टूर में हिस्सा ले रहे एक अन्य भारतीय ज्योति रंधावा (71-72-71) दो अंडर के कुल स्कोर के साथ संयुक्त रूप से 14वें स्थान पर रहे। ब्राजील के एडिल्सन डा सिल्वा ने तीन होल के प्ले ऑफ में स्वीडन के पैट्रिक सोलैड को पछाड़कर लीडजेड्स टूर पर अपना छठा खिताब जीता।

पीसीबी में आमूलचूल बदलाव की तैयारी खिलाड़ियों के लिए बनेगी आचार संहिता

कराची। अमेरिका में टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के लचर प्रदर्शन के बाद देश के क्रिकेट बोर्ड में बदलाव की तैयारी है और खिलाड़ियों के लिए आचार संहिता बनाने की तैयारी भी की जा रही है जो टूर्नामेंट के दौरान अपने परिवारों को साथ ले जाने और पैसे लेकर प्रचार कार्यक्रमों में जाने के लिए आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक विश्वसनीय सूत्र ने पुष्टि की है कि अध्यक्ष मोहसिन नकवी कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के प्रदर्शन से नाराज हैं और उन्होंने टीम में व्याप्त अनुशासनहीनता के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया है। टीम टी20 विश्व कप में लीग चरण से भी आगे नहीं बढ़ सकी। सूत्र ने कहा, आप उम्मीद कर सकते हैं कि पीसीबी भविष्य में वरिष्ठ प्रबंधन स्तर के कुछ अधिकारियों को बाहर कर देगा और खिलाड़ियों के लिए कुछ सख्त नीतियां भी लागू करेगा। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को आईसीसी और अन्य प्रमुख प्रतियोगिताओं में अपने परिवारों को साथ ले जाने की अनुमति नहीं देने के बारे में नीतिगत निर्णय भी पीसीबी द्वारा जल्द ही घोषित किए जाने की उम्मीद है। सूत्र ने कहा, इतने सारे खिलाड़ी ना केवल अपनी पत्नियों और बच्चों को विश्व कप के लिए ले गए बल्कि उनके माता-पिता, भाई आदि भी टीम होटल में ठहरे जिससे अध्यक्ष नाखुश हैं। उन्होंने कहा कि जब इस बारे में पूछताछ की गई कि खिलाड़ियों को अपने परिवार के सभी सदस्यों को दौरे पर ले जाने की अनुमति किसने दी तो पता चला कि इस निर्णय के पीछे बोर्ड के कुछ वरिष्ठ अधिकारी थे।

विपरीत परिस्थितियों में अफगानिस्तान की टीम लिख रही सफलता की नई कहानी

नई दिल्ली।(भाषा) युद्ध की तबाही, बुनियादी ढांचे की कमी और अपना कोई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम नहीं होने के बाद भी अफगानिस्तान की टीम वेस्टइंडीज में टी20 विश्व में सुपर आठ में जगह पक्की करने के बाद सेमीफाइनल की दावेदारी में बनी हुई है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड 1995 में अस्तित्व में आया था। यह देश 2001 में आईसीसी का संबद्ध सदस्य बना और इसके एक दशक बाद उसे टेस्ट खेलने का दर्जा मिला। अफगानिस्तान 2017 से आईसीसी का पूर्ण सदस्य है।टीम ने टी20 विश्व कप में टीम ने न्यूजीलैंड को बड़े अंतर से शिकस्त देकर सुपर आठ चरण में जगह पक्की की। सुपर आठ में उसने 2021 की चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया को हराकर बड़ा उलटफेर किया। वैश्विक मंच पर

अफगानिस्तान का यह उदय अचानक नहीं हुआ है। अफगानिस्तान पहले भी बड़ी टीमों को टक्कर देते रहा है लेकिन वह दबाव के क्षणों में बिखर कर मैच गंवा देते था। इस मामले में राशिद खान की अगुवाई में टीम ने काफी सुधार किया है। वेस्टइंडीज में राशिद की असरदार कप्तान और शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के शानदार खेल से टीम सफलता की नई कहानी गढ़ रही है। भारत के पूर्व क्रिकेटर विजय दहिया ने इसका श्रेय दुनिया भर के टी20 लीग में खेलने के उनके अनुभव के साथ मानसिक और शारीरिक दृढ़ता को दिया। उन्होंने कहा, यह अफगान टीम मानसिक रूप से बहुत मजबूत है और उनमें सफलता हासिल करने की भूख है। वे शारीरिक रूप से भी पहले से मजबूत हैं। क्रिकेट में मानसिक दृढ़ता अधिक मायने रखती है। अगर वे सेमीफाइनल में पहुंचते हैं तो मुझे आश्चर्य नहीं होगा।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5 ,बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-69342500।